राष्ट्रीय दैनिक

प्रात·किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

हर खबर पर पकड़

11 हमें टर्निंग पिचों की जरूरत नहीं...

इजराइली नागरिकों पर प्रतिबंध... 12

वर्ष : 14 | अंक : 262 | नई दिल्ली, रविवार, 04 फरवरी, 2024 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

अधिकतम तापमान 16°C

न्यूनतम तापमान 10°C

बाजार

सोना 64,995

चांदी 79,900

सेंसेक्स 72,085

निफ्टी 21,853

संक्षिप्त खबरें

आडवाणी को भारत रत्न देने का निर्णय एक सुखद अनुभव : जे पी नड्डा

नई दिल्ली। लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न देने के केन्द्र सरकार के निर्णय पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने स्वागत करते हुए इसे सुखद अनुभव बताया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लालकृष्ण आडवाणी को बधाई देते हुए इस निर्णय को एक सुखद अनुभव और सुख की अनुभूति प्रदान करने वाला बताया। नड्डा ने कहा कि पिछले वर्षों में भाजपा ने बहुत उतार चढ़ाव देखे लेकिन आडवाणी ऐसे नेता रहे, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में पार्टी को सींचा और खड़ा किया। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि आडवाणी भारत के उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री रहे और पार्टी के नेता तथा कार्यकर्ता उनके जीवन से प्रेरित होते रहे हैं। राष्ट्रीयता के साथ उन्होंने जो देश की सेवा की है, उससे देश के लोग प्रेरित होते हैं। उन्होंने कहा कि आडवाणी उस पहली पीढ़ी के नेता हैं, जिन्होंने बाल्यकाल से ही देश भक्ति के साथ देश को मजबूत करने का काम किया।

दिल्ली हवाई अड्डे पर हवाई पट्टी 10/28 अब चालू: डायल

नई दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डा परिचालक डायल ने शनिवार को कहा कि दोबारा तैयार की गई हवाई पट्टी आरडब्ल्यू 10/28 अब चालू है। इसके साथ ही इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा (आईजीएआई) के पास अब चार हवाई पट्टियां उपयोग में हैं। हाल ही में हवाईअड्डे पर कोहरे के कारण परिचालन संबंधी व्यवधान देखा गया था। इसके चलते उड़ान में देरी, रद्दीकरण, मार्ग परिवर्तन के साथ ही यात्रियों को लंबे समय तक इंतजार और भीड़ का सामना करना पड़ा। हवाई अड्डा संचालक दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने कहा कि आरडब्ल्यू 10/28 को दोबारा तैयार करने और इसके नवीनीकरण का काम पूरा कर लिया गया है और इसे तीन फरवरी से वाणिज्यिक संचालन के लिए हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) को सौंप दिया गया है।नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, दिल्ली हवाई अड्डे पर सीएटी-3 सक्षम रनवे 10/28 आज चालू हो गया है। इससे मौसम संबंधी समस्याओं में और कमी सुनिश्चित होगी।

न्याय के मामले में अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता : मोदी

प्रात : किरण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यायिक प्रक्रिया में देश के बीच सहयोग की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए शनिवार को कहा कि कभी-कभी एक देश में न्याय सुनिश्चित करने के लिए दूसरे देशों के साथ काम करने की आवश्यकता होती है। श्री मोदी राजधानी में आयोजित राष्ट्रमंडल देशों के महान्यायवादियों और महाधिवक्ताओं के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा जब हम सहयोग करते हैं, तो हम एक-दूसरे की व्यवस्थाओं को को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि देश एक दूसरे की न्यायिक प्रणालियों को को अधिक अच्छी तरह समझते हों तो, ताल में बढ़ता है। तालमेल से न्याय करने का काम बेहतर और तेज होता है। इस सम्मेलन का आयोजन कॉमनवेल्थ लीगल एजुकेशन एसोसिएशन के तत्वधान में किया गया है। सम्मेलन का विषय है- न्याय दिलाने में सीमा - पर चुनौतियां। इस सम्मेलन में कानून और न्याय से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों,जैसे न्यायिक परिवर्तन और कानूनी कार्य प्रणाली के नैतिक आयाम, सरकारों का दायित्व और अन्य बातों के अलावा आधुनिक शिक्षा पर पुनर ध्यान देने के बारे में विचार विमर्श किया जाना है। सम्मेलन में एशिया, प्रशांत अफ्रीका

और कैरेबियाई क्षेत्र के राष्ट्रमंडल के सदस्य देशों के अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल भाग ले रहे हैं। इसके अलावा कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि भी सम्मेलन में आए हैं। प्रधानमंत्री ने न्याय दिए जाने की कानूनी प्रणाली पर पुनर्विचार और उसमें सुधार करने का आह्वान करते हुए कहा कि अपराधी विभिन्न क्षेत्रों में वित्त पोषण और संचालन के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। राष्ट्रमंडल विधि शिक्षा संघ -राष्ट्रमंडल अटॉर्नी और सॉलिसिटर जनरल सम्मेलन में मोदी ने कहा कि देश पहले से ही हवाई यातायात नियंत्रण और समुद्री यातायात के क्षेत्र में एक-दूसरे के साथ काम कर रहे हैं और उन्होंने इस सहयोग को जांच तथा न्याय दिए जाने की प्रक्रिया तक बढ़ाने की पैरवी की। उन्होंने कहा, जब हम एक साथ मिलकर काम करते हैं तो क्षेत्राधिकार न्याय देने का जरिया बन जाता है न कि उसमें देरी करने का। उन्होंने कहा कि अपराध की प्रकृति और दायरे में आमूलचूल परिवर्तन देखा गया है। उन्होंने कहा कि कई बार किसी एक देश में न्याय सुनिश्चित करने के लिए दूसरे देशों के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता पड़ती है। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जतायी कि यह सम्मेलन इसे सुनिश्चित करने के लिए काम करेगा कि सभी को समय पर न्याय मिले और कोई भी पीछे न छूटे। उन्होंने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी का उदय और साइबर खतरे नई चुनौतियां पेश कर रहे हैं और ऐसे में न्याय देने की प्रणाली को अधिक लचीला तथा सुगम बनाने की आवश्यकता है। मोदी ने कहा कि 21वीं सदी की चुनौतियों से 20वीं सदी के तौर-तरीकों के साथ नहीं लड़ा जा सकता है। प्राचीन भारतीय मान्यताओं का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि न्याय स्वतंत्र स्व-शासन के मूल में है और बिना न्याय के राष्ट्र का अस्तित्व संभव नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि न्याय देने की प्रक्रिया में कानूनी शिक्षा एक अहम उपकरण है और उन्होंने विधि स्कूलों में अधिक महिलाओं के होने पर जोर दिया ताकि कानून प्रणाली में उनकी उपस्थिति बढ़ें। मोदी ने कहा कि दुनिया को युवा विधि प्रतिभाओं की जरूरत है जिनके पास विविध अनुभव हो।

भाजपा के वयोवृद्ध नेता एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री को मिलेगा देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न, पीएम मोदी ने दी बधाई

भावुक हुए पूर्व उप प्रधानमंत्री, बधाई देने वालों का लगा तांता

प्रात : किरण

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वयोवृद्ध नेता एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से अलंकृत किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को एक्स पर यह जानकारी दी। श्री मोदी ने लिखा, मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि लालकृष्ण आडवाणी जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। मैंने भी उनसे बात की और इस सम्मान से सम्मानित होने पर उन्हें बधाई दी। भारत सरकार की ओर से भारत रत्न सम्मान के एलान के बाद पूर्व उपप्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी पहली बार नजर आए हैं। उन्होंने अपने घर से हाथ हिलाकर लोगों और मीडियाकर्मियों का अभिवादन किया है। उनके साथ उनकी बेटी प्रतिभा आडवाणी भी थी। भारत रत्न सम्मान के बाद उनका मुंह मीठा किया और उन्हें गले लगाकर बधाई दी। प्रतिभा आडवाणी ने कहा, पूरा परिवार और मैं बहुत खुश हैं कि उन्हें देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार दिया गया है। इस मौके पर मुझे मेरी मां की याद आ रही है। उनका दादा (आडवाणी जी) के सार्वजनिक और निजी जीवन में बहुत बड़ा योगदान रहा है। सम्मान की बात जानकर दादा बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन देश की सेवा में समर्पित कर दिया। वह प्रधानमंत्री के साथ-साथ देश के लोगों को धन्यवाद देते हैं कि उन्हें जीवन के इस मुकाम पर यह सम्मान दिया जा रहा है। प्रतिभा आडवाणी ने कहा, वह बहुत अभिभूत हैं। वह कम बोलने वाले व्यक्ति हैं। लेकिन उसकी आंखों में आंसू थे। उन्हें इस बात की खुशी और संतोष है कि उन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर दिया। इसलिए, हम बहुत खुश हैं। केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, देश के वरिष्ठतम नेता और हमारे मार्गदर्शक आदरणीय लालकृष्ण आडवाणी जी को भारत रत्न की घोषणा अत्यंत सुखद और आनंददाई है। आजादी के बाद देश के पुनर्निर्माण में आडवाणी जी की अहम भूमिका रही है। रक्षा मंत्री ने अपने एक्स हैंडल पर एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा, हम सबके प्रेरणास्रोत एवं देश के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिए जाने के फैसले से बड़े हर्ष और आनंद की अनुभूति हुई है। वे राजनीति में शुचिता, समर्पण और दृढ़ संकल्प के प्रतीक हैं।

भारत के विकास में उनका योगदान अविस्मरणीय : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न प्रदान करने की सूचना शनिवार को सोशल मीडिया पर साझा की। उन्होंने वयोवृद्ध नेता को फोन कर इसके लिए शुभकामनायें दी हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स हैंडल पर इस सूचना को साझा करते हुए भाजपा नेता आडवाणी के साथ अपने दो पुराने फोटो अपलोड किए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, आडवाणी जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाना मेरे लिए बहुत भावुक क्षण है। मैं इसे हमेशा अपना सौभाग्य मानूंगा कि मुझे उनके साथ बातचीत करने और उनसे सीखने के अनगिनत अवसर मिले। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि समय के सबसे सम्मानित राजनेताओं में से एक आडवाणीजी का भारत के विकास में योगदान अविस्मरणीय है। उनका जीवन जमीनी स्तर पर काम करने से शुरू होकर उप प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने तक का है। उन्होंने गृहमंत्री और सूचना एवं प्रसारण मंत्री के रूप में भी अपनी पहचान बनाई। उनके संसदीय हस्तक्षेप हमेशा अनुकरणीय और समृद्ध अंतर्दृष्टि से भरे रहे हैं। उन्होंने कहा है कि सार्वजनिक जीवन में आडवाणी जी की दशकों लंबी सेवा को पारदर्शिता और अखंडता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के रूप में चिह्नित किया गया है। उनकी राजनीतिक नैतिकता ने अनुकरणीय मानक स्थापित किया है। भाजपा नेता आडवाणी ने राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक पुनरुत्थान को आगे बढ़ाने की दिशा में अद्वितीय प्रयास किए हैं।

सीएम केजरीवाल के घर दल बल के साथ आ धमके एसपी साहब

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। राजनीति में कब क्या हो जाए कुछ नहीं कहा जा सकता है। दिल्ली की राजनैतिक तस्वीर भी कुछ इसी तरह की दिखाई दे रही है। यहां आम आदमी पार्टी अपने विधायकों को 25-25 करोड़ रुपए में खरीदने का आरोप लगाया। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आरोप लगाया था कि बीजेपी आप के विधायकों को 25-25 करोड़ रुपये का ऑफर दे रही है। उनके 21 विधायकों को तोड़ने की योजना है और सात विधायकों के साथ संपर्क भी साधा गया है। उन्होने दावा किया कि सही समय आने पर हम इसके साबूत भी पेश करेंगे। अब सूत्रों के हवाले से खबर आ रही है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर एसपी साहब अपने दलबल के साथ पहुंच गए हैं। बताया जा रहा है कि सीएम को नोटिस देने के लिए पुलिस उनके घर पहुंची है। सूत्रों के अनुसार, केजरीवाल ने आरोप लगाया था कि उनके विधायकों को खरीदने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने बताया था कि इस संबंध में उनके सात विधायकों से संपर्क भी किया गया। इससे पहले केजरीवाल दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन के कथित मामले में पूछताछ के लिए शुक्रवार को ईडी के सामने पेश नहीं हुए। केंद्रीय एजेंसी द्वारा केजरीवाल को बुधवार को पांचवीं बार समन जारी किया गया था।

प्रवर्तन निदेशालय ने पिछले चार महीनों में उन्हें चार समन जारी किए है लेकिन वह अभी तक उसके सामने पेश नहीं हुए हैं। ह्यआप ने कहा कि केजरीवाल पूछताछ के लिए एजेंसी के सामने पेश नहीं होंगे। पार्टी ने समन को ह्यद्यअवैध करार देते हुए कहा कि प्रवर्तन निदेशालय केजरीवाल को गिरफ्तार करने के लिए बार-बार नोटिस भेज रहा है। ह्यआप ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केजरीवाल को गिरफ्तार कर दिल्ली में उनकी सरकार गिराना चाहती है। उसने कहा कि आम आदमी पार्टी ऐसा नहीं होने देगी। केजरीवाल पिछले साल दो नवंबर, 21 दिसंबर और इस साल तीन जनवरी तथा 18 जनवरी को प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष उपस्थित होने संबंधी उसके समन को टाल चुके हैं। आरोप है कि शराब व्यापारियों को लाइसेंस देने संबंधी दिल्ली सरकार की 2021-22 की आबकारी नीति में उन कुछ शराब कारोबारियों को फायदा पहुंचाया गया, जिन्होंने कथित तौर पर इसके लिए रिश्वत दी थी। हालांकि, आम आदमी पार्टी आरोपों का बार-बार खंडन करती रही है। बाद में इस नीति को वापस ले लिया गया था और दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की सिफारिश की थी।

कोर्ट ने सोरेन को फ्लोर टेस्ट में शामिल होने की दी इजाजत

प्रात : किरण/एजेंसी

रांची। झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को पीएमएलए कोर्ट ने विधानसभा में 5 फरवरी को नई सरकार के लिए होने वाले फ्लोर टेस्ट में शामिल होने की अनुमति दे दी है। सोरेन अभी न्यायिक हिरासत में हैं और शनिवार से ईडी उन्हें पांच दिनों की रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। हेमंत सोरेन झारखंड विधानसभा में बरहेट विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्हें 31 जनवरी की रात ईडी ने रांची के जमीन घोटाले में गिरफ्तार किया था। हेमंत सोरेन की ओर से शनिवार को ही पीएमएलए कोर्ट में

अर्जी दाखिल कर आग्रह किया गया कि उन्हें 5 फरवरी को 11 बजे एक घंटे के लिए विधानसभा में मौजूदगी की अनुमति दी जाए। इस अर्जी पर बहस के दौरान सोरेन और ईडी दोनों पक्षों ने अपनी दलीलें पेश की। हेमंत सोरेन के अधिवक्ता ने कोर्ट में पूर्व में पारित किये गये कई आदेशों की नजीर पेश की। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने हेमंत सोरेन को फ्लोर टेस्ट में शामिल होने की इजाजत दे दी। दरअलसल, हेमंत सोरेन को ईडी ने बीती 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था। हेमंत सोरेन को पूछताछ के लिए शनिवार को बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल से रांची में ईडी के ऑफिस लाया गया। पीएमएलए कोर्ट ने शुक्रवार को हेमंत सोरेन को पांच दिनों की ईडी रिमांड पर भेजने का निर्देश दिया है। ईडी ने अदालत में 10 दिनों की रिमांड की मांग की थी।

मोदी ने ओडिशा में किया 68000 करोड़ रु की योजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली/संभलपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिये राज्यों का विकास जरूरी है और उनकी सरकार इस दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। श्री मोदी ओडिशा के संबलपुर में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने राज्य में 68,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन किया, राष्ट्र को समर्पित किया और आधारशिला

रखी। इस अवसर पर राज्यपाल रघुवर दास और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक पर प्रधानमंत्री के साथ मंच पर उपस्थित थे। श्री मोदी इस समय ओडिशा और असम के दो दिन के दौरे पर हैं। वह आज ही संभलपुर से गुवाहाटी जायेंगे। श्री मोदी ने कहा, विकसित भारत के लक्ष्य को हम तभी हासिल कर सकते हैं, जब भारत का हर राज्य विकसित बने। उन्होंने कहा कि इसीलिये बीते वर्षों में उनकी सरकार ने ओडिशा की हर क्षेत्र में अधिक से अधिक मदद की है। हमने ओडिशा को शिक्षा का, कौशल विकास का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। श्री मोदी ने कहा कि सरकार ने ओडिशा को शिक्षा और कौशल विकास का केंद्र बनाने के लिये निरंतर प्रयास किये हैं। उन्होंने कहा कि बीते दशक में ओडिशा को जो आधुनिक शिक्षा संस्थान मिले हैं, वे यहां के युवाओं का भाग्य बदल रहे हैं।

राहुल गांधी ने देवघर के बाबा बैद्यनाथ में की पूजा-अर्चना

देवघर। भारत जोड़ो यात्रा के तहत कांग्रेस सांसद राहुल गांधी झारखंड पहुंचे हैं। राहुल गांधी की यात्रा दो फरवरी को पाकुड़ से शुरू हुई। वे पहली बार शनिवार को देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर पहुंचे। इस दौरान राहुल गांधी गुलाबी रंग की धोती और गमछे में नजर आए। मंदिर के पुरोहितों ने उनसे पूरे विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कराई। राहुल गांधी के आगमन पर उनके स्वागत में बाबा मंदिर वीआईपी गेट से लेकर मंदिर प्रशासनिक भवन एवं मंदिर को फूलों से सजाया गया।

आडवाणी को भारत रत्न दिए जाने के फैसले का खड़गे ने किया स्वागत

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिए जाने के फैसले का कांग्रेस ने स्वागत किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि वह सरकार के इस फैसले का वह स्वागत करते हैं लेकिन उन्हें यह सम्मान बहुत देरी से दिया गया है। इसके पहले कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने भी एक बयान में कहा कि भाजपा को लालकृष्ण आडवाणी की याद बहुत देर में आई है। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित करना स्वागत योग्य है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि आजकल भारत रत्न अपने वोट को बांधने के लिए दिए जाते हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी को भारत रत्न से सम्मान की घोषणा पर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

भाजपा ने झारखंड में सरकार 'चोरी' करने की कोशिश की : राहुल गांधी

प्रात : किरण/एजेंसी

गोड्डा (झारखंड)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर झारखंड में सरकार की 'चोरी' की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जनादेश की रक्षा के लिए हस्तक्षेप किया। गोड्डा जिले में कांग्रेस की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो)नीत गठबंधन सरकार को बचाने में कांग्रेस की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने एक बार फिर भाजपा की

विचारधारा का विरोध करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। वह बाद में देवघर पहुंचे और द्वादश ज्योर्तिलिंग में से एक बैद्यनाथ धाम में पूजा-अर्चना की और इसके अलावा एक अन्य जनसभा को संबोधित किया। मणिपुर से 14 जनवरी को शुरू हुई यात्रा शुक्रवार दोपहर को पश्चिम बंगाल से पाकुड़ जिले होते हुए झारखंड राज्य में प्रवेश की। कांग्रेस प्रवक्ता राकेश सिन्हा ने बताया कि पाकुड़ के लिट्टीपाड़ा में रात्रि विश्राम के बाद यात्रा शनिवार सुबह गोड्डा जिले के सरकंडा चौक से फिर शुरू हुई। सिन्हा ने बताया कि यात्रा धनबाद के लिए रवाना होगी और धनबाद के टुंडी ब्लॉक के हलकटा में रात्रि विश्राम के लिए पड़ाव डालने की योजना है। झारखंड में यात्रा दो चरणों में होगी और इस दौरान आठ दिन के दौरान 13 जिलों में 804 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी।

सुरक्षा रक्षा मंत्री ने नौसेना की सराहना करते हुए कहा कि यह न केवल भारतीय जहाजों, बल्कि मित्र देशों के जहाजों को भी सुरक्षा प्रदान कर रही है।

न्यू इंडिया ने समुद्री डकैती और तस्करी को बर्दाश्त न करने की ली प्रतिज्ञा : राजनाथ

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को विश्व व्यापारिक समुदाय को आश्वस्त किया कि न्यू इंडिया ने समुद्री डकैती और तस्करी को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करने की प्रतिज्ञा ली है। श्री सिंह ने नौसेना डॉकयार्ड, विशाखापत्तनम में आयोजित समारोह में नौसेना के पहले विशाल सर्वेक्षण पोत आईएनएस संधायक (यार्ड 3025) नौसेना के बेड़े में शामिल किये जाने के मौके पर कहा कि यह पोत हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में भारत की एक महाशक्ति के रूप में भूमिका को और मजबूत करेगा तथा शांति और

सुरक्षा बनाए रखने में भारतीय नौसेना की मदद करेगा। रक्षा मंत्री ने नौसेना की सराहना करते हुए कहा कि यह न केवल भारतीय जहाजों, बल्कि मित्र देशों के जहाजों को भी सुरक्षा प्रदान कर रही है। उन्होंने हाल ही में अदन की खाड़ी में एक ब्रिटिश जहाज पर ड्रोन हमले का जिक्र किया, जिसके परिणामस्वरूप तेल टैंकरों में आग लग गई। उन्होंने आग बुझाने में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए भारतीय नौसेना की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रयास को दुनिया ने पहचाना और सराहा। श्री सिंह ने पिछले कुछ दिनों में पांच समुद्री डकैती के प्रयासों को विफल करने और ड्रोन तथा मिसाइलों से हमला किए गए जहाजों की सहायता करने के अलावा 80 मछुआरों एवं नौसैनिकों को बचाने के लिए भी भारतीय नौसेना की सराहना की। उन्होंने कहा, हिंद महासागर क्षेत्र में भारतीय नौसेना शांति और समृद्धि सुनिश्चित करते हुए सुरक्षित व्यापार की सुविधा प्रदान कर रही है। कई रक्षा विशेषज्ञ इसे एक महाशक्ति का उदय बता रहे हैं। हर किसी की रक्षा करना, हमारी संस्कृति है। रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि बढ़ती ताकत के साथ, भारत न केवल क्षेत्र से, बल्कि पूरे विश्व से अराजकता को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विभिन्न देशों के बीच नौवहन, व्यापार और वाणिज्य की स्वतंत्रता बनाए रखने के भारत के रुख को दोहराया। उन्होंने कहा, हमारी बढ़ती शक्ति का उद्देश्य नियम-आधारित विश्व व्यवस्था सुनिश्चित करना है। हमारा उद्देश्य हिंद महासागर और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अवैध और अनियमित मछली पकड़ने को रोकना है। नौसेना इस क्षेत्र में नशीले पदार्थों और मानव तस्करी को रोक रही है। यह न केवल समुद्री डकैती रोकने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि इस पूरे क्षेत्र को शांतिपूर्ण और समृद्ध बनाने के लिए भी प्रतिबद्ध है। आईएनएस संध्याक हमारे उद्देश्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

संक्षिप्त समाचार

मौसम खराब होने से एक उड़ान रद्द, छह देरी से पहुंची

ऋषिकेश, एजेंसी। बारिश और कोहरे के कारण देहरादून एयरपोर्ट पर हवाई यातायात प्रभावित रही। विभिन्न शहरों से आने वाली छह उड़ानें विलंब से एयरपोर्ट पहुंचीं। वहीं सुबह की एक फ्लाइट को रद्द करना पड़ा। बुधवार को पूरे दिन बादल छाए रहे। रुक रुककर बारिश होती रही। सुबह कुछ देर के लिए बारिश बंद हुई तो कोहरे ने पूरे क्षेत्र को चपेट में ले लिया। जिससे विजिबिलिटी काफी गिर गई। मौसम खराब होने से सुबह 9ः20 बजे दिल्ली से देहरादून आने वाली इंडिगो की फ्लाइट को दिल्ली से ही रद्द कर दिया। जयपुर, लखनऊ, हैदराबाद और दिल्ली की उड़ानें विलंब से एयरपोर्ट पर लैंड हुईं। दोपहर बाद अधिक मौसम खराब होने पर एयरपोर्ट आने वाली उड़ानें एक घंटे के भी अधिक विलंब से लैंड हो सकी। दोपहर ढाई बजे आने वाली विस्तारा की मुंबई वाली उड़ान करीब एक घंटे के विलंब से शाम 3ः34 बजे एयरपोर्ट पहुंची। इंडिगो की दिल्ली से शाम 3ः20 बजे आने वाली उड़ान शाम 4ः46 बजे एयरपोर्ट पहुंची। शाम 5ः10 बजे आने वाली फ्लाइट इंडिगो की बंगलुरू वाली उड़ान साढ़े छह बजे आई। शाम साढ़े पांच बजे मुंबई से आने वाली इंडिगो की फ्लाइट भी शाम साढ़े छह बजे एयरपोर्ट पहुंची।

केंद्र सरकार का अंतरिम बजट प्रदेश के लिए हितकारी : प्रेमचंद

ऋषिकेश, एजेंसी। उत्तराखंड के वित्तमंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने केंद्र सरकार की ओर से पेश किए गए अंतरिम बजट को प्रदेश के लिए हितकारी बताया है। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि केंद्रीय कर में राज्य का अंश बढ़ गया है। इससे गत वर्ष के मूल बजट की तुलना में 2217 करोड़ इस मद में अधिक प्राप्त होने की संभावना है। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि संशोधित अनुमान के मुताबिक चालू वर्ष में भी 928 करोड़ अधिक प्राप्त होने की संभावना है। गत वर्ष 10 लाख करोड़ की तुलना में यह बढ़कर 11.11 लाख करोड़ हो गया है। इससे सड़क, पुल, हाईवे आदि के विकास में तेजी आएगी। राज्यों के लिए भी विशेष पूंजीगत सहायता में वृद्धि की गई है। गत वर्ष इस मद में एक लाख करोड़ आवंटित था, जो बढ़कर एक लाख 30 हजार करोड़ हो गया है। कहा कि केंद्र सरकार की ओर से कुछ महत्वपूर्ण योजनाओं के बजट के प्रावधान में भी वृद्धि की गई है। जिसमें आयुष्मान भारत, राष्टीय हरित हाइड्रोजन मिशन, प्रधानमंत्री मत्स्य संप्रदाय योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना आदि शामिल हैं।

एक फोन करने के लिए जाना पड़ता है चार किमी दूर

गैरसैंण, एजेंसी। ब्लॉक के अंद्रपा और बुखाली के ग्रामीणों ने क्षेत्र में मोबाइल टावर लगाने की मांग की और मुख्यमंत्री व गढ़वाल सांसद को ज्ञापन भेजा। कहा कि संचार सेवा न होने से एक फोन पर बात करने के लिए ग्रामीणों का चार किलोमीटर दूर जाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क न होने के कारण वे अपने परिजनों से बात नहीं कर पाते हैं। नेटवर्क न होने से ग्राम्य विकास के ऑनलाइन कार्य भी नहीं हो पा रहे हैं। वन पंचायत सरपंच देवेंद्र सिंह व प्रधान सरस्वती देवी ने कहा कि मोबाइल टावर पंचाली क्षेत्र या अंद्रपा बुखाली में लगाने से क्षेत्र को लाभ मिल सकेगा।

सुरक्षित जंगलों से ही मनुष्य का भविष्य सुरक्षित : भंडारी

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। अगस्त्यमुनि ब्लॉक के रानीगढ़ पट्टी के दूरस्थ प्राथमिक विद्यालय कोट तल्ला में वनाग्नि सुरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर स्कूली बच्चों के साथ ही संबंधित अभिभावकों से पर्यावरण की सुरक्षा के लिए वनों को आग से बचाने की अपील की गई। संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक सत्येंद्र सिंह भंडारी ने किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षित जंगलों से ही मनुष्य के सुरक्षित भविष्य की कल्पना की जा सकती है। पर्यावरण दूषित हो रहा है, जिससे तापमान में इजाफा होने से जनवरी-फरवरी से ही सूरज की तपन असहनीय हो रही है। वन विभाग के अनुभाग अधिकारी संतोष बड़वाल और उप वन क्षेत्राधिकारी हीरा सिंह ने कहा कि वनों को आग से बचाने के साथ ही उनका संरक्षण करना सबका कर्तव्य है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पौड़ी में किया 800 करोड़ की 353 विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण

प्रात : किरण, संवाददाता

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को पौड़ी में 800 करोड़ लागत की 353 विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इसमें 134.61 करोड़ की 196 योजनाओं का लोकार्पण तथा 666.13 करोड़ की 157 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पौड़ी में विशाल जन सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पौड़ी की यह भूमि सांस्कृतिक चेतना के केन्द्र, तीलू रौतैली, वीर माधो सिंह, जसवंत सिंह रावत और भारत के प्रथम सीडीएस रहे विपिन रावत की भूमि है। उन्होंने कहा कि कि यह उनका सौभाग्य है कि आज उन्हें पौड़ी की पवित्र भूमि पर आने और मातृशक्ति को समर्पित कार्यक्रम में जन कल्याण की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने का सुअवसर मिल रहा है। आज पौड़ी गढ़वाल के लिए 800 करोड़ से अधिक की लोक कल्याणकारी परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया है। इन योजनाओं से पौड़ी गढ़वाल का और तेजी से विकास होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार द्वारा पूरे उत्तराखंड का विकास किया जा रहा है। महिला समूहों द्वारा स्थानीय उत्पादों पर लगाए गई प्रदर्शनियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी मातृशक्ति ह्यह्लआत्मनिर्भर भारतह्लह्य और ह्लह्लवोकल फॉर लोकलह्लह्ल के मंत्र को धरातल पर उतारने का कार्य कर रही हैं। आज प्रदेश के दुर्गम गावों में महिलाएं सेल्फ हेल्प ग्रुप बनाकर कुटीर उद्योगों के जरिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति प्रदान कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा उत्तराखंड में देश का सबसे कठोर नकल विरोधी कानून लागू किया गया है। धर्मांतरण रोकने के लिए भी कानून बनाया गया है। प्रदेश की महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था भी प्रारंभ की। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता को भी लागू करने की दिशा में सरकार आगे बढ़ रही है। कल ही हमें कमेटी द्वारा इसका ड्राफ्ट भी सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप राज्य सरकार प्रदेश के विकास और कल्याण के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा कण्डोलिया मैदान में महिला सशक्तिकरण को समर्पित ह्यदिशा ध्याणी, ब्वै-ब्वारीह्य सम्मेलन कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रांसी स्टेडियम में शहीद जसवंत सिंह रावत जी की मूर्ति का अनावरण किया। उसके बाद कण्डोलिया पार्क में अर्बन हाट और महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा तैयार किये गये उत्पादों का अवलोकन किया। उन्होंने कंडोलिया मंदिर के दर्शन करते हुए देश-प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात मुख्यमंत्री द्वारा मुख्य कार्यक्रम स्थल कंडोलिया मैदान में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करते हुए विभिन्न विभागों की ह्यह्य16 सामान्य स्टॉल, 05 लाइव स्टॉल (भीमल पेंटिंग, पिरूल व खजूर के क्राफ्ट निर्माण, उत्तराखण्ड के भाण्ड-कुण्ड, मथनी से मठ्ठा निकालना, जांदरा व ओखली का प्रदर्शन) तथा फोटो प्रदर्शनी (जी-20, बीट्ल्स फेस्टिवल तथा सिलक्यारा टनल रेस्क्यू) का अवलोकन करते हुए नारी सशक्तिकरण और प्रदेश के विकास के संबंध में केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा किये गये कार्यों और प्रयासों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम स्थल में मुख्यमंत्री ने पशुपालन विभाग के स्टॉल में बदरी गाय और बछिया का पूजन कर लाइव स्टॉल में ओखली से अनाज कूटा और जंदरे में भी हाथ अजमाया। अपने संबोंधन में मुख्यमंत्री ने केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा नारी सशक्तिकरण के लिए चलायी जा रही योजनाओं, कार्यक्रमों, उपलब्धियों और प्रयासों से अवगत कराते हुए नारी शक्ति को इस पर्वतीय राज्य की रीढ़ कहा। कहा कि चाहे उत्तराखण्ड में महिलाओं के लिए सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण देने की बात हो अथवा महिलाओं को उज्ज्वला गैस योजना के लाभ की बात हो ऐसी योजनाओं से आज महिलाएं तेजी से आत्मनिर्भर और सशक्त होकर उत्तराखण्ड को देश के अग्रणी राज्य बनाने में अपना योगदान दे रही हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग द्वारा तैयार की गयी गंगा पथ पर आधारित ह्यह्यकॉफी टेबल बुकह्यह्य का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री द्वारा कण्डोलिया में ही स्व0 जनरल बिपिन रावत के पार्क का लोकार्पण किया, जहां पर जनरल बिपिन रावत की प्रतिमा और 101 फीट ऊंचा तिरंगा आकर्षण का केन्द्र रहा। इस दौरान मा0 मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनमानस को ह्यबेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओह्य व ड्रग फ्री देवभूमि-2025 की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कंडोलिया थीम पार्क में महिला स्वयं सहायता समूहों की ओर से लगाए गए अर्बन हाट का निरीक्षण के दौरान महिलाओं के स्वरोजगार के प्रयासों से बेहद खुश नजर आए। हाट में लगाए गए स्टॉलों के भ्रमण के दौरान महिलाओं ने सीएम को उत्पाद चखाए। सीएम के आत्मीय व्यवहार और रोजगार के बारे में बारीकी से जानकारी लिए जाने पर मातृशक्ति प्रफुल्लित नजर आई। हाट में महिलाओं ने मोटे अनाज के उत्पाद, अर्से, पकोड़े, अचार, चटनी और दाल के पकोड़े रखे थे। मातृ शक्ति के अनुरोध पर सीएम ने उत्पादों का स्वाद चखा। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक स्टॉल में जाकर उत्पादों की जानकारी लेने के साथ ही इससे हो रहे लाभ के बारे में सवाल किए। मुख्यमत्री ने महिलाओं की सराहना करते हुए कहा कि मातृशक्ति बहुत बढ़िया काम कर रही हैं। इसका लाभ उनके परिवार सहित प्रदेश को मिलेगा। महिलाओं ने बताया कि उन्होंने सरकार के वोकल फॉर लोकल के नारे का अनुसरण करते हुए स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाया है। वह चाहती हैं कि आत्मनिर्भर बनने के साथ ही स्थानीय उत्पादों का प्रचार-प्रसार हो। ह्यह्यदिशा ध्याणी, ब्यै-ब्वारी ह्यह्य सम्मेलन कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज और डॉ0 धन सिंह रावत ने भी प्रतिभाग करते हुए केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा देश-प्रदेश के विकास के किये जा रहे कार्यों से अवगत कराया। इस दौरान स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी, लैंसडाउन विधायक दिलीप रावत और यमकेश्वर विधायक रेनू बिष्ट, जिला पंचायत अध्यक्ष शांति देवी, गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष राजेन्द्र अंथवाल, आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पाण्डे, महानिरीक्षक गढ़वाल के.एस. नगन्याल, जिलाधिकारी गढ़वाल डॉ0 आशीष चौहान, मुख्य विकास अधिकारी अपूर्वा पाण्डे, प्रभारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जया बलूनी, पूर्व विधायक मुकेश कोहली, निवर्तमान नगरपालिका अध्यक्ष यशपाल बेनाम सहित बड़ी संख्या में आम जनमानस उपस्थित थे।

एसटीएच की पार्किंग को लेकर हंगामा, हाथापाई

हल्द्वानी, एजेंसी। सुशीला तिवारी अस्पताल की पार्किंग के टेंडर के दौरान जमकर हंगामा हुआ जो हाथापाई तक जा पहुंचा। आखिर पुलिस बुलानी पड़ी। कुछ लोगों ने टेंडर नहीं डालने देने का आरोप लगाते हुए अस्पताल प्रबंधन को शिकायती पत्र दिया।टेंडर प्रक्रिया एक हफ्ते के लिए टाल दी गई है।

सुशील तिवारी अस्पताल में बनी पार्किंग के लिए बृहस्पतिवार को टेंडर होने थे। सुबह 10 बजे मेडिकल कॉलेज परिसर स्थित प्रशासनिक भवन में टेंडर डाले जाने थे। टेंडर डालने के दौरान आवेदकों के बीच बहस होने लगी जो हाथापाई तक पहुंच गई। सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें अलग किया। इस दौरान बनभूलपुरा क्षेत्र के तीन-चार लोगों ने कॉलेज के प्राचार्य को पत्र लिखकर टेंडर नहीं भरने देने की शिकायत भी की। शाम 4 बजे टेंडर खोला जाना था। सुबह के हंगामे को देखते हुए मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने कोतवाली से पुलिस भी बुला ली। मगर सुबह टेंडर डालने पहुंचे लोग शाम को नहीं पहुंचे। इस पर अस्पताल प्रबंधन ने टेंडर प्रक्रिया की समय सीमा को एक हफ्ते के लिए बढ़ा दिया। पार्किंग अब अस्पताल प्रबंधन के लिए मुसीबत बन गई है। पार्किंग के ठेके को लेकर पूर्व में भी मारपीट हो चुकी है। जानकारी के अनुसार पार्किंग का टेंडर तीसरी बार कराया गया है। इससे पहले दूसरी बार टेंडर के दौरान आजमगढ़ से टेंडर डालने पहुंचे लोगों के साथ स्थानीय लोगों ने मारपीट की थी। जिसके बाद टेंडर निरस्त करना पड़ा था। सुशीला तिवारी राजकीय मेडिकल कॉलेज, हल्द्वानी के प्राचार्य डॉ. अरुण जोशी ने बताया कि कुछ लोगों ने टेंडर नहीं डालने देने की शिकायत की है।

जिले में सबसे अधिक किच्छा में हो रही शिशुओं की मौत

रुद्रपुर, एजेंसी। सरकार की ओर से चलाए जा रहे जननी सुरक्षा कार्यक्रम के बावजूद जिले के अस्पतालों में मातृ मृत्यु दर बढ़ रही है लेकिन शिशुओं की मृत्यु दर में मामूली रूप से कमी देखने को मिली है। किच्छा सरकारी अस्पताल में सुधार के भरसक प्रयासों के बाद भी जिले के अन्य अस्पतालों के मुकाबले दो सालों में सबसे अधिक शिशुओं की मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल से दिसंबर तक साल 2022 में जिले में करीब 38 महिलाओं की मौत हुई थी। वहीं, शिशुओं की मौत पर गौर करें तो 204 शिशुओं ने दम तोड़ा था। इनमें अकेले किच्छा अस्पताल में 56 शिशुओं की मृत्यु हुई थी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से महिलाओं व शिशुओं की बढ़ती मृत्यु की संख्या को कम करने के लिए जिले भर में धात्री महिलाओं व शिशुओं का एक साल तक निःशुल्क जांच व इलाज किया जा रहा है। गर्भवतियों की भी विशेष जांच के कार्यक्रम चल रहे हैं।

रुद्रपुर रोडवेज डिपो में पेट्रोल पंप खोलने की तैयारी

रुद्रपुर, एजेंसी। परिवहन निगम की ओर से रोडवेज बस डिपो में पेट्रोल पंप खोलने की तैयारी की जा रही है। पेट्रोल पंप के लिए अग्निशमन विभाग की टीम ने चिह्नित जमीन का मुआयना किया। पेट्रोल पंप से निगम की बसों के अलावा आम लोगों को भी डीजल, पेट्रोल मिल सकेगा।

परिवहन निगम की निदेशक मंडल की अक्तूबर 2022 को हुई बैठक में डिपो की आय बढ़ाने के लिए पेट्रोल पंप खोलने के प्रस्ताव को अनुमति दी गई थी। इसके बाद रुद्रपुर सहित कई अन्य डिपो में पेट्रोल पंप खोलने के आदेश जारी किए गए। रुद्रपुर रोडवेज डिपो में पेट्रोल पंप के लिए जमीन चिह्नित की गई है। बृहस्पतिवार को पेट्रोल पंप खुलने के लिए अग्निशमन विभाग की टीम ने डिपो में चयनित जमीन का निरीक्षण किया गया। निगम के पास पहले भी पेट्रोल पंप उपलब्ध हैं, जिनसे रोडवेज की बसों में पेट्रोल भरा जाता है। वर्तमान में इन पेट्रोल पंपों का संचालन फिलहाल बंद है। हर साल घाटे में जा रहे निगम के अन्य आय के स्रोत के रूप में पेट्रोल पंपों को जोड़ा जाएगा। इन पेट्रोल पंप में रोडवेज के वाहन के साथ आम लोगों को भी तेल भराने की सुविधा उपलब्ध होगी। निगम की ओर से आईल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने पेट्रोल पंप खोलने के लिए अनुबंध किया है। एआरएम केएस राणा ने बताया कि रुद्रपुर डिपो में जल्द ही पेट्रोल पंप स्थापित किया जाएगा। इसके लिए जरूरी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

प्रसार प्रशिक्षण केंद्र में अधूरी व्यवस्थाएं होने पर डीएम नाराज

पिथौरागढ़, एजेंसी। प्रसार प्रशिक्षण केंद्र ग्राम्य विकास थरकोट में पिथौरागढ़ और चंपावत जिले के 64 राजस्व उप निरीक्षकों का नौ माह का सैद्धांतिक प्रशिक्षण शुरू हो गया है। डीएम रीना जोशी ने प्रशिक्षण का दीप जलाकर शुभारंभ किया। प्रशिक्षण में पिथौरागढ़ के 37 और चंपावत के 27 राजस्व उप निरीक्षक हिस्सा ले रहे हैं। प्रशिक्षण केंद्र में अधूरी व्यवस्थाएं होने पर नाराजगी भी प्रकट की। डीएम ने कहा कि राजस्व उप निरीक्षकों का कार्य महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण में भूलेख, भू अर्जन, भूमि का प्रकार, भू राजस्व, निर्वाचन, आरटीआई, एलआर एक्ट सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों का प्रशिक्षित प्रशिक्षकों की ओर से प्रशिक्षण दिया जाएगा। डीएम ने प्रसार प्रशिक्षण केंद्र के छात्रावास भवनों के निरीक्षण के दौरान आधी अधूरी व्यवस्था पर नाराजगी जताई। उन्होंने हॉस्टल इंचार्ज अर्चना ढौंढियाल को व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। डीएम ने एडीएम को प्रत्येक दिन प्रसार प्रशिक्षण केंद्र की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षकों को समय से निर्धारित भोजन मीनू के अनुसार भोजन ,जलपान दिया जाए। प्रशिक्षण केंद्र आने जाने वालों का गेट पर पूर्ण ब्यौरा रखने और प्रशिक्षणार्थियों के भी प्रशिक्षण केंद्र के बाहर जाने और अंदर आने का पूरा ब्योरा रखने को कहा।

वेयर हाउस में जाने की किसी को नहीं मिलेगी अनुमति

पिथौरागढ़, एजेंसी। जिला निर्वाचन अधिकारी रीना जोशी ने ईवीएम वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण किया। उन्होंने वेयरहाउस की पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही सीसीटीवी पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि बिना मजिस्ट्रेट की अनुमति के किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जाए। वहां उप जिला निर्वाचन अधिकारी, एडीएम डॉ. एसके बरनवाल, तहसीलदार जगदीश नेगी आदि अधिकारी मौजूद रहे। संवाद

पिथौरागढ़। लोकसभा चुनाव संपन्न कराने के लिए नोडल पुलिस अधिकारी सीओ नरेंद्र पंत ने थाना प्रभारी, सेक्टर पुलिस अधिकारियों, एफएसटी, एसएसटी टीम के साथ वर्चुअल बैठक की। उन्होंने संवेदन और अति संवेदनशील बूथों की मैपिंग करने का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने सघन चेकिंग अभियान चलाकर अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम, शांति व्यवस्था भंग करने वालों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सक्रिय अपराधियों पर सतर्क दृष्टि रखते हुए गुंडा एक्ट में कार्रवाई करने के निर्देश दिए। संवाद

पंचस्थानीय की ओर से नगर पालिका परिषद की मतदाता लिस्ट का डाटा इंट्री का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। पंचस्थानीय विभाग से के अनुसार नगर पालिका की ओर से घर-घर जाकर विस्तृत पुनरीक्षण के आधार पर मतदाता सूची की डाटा इंट्री का कार्य 15 जनवरी तक किया गया। निर्वाचन नामावलियों के आलेख्य का प्रकाशन और निर्वाचक नामावलियों के आलेख्य के निरीक्षण, दावे और आपत्तियों के निस्तारण की अवधि 16 से 22 जनवरी तक रखी गई थी। इसके बाद 23 जनवरी से एक फरवरी तक पूरक सूचियों की डाटा इंट्री और फोटो स्टेट का कार्य पूरा किया गया।

12 फरवरी से पिथौरागढ़ से पंतनगर के लिए चलेगी विमान सेवा

पिथौरागढ़, एजेंसी। अगर मौसम साफ रहा तो नैनीसैनी हवाई अड्डे से 12 फरवरी से पंतनगर के लिए भी हवाई सेवा शुरू हो जाएगी। इसकी तैयारियां पूरी हो गई है। आज देहरादून ने यात्रियों को लेकर नैनीसैनी हवाई अड्डे पहुंचेगा।

पिथौरागढ़ में अगर मौसम साफ रहा तो नैनीसैनी हवाई अड्डे से 12 फरवरी से पंतनगर के लिए भी हवाई सेवा शुरू हो जाएगी। इसकी तैयारियां पूरी हो गई है। आज देहरादून ने यात्रियों को लेकर नैनीसैनी हवाई अड्डे पहुंचेगा।

पिथौरागढ़ जिले के लोग नियमित हवाई सेवा शुरू होने से उत्साहित हैं। फ्लाई बिग कंपनी 12 फरवरी से पिथौरागढ़ से पंतनगर के लिए नियमित हवाई सेवा शुरू करेगी। फ्लाई बिग कंपनी के एयरपोर्ट मैनेजर राजेश कुमार ने बताया कि देहरादून से पिथौरागढ़ नैनीसैनी हवाई अड्डे पर सुबह 10ः30 बजे 19 सीटर विमान 14 यात्रियों को लेकर आएगा।

तीन महीनों से था इंतजार, फरवरी मे आई बर्फ बहार

बागेश्वर, एजेंसी।
तीन महीनों के इंतजार के बाद आखिरकार मौसम मेहरबान हुआ और जिले के ऊंचाई वाले इलाकों को बर्फ का दीदार हुआ। कपकोट के पिंडर घाटी के गांवों में हिमपात होने से पहाड़, खेत, खलिहार बर्फ की सफेद चादर से ढक गए हैं। बिचला दानपुर के बुग्यालों में मौसम की पहली बर्फबारी हुई है। जिले के निचले इलाकों में हल्की बारिश हो रही है।

बुधवार की शाम से जिले में हल्की बारिश शुरू हो गई थी। रात से ही कपकोट की पिंडर घाटी के गांव खाती, वाछ्म, बोरबलड़ा, कुंवारी, बदियाकोट, सोराग, धूर आदि स्थानों में बर्फ गिरने लगी। बृहस्पतिवार की सुबह तक खाती, धूर आदि गांवों में बर्फ की सफेद चादर बिछ गई। बर्फ का दायरा बढ़ते हुए चिल्ठा, विनायक तक पहुंच गया। कर्मी गांव की पहाड़ियों में भी बर्फ चमकने लगी। बिचला दानपुर के लीती गांव में पड़ने वाले लोधूरा समेत अन्य बुग्याल भी बर्फ से लकदक हो गए हैं। बारिश का दौर जारी रहने से क्षेत्र के गांवों में भी बर्फबारी के आसार बने हुए हैं।

वहीं जिला मुख्यालय समेत कपकोट, कांडा, गरुड़, काफलीगैर, दुग नाकुरी आदि क्षेत्रों में हल्की बारिश हो रही है। लगातार बारिश से मौसम में ठंडक बढ़ गई है। जिला मुख्यालय का अधिकतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम चार डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। इधर, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शिखा सुयाल ने बताया कि जिले में बर्फबारी के कारण किसी सड़क के बंद होने की सूचना नहीं है।

बारिश और बर्फबारी के बाद किसानों को राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि बारिश होने में काफी देर हो गई है। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. कमल कुमार पांडेय कहते हैं कि वर्तमान में भी मात्र दो से तीन मिमी बारिश हुई है, जो नाकाफी है। ऊंचाई वाले इलाकों में जिन फलों की फ्लावरिंग के लिए बर्फबारी अच्छी है। जिन फसल और फलों में समय पूर्व फ्लावरिंग हो चुकी है, उनको हुए नुकसान की भरपाई हो नहीं सकती है।

एचटी लाइन में फॉल्ट होने से कई घंटे बत्ती गुल

काशीपुर, एजेंसी।
हाईटेंशन लाइन में फॉल्ट होने से कई घंटे बिजली आपूर्ति ठप रही। लाइनों की मरम्मत के बाद आपूर्ति बहाल होने पर उपभोक्ताओं ने राहत की सांस ली।

बृहस्पतिवार सुबह करीब साढ़े चार बजे तेज हवा के साथ बारिश होने पर पशुपति विहार कॉलोनी के पास हाईटेंशन लाइन में फॉल्ट हो गया। इससे रामनगर रोड, मानपुर रोड, स्टेडियम रोड, सैनिक कॉलोनी, गिरीताल, चामुंडा विहार आदि क्षेत्रों की बत्ती गुल हो गई। फॉल्ट की तलाश करने में कर्मचारियों के पसीने छूट गए। बिजली के अभाव में उपभोक्ताओं को पानी के लिए भी तरसना पड़ा। करीब पांच घंटे बाद मरम्मत कार्य पूर्ण होने पर आपूर्ति बहाल हो सकी।

इधर, महुआखेड़ा गंज, ग्राम भीमनगर में भी एचटी लाइन में फॉल्ट हो गया। वहीं खड़कपुर देवीपुरा में 250 केवी का ट्रांसफार्मर फुंक गया। इससे खड़कपुर देवीपुरा, वैशाली कॉलोनी, कचहरी, गौरी विहार, ग्राम भीमनगर, कुंडेश्वरी क्षेत्र, पैगा, महुआखेड़ा गंज, मडैया आदि क्षेत्रों की बत्ती गुल हो गई। इनमें कुछ स्थानों पर दोपहर तक और कुछ स्थानों पर देर शाम तक मरम्मत कार्य के बाद आपूर्ति बहाल की जा सकी। इसके चलते कटोराताल, पक्काकोट, प्रभु विहार, नई बस्ती आदि क्षेत्रों के लोग हैंडपंप से पानी भरकर काम चलाने को मजबूर रहे। इस संबंध में ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता से संपर्क किया गया, उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की।

आम आदमी पार्टी ने कठिन चयन प्रक्रिया के बाद मिशन 2024 के लिए 20 अंबेडकर फेलोज को किया शामिल

चयनित फेलोज जमीन पर चलने वाले कैंपेन, मीडिया-संचार व शोध और डेटा विश्लेषण का करेंगे कार्य

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी ने देश के अंदर राजनीतिक परिवर्तन के उद्देश्य से ह्यअंबेडकर फेलोशिपह्न प्रोग्राम के तहत 20 फेलोज का चयन किया है। इसके लिए देश में सबसे तेजी से बढ़ती राष्ट्रीय पार्टी को देशभर से हजारों आवेदन प्राप्त हुए थे और 2 महीने के कठिन चयन प्रक्रिया के बाद 20 उम्मीदवारों को चुना गया है। फेलोज को ट्रेनिंग के पहले दिन आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता और वरिष्ठ नेता जैस्मीन शाह, रीना गुप्ता और नीरज पांडे ने संबोधित कर उनके दायित्वों के बारे में बताया। ये फेलोज दिल्ली और पंजाब में आप के फेमस मॉडल जैसे शिक्षा और स्वास्थ्य सुधार, मुफ्त पानी और बिजली नीति, इलेक्ट्रिक वाहन नीति आदि के पीछे के संघर्षों की वजह से आकर्षित हुए हैं। ओरिएंटेशन के दौरान फेलोज को संबोधित करते हुए पंकज गुप्ता ने कहा कि इन फेलोज में वह लोग भी शामिल थे, जो पहले बैच में शामिल नहीं हो सके थे। इंटरव्यू के दौरान इन युवा लोगों में देश के कल्याण के लिए योगदान देने की उत्सुकता दिखाई दी। वहीं, जो लोग पहले बैच में नहीं आ सके थे, वह भी अब ह्यआपह्न के विस्तृत परिवार का हिस्सा हैं। जैस्मीन शाह ने कहा कि हम चाहते हैं कि युवा भारत के विकास और सार्वजनिक कल्याण को आकार दें और उन्हें राष्ट्र निर्माण में योगदान करने के कौशलों से संपन्न करें। ये फेलोज प्रमुख रूप से विदेशी संस्थानों समेत प्रसिद्ध संगठन और विश्वविद्यालयों से आए हैं। इनमें ज्यादातर में राजनीतिक आकांक्षाएं हैं। इस बैच में कई राज्यों के लोग शामिल हैं, जो ह्यआपह्न के विकास विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित हैं। रीना गुप्ता ने कहा कि हमारे युवा इस देश के चुनौतियों के लिए अद्वितीय समाधान रखते हैं। राजनीति एकमात्र तरीका है, जिससे हम सामाजिक परिवर्तन को व्यापक स्तर पर ला सकते हैं। आज के युवा इस बात को समझते हैं और ह्यआपह्न के भारत को नंबर-1 बनाने के इरादे के लिए दृष्टिकोण रखते हैं। इस फेलोशिप को आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पिछले साल दिसंबर में घोषित किया था। इसका उद्देश्य भारत के राजनीतिक परिवर्तन में युवाओं को शामिल करना था। उन्होंने फेलोशिप के शुरू होने पर युवाओं से अपील की थी कि ह्यआपह्न भारत के इतिहास में सबसे तेजी से बढ़ने वाली पार्टी है, क्योंकि यह ईमानदार और शिक्षित लोगों की पार्टी है। आप देश में कहीं भी रहते हैं, अगर आपके अंदर भारतीय राजनीति को बदलने और भारत को दुनिया का नंबर-1 देश बनाने का उत्साह है, तो यह फैलोशिप कार्यक्रम आपके लिए एक स्वर्णिम अवसर है। इस 11 महीने के कार्यक्रम का उद्देश्य देश के युवाओं को योग्यताओं से संपन्न करना है, ताकि वह अपनी आवाज बुलंद कर सकें, अपनी समस्याओं के लिए समाधान खोज सकें और चुनाव का नजदीक से अनुभव सकें। ये फेलोज पार्टी के घोषणा पत्र, संचार रणनीति और देशभर में राजनीतिक प्रचार में पार्टी नेतृत्व के साथ काम करेंगे। यह फेलोशिप प्रभावी अनुभव और समान विचारधारा वाले लोगों के साथ नेटवर्किंग का अवसर प्रदान करेगी। आम आदमी पार्टी ने फेलोज का स्वागत करते हुए कहा कि भारत का युवा एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जो उन रास्तों को निर्धारित करेगी, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए विकसित होंगे। इस महत्वपूर्ण संदर्भ में आगे आएं और अपनी प्रतिबद्धता का संदेश दें, जो 1 बिलियन से अधिक भारतीयों की आकांक्षाओं को प्रोत्साहित करता है और देश के हर कोने को महत्वपूर्ण आवाज देता है। फेलोशिप के रूप में आपको विकास और सार्वजनिक कल्याण को आकार देने और सभी नागरिकों को शक्तिशाली बनाने के लिए मंत्रणा की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। यह फेलोशिप फेलोज की विशेषताओं को बढ़ावा देगी और कटिंग-एज राजनीतिक को रिसर्च करने और प्रोजेक्ट लीड करने की क्षमता को ताकत देगी। जिससे कि वह अपने शोध और तार्किक सोच के कौशल का उपयोग करके उन मुद्दों पर प्रभावशाली प्रचार करें जो आज उनके और राष्ट्र के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग मंत्री कार्यालय दिल्ली सरकार

- नायब तहसीलदार के पद से नीचे के अधिकारी, निर्धारित 10 दिन की अवधि के भीतर सत्यापन करें

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। माननीय एससी/एसटी/ओबीसी कल्याण मंत्री राज कुमार आनंद ने राजस्व विभाग और एससी/एसटी विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का उद्देश्य 15 दिनों के निर्धारित समय सीमा के भीतर जाति प्रमाण पत्र न जारी होने से उत्पन्न समस्याओं का समाधान करना था। राजस्व विभाग की ओर से बताया गया कि आवेदक द्वारा आवेदन पत्र भरते समय त्रुटि होने के कारण, सत्यापन के समय आवेदक द्वारा दिये गये किसी भी विवरण में मिलान न होने पर फॉर्म निरस्त कर दिया जाता है। इस समस्या का समाधान करने के लिए, माननीय मंत्री ने राजस्व विभाग को एनआईसी के साथ मिलकर संपादन (एडिटिंग) बटन की संभावना पर काम कर कदम उठाएं ताकि जरूरत पड़ने पर प्रासंगिक परिवर्तन किए जा सकें। ऐसा करने पर आवेदन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए समस्याओं का तुरंत समाधान किया जा सकेगा। माननीय मंत्री ने अस्वीकृत आवेदनों की सत्यता की जांच करने के लिए राजस्व विभाग को जिलेवार पिछले छह महीनों का डेटा संकलित करने का निर्देश दिया। इस पहल का उद्देश्य समय पर जाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए पैटर्न को समझना और लक्षित सुधार लागू करना है। त्वरित प्रक्रियाओं की आवश्यकता को पहचानते हुए, माननीय मंत्री ने क्षेत्र सत्यापन के लिए समय अवधि में कमी पर जोर दिया। अधिकारी, जो नायब तहसीलदार से नीचे के पद के नहीं होंगे, निर्धारित 10 दिन की अवधि के भीतर सत्यापन करेंगे। इस उपाय का उद्देश्य जाति प्रमाण पत्र जारी करने में अनावश्यक देरी को खत्म करना है। पेंडेंसी जांचने के लिए महीने में दो बार संबंधित जिला प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मीटिंग रखने के निर्देश दिए गए। ये निर्देश आवेदकों, विशेषकर एससी वर्ग से संबंधित आवेदकों के लिए एक सुचारू और समय पर प्रक्रिया सुनिश्चित करने की केजरीवाल सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। केजरीवाल सरकार समावेशिता को बढ़ावा देते हुए, प्रक्रियाओं में निरंतर सुधार कर, जनता की सेवा करने के लिए अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रही है

तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया

प्रमोशन के लिए दिल्ली पहुंचे शाहिद कपूर और कृति सेनन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

हाल ही में अभिनेता शाहिद कपूर और कृति सेनन 9 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार अपनी आने वाली फिल्म (तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया) के प्रमोशन के लिए दिल्ली आए और यहां के इंपीरियल होटल में आयोजित प्रमोशनल कार्यक्रम में फिल्म के बारे में मीडिया से बातें कीं। यह फिल्म आर्यन (शाहिद कपूर) के जीवन पर आधारित है, जिसे एक आदर्श जीवनसाथी नहीं मिल पाता है। वह अमेरिका में एक आधिकारिक असाइनमेंट के दौरान एक आदर्श लड़की सिफरा (कृति सेनन) से मिलता है और उससे प्यार करने लगता है, लेकिन बाद में पता चलता है कि यह एक असंभव प्रेम कहानी है। इस फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियोज के तहत किया गया है। इसका निर्देशन अमित जोशी और आराधना शाह ने किया है।

किसानो, महिलाओं, युवाओं व गरीबों का रखा बजट में पूरा-पूरा ध्यान : गोयल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। वरिष्ठ भाजपा नेता व अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जय भगवान गोयल ने बजट को पूरी तरह से किसानों, महिलाओं, युवाओं व गरीबों के पूर्ण विकास का बजट बताया है। उन्होंने वित्तमंत्री व प्रधानमंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि ये बजट है जिसमें (1) 2 करोड़ लोगों को फ्री आवास मिलेगा (2) 3 रेल कॉरिडोर शुरू करने का भी ऐलान किया है और साथ ही साथ 40, 000 रेल डिब्बों को वंदे भारत कोच में बदला जाएगा। (3) लखपति दीदियां का लक्ष्य 2 करोड़ से बढ़ाकर 3 करोड़ करने का है। (4) राज्यों को 50 वर्षीय ब्याज मुक्त ऋण 75000 करोड़ का मिलेगा। (5) हर महीने 300 यूनिट बिजली फ्री मिलेगी। (6) लक्ष्यद्वीप के विकास व पर्यटन को बढ़ावा देने का, बजट में विशेष प्रावधान किया है। (7) इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में 11 प्रतिशत से अधिक खर्च का प्रावधान किया है। श्री गोयल ने काफी जोर देते हुए कहा कि इस बजट का मुख्य लक्ष्य युवा, अन्नदाता, गरीब और नारी का शक्तिकरण ही है। हर क्षेत्र का पूरा-पूरा ध्यान इस वजट में रखा गया है यहां तक कि सर्वाईकल, कैंसर के लिए टीकाकरण शुरू करने की भी बात कही गई है। यह बजट भारत को 2047 तक विश्वगुरू व विकसित राष्ट्र बनाने की ओर एक अहम कदम है।

पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने सड़क सौंदर्यीकरण की परियोजना को मंजूरी दी

- तिमारपुर रेड लाइट से चंदगी राम अखाड़े तक सड़क के सौंदर्यीकरण करवाएगी केजरीवाल सरकार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली की सड़कों को वर्ल्ड क्लास बनाने की दिशा में केजरीवाल सरकार तिमारपुर रेड लाइट से चंदगीराम अखाड़े तक की सड़क का सौंदर्यीकरण करवाएगी। पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने सड़क सौंदर्यीकरण की इस परियोजना को मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि, दिल्ली विधानसभा सहित कई महत्वपूर्ण दफ़्तरों के कारण ये सड़क दिल्ली के सबसे महत्वपूर्ण सड़कों में शामिल है और रोजाना लाखों लोग इस पर आवाजाही करते है, ऐसे में हम इसे वर्ल्ड क्लास बनायेंगे। बता दे कि, परियोजना के तहत शानदार हार्टिकल्चर के साथ सड़क की खूबसूरती बढ़ाई जाएगी साथ ही एलईडी लाइटों से सड़क को जगमगाने का काम किया जाएगा। सड़क की खूबसूरती बढ़ाने के साथ-साथ उसे यूजर फ्रेंडली बनाने पर भी फोकस किया जायेगा। पैदल यात्रियों की सुविधा के लिए मरम्मत के साथ-साथ फुटपाथ में जरूरी बदलाव किए जाएँगे। रोड स्ट्रेच की खूबसूरती बढ़ाने के लिए स्ट्रीट फर्नीचर के साथ-साथ स्कल्पचर भी लगाए जाएँगे। पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने कहा कि, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी का दिल्ली के लोगों से वादा है- राजधानी की सड़कों को वर्ल्ड क्लास स्टैंडर्ड की सड़कों में तब्दील करेंगे और उनके नेतृत्त्व में दिल्ली की सड़कों को को बेहतर बनाने के लिए सरकार मिशन मोडह्व में काम कर रही है। परियोजना को मंजूरी देते हुए पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने अधिकारियों को निर्देश भी दिए कि, सौन्दर्यीकरण के दौरान सेफ्टी-सिक्योरिटी व क्वालिटी के सभी मानकों का प्रतिबद्धता से पालन हो और आवाजाही करने वालों को समस्या का सामना न करना पड़े। परियोजना के बारे में बताते हुए, पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने कहा, ह्लमुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में, सरकार ने दिल्ली के सड़क नेटवर्क को बेहतर और सुंदर बनाने के लिए प्रतिबद्ध किए हैं। उसी के मद्देनजर, तिमारपुर रेड लाइट से चंदगी राम अखाड़े के बीच के हिस्से को सुंदर बनाने की परियोजना को मंजूरी दी गई है। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि सौंदर्यीकरण प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, इस रोड स्ट्रेच के दोनों और शानदार हार्टिकल्चर का काम किया जाएगा जो सड़क की खूबसूरती को बढ़ाएगा। साथ ही रात में सड़क रोशनी से जगमगाए इसलिए एलईडी लाइटें लगाई जायेंगी। पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने कहा कि, दिल्ली विधानसभा सहित सरकार के कई अत्यंत महत्वपूर्ण विभाग के दफ़्तरों के कारण ये सड़क दिल्ली की सबसे प्रमुख सड़कों में शामिल है और रोजाना लाखों लोग इसपर आवाजाही करते है।

बुराड़ी में अपने घर में महिला मिली मृत

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के बुराड़ी इलाके में 38 वर्षीय एक महिला अपने घर में मृत पाई गई। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। मृतका की पहचान बुराड़ी के खड्डा कॉलोनी निवासी कविता के रूप में हुई। अधिकारी ने कहा कि शुक्रवार को बुराड़ी पुलिस स्टेशन में इलाके में एक महिला की हत्या के संबंध में एक कॉल आई थी, इसके बाद पुलिस टीमों को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुंचकर देखा तो कमरे में एक महिला मृत अवस्था में मिली। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) एमके मीना ने कहा, तुरंत, अपराध और एफएसएल टीमों को घटनास्थल का निरीक्षण करने के लिए सूचित किया गया। एफएसएल और अपराध टीम द्वारा एसओसी के निरीक्षण के बाद, शव को बुराड़ी अस्पताल में भेज दिया गया। डीसीपी ने कहा, आईपीसी की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है।

पुलिस ने दो शातिर स्नैचर्स को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। संगम विहार पुलिस ने दो शातिर स्नैचर्स को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। आरोपी पिछली करीब 3 लूट की घटनाओं में शामिल थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पहचान आकाश और चांद मलिक के रूप में की गई है। दोनों संगम विहार इलाके के रहने वाले हैं, जिनकी उम्र 23 और 27 साल बताई जा रही है। आरोपी चांद मलिक पर पहले से ही तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। बता दें कि 1 फरवरी को एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई।

केवाईएस ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 व राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 के खिलाफ किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। क्रांतिकारी युवा संगठन (केवाईएस) के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को अखिल भारत शिक्षा अधिकार मंच (एआईएफआरटीई) द्वारा जंतर-मंतर पर आयोजित विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। यह प्रदर्शन अनौपचारिकरण, निजीकरण और व्यवसायीकरण लाने वाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 व राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ) 2023 के खिलाफ आयोजित किया गया था। ज्ञात हो कि वर्तमान भाजपा सरकार ने छात्रों की बढ़ती संख्या और बढ़ती महंगाई के अनुपात में शिक्षा बजट में लगातार न सिर्फ कटौती की है, बल्कि अपने कदमों द्वारा सरकारी स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा को तबाह करने का काम किया है। सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में लायी गयी नीतियां जैसे- शैक्षणिक संस्थानों को अनुदान न देकर उन्हें हेयर एजुकेशन फाइनेन्सिंग एजेंसी (हेफा) से ऋण लेने के लिए मजबूर करना, अनौपचारिक शिक्षा यानी ऑनलाइन और मुक्त व दूरस्थ शिक्षा को बढ़ावा दिया जाना, कॉलेजों को स्वायत्त बनाने के नाम पर शिक्षा के व्यवसायीकरण को बढ़ावा देना, शिक्षण संस्थानों को रैंकिंग के आधार पर बाँटना, शिक्षकों को स्थायी नौकरियाँ न देकर उन्हें ठेके पर पढ़ाने को मजबूर करना, स्कूल-स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया जाना, आदि फैसलों ने शिक्षा को तबाह करने का काम किया है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से भाजपा सरकार ने इन शिक्षा विरोधी नीतियों को लागू करने का ठोस आधार बना लिया है। ज्ञात हो कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 देश में शिक्षा की मौजूदा खस्ताहाल स्थिति को बद-से-बदतर बनाएगी। मौजूदा दोहरी शिक्षा नीति के तहत प्राइवेट और सरकारी स्कूलों द्वारा समाज में गैरबराबरी बनी हुई है। एनईपी 2020 द्वारा भाजपा सरकार व्यवसायिक शिक्षा (वोकेशनल एजुकेशन) और अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से गैरबराबरी को बढ़ावा दे रही है, और गरीब और हाशिये के समुदायों के छात्रों को अनौपचारिक श्रम बाजार में ढकेलने का काम कर रही है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी मुक्त और दूरस्थ शिक्षा को बढ़ावा देकर अनौपचारीकरण को लाया जा रहा है। मुक्त और दूरस्थ शिक्षा (ओडीएल) पर एनईपी का जोर देश के शिक्षा क्षेत्र में मौजूदा असमानता को खत्म करने के बजाय सार्वजनिक शिक्षा के अनौपचारिकरण की वकालत करता है जो वंचित पृष्ठभूमि और हाशिए के समुदायों के छात्रों को गंभीर रूप से प्रभावित करेगा।

दिल्ली बीजेपी ने अरविंद केजरीवाल को बताया भगोड़ा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी द्वारा बीजेपी पर विधायकों की खरीद फरोख्त के मामले की जांच अब दिल्ली क्राइम ब्रांच की टीम कर रही है। लेकिन दिल्ली बीजेपी अब आप पर हमलावर हो गई है। दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली की जनता मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जांच एजेंसियों से छिपते-भागते देख स्तब्ध है। हर बीतते दिन के साथ अरविंद केजरीवाल अपनी विश्वसनीयता खोते जा रहे हैं। शनिवार को एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में वीरेन्द्र सचदेवा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का ट्वीट एवं मंत्री सुश्री आतिशी का वक्तव्य स्क्रीन पर चलवा कर दिखाते हुए कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि केजरीवाल एवं उनकी सहयोगी सुश्री आतिशी 27 जनवरी को चिल्ला चिल्ला कर कह रहे थे कि भाजपा हमारे विधायकों पर ऑपरेशन लोटस 2 चला रही है। आप पार्टी ने कहा हमारे पास भाजपा की ओर से हमारे विधायक को प्रलोभन देने की रिकार्डिंग भी है। और वे अब अपने लगाए आरोपों की पुलिस जांच से भाग रहे हैं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि केजरीवाल का इतिहास साक्षी है कि कितनी बार उन्होने भाजपा नेताओं पर आरोप लगाए फिर मांफी मांगी।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री की पुस्तक का विमोचन

आज की पीढ़ी को सनातन धर्म बताने के लिए लिखी किताब

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में शनिवार को बाबा बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की लिखी पुस्तक सनातन धर्म क्या है का विमोचन किया गया। इस अवसर पर भाजपा के राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी बीजेपी के सांसद मनोज तिवारी, परमार्थ निकेतन से चिन्मानंद सरस्वती मौजूद रहे। पुस्तक विमोचन के दौरान बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने सनातन धर्म क्या है, इसके बारे में प्रकाश डाला। सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि आज हमारी युवा जनरेशन को अपनी सनातन संस्कृति को पढ़ने की जरूरत है, जागरूक होने की जरूरत है। इस किताब विमोचन इसलिए किया जा रहा है कि हमारी नई जनरेशन इस किताब को पढ़े और सनातन संस्कृति को समझे। बता दें बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री ने कहा था कि उन्होंने समय निकालकर सनातन धर्म पर एक किताब लिखी है। उन्होंने कहा कि जो फिल्म ह्यद केरला स्टोरीह्न में पूछा गया था कि सनातन धर्म क्या है। बच्चों को पता नहीं है कि सनातन धर्म क्या है। उन्होंने कहा कि हमने छोटी सी पुस्तक लिखी है। इसमें बताएंगे कि सनातन धर्म क्या है। पंडित धीरेंद्र शास्त्री को इस किताब को लिखने में 2 साल का समय लग गया। उन्होंने कहा कि यह किताब हर एक विद्यालय में पहुंचनी चाहिए। इसकी शुरूआत वे मध्य प्रदेश से करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल सिलेबस में यह किताब शामिल कराए जाने की बात नहीं करते लेकिन जब बच्चे के बस्ते में यह किताब रहेगी तो बच्चा अपने धर्म के प्रति जागरूक होगा, सनातन धर्म व संस्कृति को समझेगा।

इतिहास रचते हुए: ऋचा मेहता ने LuxuryDot.PR अवार्ड्स 2023 प्रस्तुत किया जिसमें योग्यता के आधार पर इंफ्लूएंशर्स का सम्मान किया गया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

LuxuryDot.PR की दूरदर्शी संस्थापिका और निदेशिका ऋचा मेहता द्वारा बेहद शानदार उत्सव की तरह आयोजित किया गया। करिश्माई अमन यतन वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित, इस भव्य आयोजन ने इंफ्लूएंशर पहचान के क्षेत्र में एक स्थायी विरासत की छाप छोड़ते हुए देश भर के इंफ्लूएंशर्स के बीच सनसनी फैला दी। ढेरों प्रविष्टियों के बीच, कठोर चयन प्रक्रिया का पालन करके सावधानीपूर्वक भारत के हर कोने से शीर्ष 100 इंफ्लूएंशर्स को चुना गया, और उन्हें योग्यता के आधार पर आमंत्रित किया। अमन यतन वर्मा ने मॉडलिंग, एक्टिंग और आंत्रप्रनुरशिप की दुनिया में आइकन ऋचा मेहता का भव्य स्वागत कर मंच की शोभा बढ़ाई। LuxuryDot.PR के पीछे प्रेरक शक्ति के रूप में, ऋचा मेहता ने इंफ्लूएंशर्स और उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए दिल से आभार व्यक्त करते हुए आधिकारिक तौर पर अवार्ड नाइट का उद्घाटन किया। यह ऐतिहासिक अवार्ड शो इंफ्लूएंशर परिदृश्य में क्रांतिकारी बदलाव लाया है, और पुरस्कार विजेताओं से कोई भी शुल्क न लेना गर्व से इसकी प्रामाणिकता पर मुहर लगाता है। यह उत्कृष्टता का सम्मान करने की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो LuxuryDot.PR अवार्ड्स 2023 को इंफ्लूएंशर्स की दुनिया में एक उपलब्धि बनाता है। इस कार्यक्रम में विभिन्न सेगमेंट्स का प्रदर्शन किया गया, जिसमें LuxuryDot.PR कैलेंडर 2024 का लॉन्च, रेड कार्पेट फैशन वॉक, पॉपुलर चॉइस इंफ्लूएंशर्स अवार्ड, मेट गाला 2023-24 अवार्ड्स और प्रतिष्ठित LuxuryDot.PR टाइटल होल्डर्स अनाउंसमेंट शामिल हैं। अमन यतन वर्मा ने टाइटल होल्डर्स की घोषणा की, और सेलिब्रिटी मेहमान, संदीप मारवाह (मारवाह स्टूडियो के अध्यक्ष) ने ऋचा मेहता के साथ व्यक्तिगत रूप से पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया, जिससे उत्साह और उम्मीदों का माहौल बन गया। ब्रैंड एंबेसडर उपाली प्रकाश छाबड़ा, ब्रैंड फेस दिशी भटनागर, क्वीन गजल अरोड़ा, क्राउनिंग ग्लोरी डॉ. राबिया भाटिया, उभरती कलाकार मोनिका कपूर, वर्सटाइल स्टार नीरू दाहिया, टैलेंट आइकन गरिमा कटियार, राइज़िंग स्टार दीपिका टंडन, मिस कंजेनिअलिटी कविता राठी, ब्यूटी रेडियंस पूजा शर्मा, मिस नोबल दीवा शिवांगिनी तिवारी, उभरती मॉडल परिधि खन्ना, और ट्रेलब्लेजर डॉ. प्राची वी. रायजादा सहित, LuxuryDot.PR की उल्लेखनीय हस्तियों को उनकी विविध प्रतिभाओं और उपलब्धियों का प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित टाइटल से सम्मानित किया गया। पॉपुलर इन्फ्लूएंशर्स सेगमेंट में, इस साल के विजेताओं में टीएस मदान, प्रेरणा मल्हान, गीत, गुंजन तनेजा, प्रीत बल, इंशा घई कालरा, आदित्य शुक्ला, मल्लिका चटर्जी, मोहिनी वार्ष्णेय, और पिया शर्मा शामिल हैं। विजय चौधरी (अध्यक्ष राम रतन ग्रुप) ने महिला सशक्तिकरण के उत्सव, LuxuryDot.PR कैलेंडर शूट की हस्तियों को सम्मानित किया, जिसमें विभिन्न शैलियों की प्रेरक महिलाएं शामिल थीं। मोनू चौहान, (संस्थापिका टीम अचीवर्स ग्लोबल इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड) ने मेट गाला शूट की मॉडल्स को उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया। यह मेट गाला शूट 2023 में LuxuryDot.PR का साल भर चलने वाला एक सफल प्रोजेक्ट था, जिसमें 50 से अधिक महिलाएं शामिल थीं। स्टार गेस्ट गौरव गुप्ता (संस्थापक-जीटीटीसीआई) और मुकेश सेतिया (ट्रांसफॉर्मेशन कोच) ने इस शाम की रौनक बढ़ाई। LuxuryDot.PR अवार्ड्स 2023 प्रतिभा, समर्पण और उत्कृष्टता का महोत्सव था, जिसमें विभिन्न श्रेणियों में इंफ्लूएंशर्स के महत्वपूर्ण योगदान को प्रदर्शित किया गया। हम अपने सभी भागीदारों के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं: राम रतन समूह - प्रिंसिपल पार्टनर; मोनू चौहान - एसोसिएट पार्टनर; पराग आनंद, बेन्सन ट्रॉफीज ऐंड अवार्ड्स - अवार्ड पार्टनर, कोर ऐंड प्योर - वेलनेस पार्टनर, एडवेंट्स इवेंट्स - इवेंट पार्टनर; प्रमोशन कनेक्ट्स - मर्चेंडाइज पार्टनर और डॉ. वैभव्स पैथोसिटी - हमारे हेल्थ पार्टनर। जबकि LuxuryDot.PR अवार्ड्स 2023 का पर्दा गिर गया है, उसी तारीख 27 जनवरी को अपने दूसरे संस्करण में इतिहास रचते हुए, इसने इतिहास में अपनी जगह मजबूत की है, जिसमें योग्यता और प्रामाणिकता के माध्यम से इंफ्लूएंशर्स को एकजुट किया है। ऋचा मेहता के विजन, अमन यतन वर्मा की एंकरिंग, और इंफ्लूएंशर्स की उत्कृष्ट उपलब्धियों ने इस कार्यक्रम को मान्यता और उत्सव की उपलब्धि बनाया है। जैसा कि हम उत्सुकता से हर पुरस्कार विजेता की निरंतर सफलता की आकांक्षा करते हैं, हमारी कामना है कि उत्कृष्टता का प्रभाव प्रतिभा और समर्पण के क्षेत्र में प्रदर्शित हो। ऋचा मेहता के अनुशासित दृष्टिकोण ने लगातार दूसरे वर्ष इस आयोजन की निर्बाध टाइमिंग सुनिश्चित की, जिससे प्रतिभा के इस उल्लेखनीय उत्सव में उपलब्धि का एक और परत जुड़ गया।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

खुली ई–निविदा सूचना

मंडल अभियंता सम्पदा, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा दिनांक 27.02.2024 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन तत्काल खोली जाएगी।

कार्य का नाम	ए. सहायक मंडल अभियंता/सम्पदा–III के अंतर्गत वरिष्ठ खंड अभियंता/बड़ौदा हाउस में विद्युत शाखा में कमरा नं. 348, 348ए और 348बी एनेक्सी–I में, अतिसुविधाओं एवं संबद्ध कार्यों के साथ 40 व्यक्तियों की क्षमता वाले कॉन्फ्रेंस हॉल का प्रावधान हेतु। बी. सहायक मंडल अभियंता/सम्पदा–IIII के अंतर्गत वरिष्ठ खंड अभियंता/बड़ौदा हाउस में तिलक ब्रिज रेलवे कॉलोनी में जल निकासी/सीवरेज व्यवस्था की मरम्मत हेतु।	
अनुमानित लागत	ए. ₹51,46,190.25	बी. ₹99,94,000/-
धरोहर राशि	ए. ₹1,02,900/-	बी. ₹1,99,900/-
समापन अवधि	ए. 04 महीने	बी. 06 महीने

निविदा दिनांक 27.02.2024 को 15:00 बजे तक जमा की जा सकती है एवं तत्काल खोली जाएगी।

पत्र सं.: 128–डब्ल्यू/269/निविदा सूचना/23–24/डब्ल्यू–ई/टेंडर नं. 45ए, बी दिनांक: 02.02.2024 370/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

इ–निविदा (इ–प्रोक्यूरमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिए वरिष्ठ मंडल अभियन्ता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में इ–निविदा आमंत्रण।

कार्य का नाम	एडीईएन/एनडीएलएस के तहत एसएसई/पी.वे/एनडीएलएस अनुभाग में सीटीआर और टीएफआर, लेआउट में सुधार, उथली स्क्रीनिंग द्वारा सैलून साइडिंग, मेला साइडिंग, सीसीबी–1 और 2 और टीकेजे (ईएमयू लूप लाइन, तीसरी लाइन) के एनडीएलएस यार्ड (एल/नंबर 5ए, के–1, के–2, के–3) में सुधार।	
कार्य की अनुमानित लागत	₹1,88,35,961.44 (रुपये एक करोड़ अट्ठासी लाख पैंतीस हजार नौ सौ इकसठ और चवालीस पैसे मात्र)।	
बयाना राशि	₹2,44,200/-(रुपये दो लाख चवालीस हजार दो सौ मात्र)	
निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	27.02.2024 को 15:00 बजे तक	निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹) ₹ 0.00
वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	निविदा वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।	

- ठेकेदारों को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए।
- सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें।
- मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

सं.: 128-W/280/इ-निविदा सूचना/80/2023-24/W-3 दिनांक: 02.02.2024 355/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें
पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

नई दिल्ली, रविवार, 4 फरवरी, 2024

सीएम केजरीवाल के आवास पर फिर पहुंची क्राइम ब्रांच की टीम

विधायकों की खरीद-फरोख्त मामले में मांगे सबूत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम शुक्रवार के बाद शनिवार सुबह भी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर पहुंची। इसके साथ ही मुख्यमंत्री केजरीवाल की ओर से विधायकों की खरीद-फरोख्त का आरोप लगाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस आरोप पर भाजपा ने दिल्ली पुलिस को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की थी। इसी मामले में शुक्रवार को अपराध शाखा की टीम सीएम आवास केजरीवाल को नोटिस देने पहुंची, हालांकि उनके मौजूद न रहने से मुलाकात नहीं हो सकी। केजरीवाल ने अंदर से भिजवाया ये मैसेज-गौरतलब है कि शनिवार सुह 10.30 बजे क्राइम ब्रांच की टीम सिविल लाइंस स्थित सीएम अरविंद केजरीवाल के आवास पर पहुंची। पुलिस का कहना कि केजरीवाल नोटिस नहीं ले रहे हैं। पुलिस सूत्रों का कहना है कि उन्होंने अंदर से मैसेज भिजवाया है कि पुलिस उनके सुरक्षाकर्मी या आवास में मौजूद कर्मी को नोटिस दे दें। लेकिन पुलिस उन्हें नहीं देना चाह रही है। पुलिस का मकसद बदनाम करना है-दिल्ली सरकार के सूत्र का कहना है कि सीएम दफ्तर नोटिस लेने को तैयार है। सीएम दफ्तर रिसीविंग देने को भी तैयार है। लेकिन पुलिस ही नोटिस नहीं दे रही। पुलिस मीडिया लेकर आई है। पुलिस का मकसद नोटिस देना नहीं बल्कि बदनाम करना है। आज शाम आतिशी के भी घर जाएगी क्राइम ब्रांच की टीम-वहीं यह भी जानकारी सामने आ रही है कि आज शाम को क्राइम ब्रांच आतिशी को भी इसी मामले में नोटिस देने जाएगी। हालांकि आतिशी के भी दिल्ली से बाहर होने का पुलिस को पता चला है, लेकिन वह फिर भी उन्हें नोटिस देने जाएंगे। आतिशी इस वक्त चंडीगढ़ में हैं। पुलिस ने क्या बताया-दिल्ली पुलिस ने बताया कि अपराध शाखा की टीम को सीएम केजरीवाल को ही नोटिस देना था। अपराध शाखा की टीम शनिवार को फिर सीएम आवास पर नोटिस देने आई। फिलहाल, इस मामले में केस दर्ज नहीं किया गया है। वहीं, आम आदमी पार्टी का कहना है कि पुलिस टीम शुक्रवार को आई थी, सीएम कार्यालय का स्टाफ नोटिस लेने के लिए तैयार था, मगर पुलिस बिना नोटिस दिए लौट गई। बता दें कि केजरीवाल ने भाजपा पर आम आदमी पार्टी के विधायकों को प्रलोभन देकर तोड़ने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। भाजपा इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री पर पलटवार कर रही है।

संजय सिंह कोर्ट से मिली बड़ी राहत

इस दिन आएंगे जेल से बाहर, बस माननी होगी ये शर्त

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपित आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह को कोर्ट ने राहत दे दी है। अदालत ने उन्हें पांच फरवरी को राज्यसभा जाकर सांसदी की शपथ लेने की इजाजत दे दी है। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि संजय सिंह पांच फरवरी को राज्यसभा जाकर शपथ ग्रहण कर सकते हैं। हालांकि इसके लिए एक शर्त होगी। ये होगी शर्त संजय सिंह अकेले नहीं जा सकेंगे उनके साथ जेल अधिकारियों को जाना होगा। जेल अधिकारी संजय को सुबह 10 बजे तक संसद ले जाएंगे, ऐसा निर्देश कोर्ट ने अधिकारियों को अपने आदेश में दिया है। संजय ने सात दिन की मांगी थी अंतरिम जमानत-बता दें कि संजय सिंह ने संसद सत्र में शामिल होने के लिए 4 से 10 फरवरी तक की अंतरिम जमानत मांगी थी। सिंह की याचिका पर आज सुनवाई हुई। राउज एवन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने संजय सिंह की अर्जी पर ईडी को नोटिस जारी कर तीन फरवरी तक जवाब दाखिल करने को कहा था। संजय सिंह ने कहा था कि उनको राज्यसभा की सदस्यता की शपथ भी लेनी है। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने उन्हें अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया लेकिन उन्हें शपथ लेने का समय दिया है। दिल्ली शराब घोटाला मामले में हैं आरोपी-संजय सिंह को भी ईडी ने शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में आरोपी बनाया है। उन्हें दिसंबर माह में गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले संजय सिंह कोर्ट से तब बाहर आए थे जब उन्हें राज्यसभा चुनाव के लिए पर्चा भरना था।

इस दिन से शुरू होगा फेस्टिवल धमाका फ्लैट स्कीम का दूसरा चरण

सुबह 11 बजे से बुक करा सकेंगे घर

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की फेस्टिवल धमाका आवासीय योजना के तहत दूसरा चरण सात फरवरी से शुरू होगा। यह योजना पहले आओ पहले पाओ के आधार पर होगी। सात फरवरी को सुबह 11 बजे से लोग अपने फ्लैट बुक करवा सकेंगे। योजना में शामिल हैं ये फ्लैट-इस योजना में लोकनायक पुरम, नरेला और द्वारका में ईडब्ल्यूएस, एमआईजी और एलआईजी के फ्लैट उपलब्ध हैं। डीडीए के अनुसार, इसके योजना में लोग अपनी पंसद का फ्लैट बुक कर सकते हैं। स्कीम के तहत द्वारका सेक्टर 19 बी में ईडब्ल्यूएस, लोकनायक पुरम पॉकेट ई में एमआइजी, नरेला के सेक्टर जी-2 पाकेट तीन में ईडब्लूएस व एलआइजी, नरेला के सेक्टर जी-2 पाकेट 5 में ईडब्लूएस व एलआइजी, नरेला के सेक्टर जी-2 पाकेट 6 में ईडब्लूएस व एलआइजी उपलब्ध हैं। पांच से 10 के बीच होगी ई-नीलामी-अधिकारियों ने बताया कि लोग डीडीए की वेबसाइट पर जाकर ज्यादा जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। वहीं प्रीमियर हाउसिंग स्कीम के सेकंड फेज का ई-नीलामी पांच से 10 फरवरी के बीच रोज सुबह 11 से दोपहर 12 बजे तक होगी। पांच को द्वारका के पेंटहाउस और एमआईजी फ्लैट का, छह को द्वारका के सुपर एचआईजी, सात को द्वारका के एचआईजी, आठ को द्वारका के एचआईजी फ्लैट्स और नौ व 10 फरवरी को द्वारका के एचआईजी फ्लैट्स की ई नीलामी होगी। अधिक जानकारी के लिए बोलीदाता डीडीए की आधिकारिक वेबसाइट देख सकते हैं।

एम्स में नए ओपीडी ब्लॉक का होगा विस्तार, बनेगा नया बहुमंजिला भवन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

देश के सबसे बड़े चिकित्सा संस्थान एम्स के नए ओपीडी ब्लॉक का विस्तार किया जाएगा। इसके लिए मस्जिद मोठ स्थित वर्तमान नए ओपीडी ब्लॉक के पास ओपीडी के लिए नया बहुमंजिला भवन बनाया जाएगा। हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से एम्स को इसकी स्वीकृति मिल गई है। एम्स ने हॉस्पिटल सर्विस कंसल्टेंसी कारपोरेशन लिमिटेड (एचएससीसी) को इसके निर्माण की जिम्मेदारी दी है। इस नए ब्लॉक के तैयार होने पर इसमें कॉर्डियो, न्यूरो, कैंसर सहित दस विभागों की ओपीडी चलेगी। इससे एम्स के मुख्य अस्पताल सहित सभी प्रमुख केंद्रों की ओपीडी सेवा एक जगह उपलब्ध हो जाएगी। इससे ओपीडी में इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। अभी एम्स में ओपीडी सेवाएं अलग-अलग जगहों पर चलती हैं मौजूदा समय में एम्स में ओपीडी सेवाएं अलग-अलग जगहों पर चलती हैं। मुख्य अस्पताल की ओपीडी सेवा मस्जिद मोठ स्थित नए ओपीडी ब्लॉक में चलती है, जो एम्स के मुख्य परिसर से करीब एक किलोमीटर दूरी पर है। वहीं, हृदय और न्यूरो से संबंधित बीमारियों की ओपीडी एम्स के मुख्य परिसर में स्थित कार्डियोथोरेसिक न्यूरो सेंटर (सीएनसी) में चलती है। मेडिकल आंकोलाजी, सर्जिकल आंकोलाजी, रेडिएशन थेरेपी सहित कैंसर के इलाज के लिए आवश्यक तमाम विभागों की ओपीडी एम्स के कैंसर सेंटर में चलती है। जहां ओपीडी के लिए जगह कम पड़ रही है। जगह की कमी के कारण ओपीडी में पहुंचे, मरीज कैंसर सेंटर के बाहर बैठने को मजबूर होते हैं। इस वजह से उन्हें इलाज में परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस कारण लंबित रही योजना-मास्टर प्लान के तहत मस्जिद मोठ के पास ओपीडी का नया ब्लॉक बनाने की योजना थी, लेकिन मास्टर प्लान को अभी केंद्र सरकार से बजट मिलना बाकी है। इस वजह से एम्स मास्टर प्लान की योजना अभी लंबित पड़ी है।

मनीष सिसोदिया को फिर जमानत से इनकार

- 17 फरवरी तक जेल में ही रहेंगे

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को कोर्ट ने एक बार फिर राहत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 17 फरवरी तक बढ़ा दी है। दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने शनिवार दिल्ली शराब घोटाला मामले की सुनवाई करते हुए मनीष सिसोदिया को जमानत देने से इनकार कर दिया और उनकी जेल 17 फरवरी तक बढ़ा दी है। सीबीआई और ईडी दोनों कर रहे अलग-अलग जांच-गौरतलब है कि दिल्ली की नई शराब नीति में घोटाले के आरोप में अलग-अलग केंद्रीय जांच एजेंसियां जांच कर रही हैं। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) इस मामले में अनियमितताओं के चलते भ्रष्टाचार संबंधी आरोपों में जांच कर रही है। वहीं प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) शराब घोटाला मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की धाराओं में जांच कर रहा है। दोनों ही मामलों में एजेंसियों ने सिसोदिया को आरोपी बनाया है। पिछले साल 26 फरवरी को हिरासत में लिए गए थे-इसी के चलते मनीष सिसोदिया 26 फरवरी 2023 से ही जेल की सलाखों के पीछे हैं। वह जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट तक जा चुके हैं लेकिन उन्हें कहीं भी राहत नहीं मिली।

एनसीआरटीसी का एलान, स्टेशनों पर लगेंगे रूफटॉप सोलर सिस्मम

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने बड़ा ऐलान किया है। एनसीआरटीसी ने कहा कि दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीसी के स्टेशनों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाया जाएगा। इससे बिजली बनाई जाएगी और सीओ2 एमिशन कम होगा। शनिवार को इसकी जानकारी दी गई। ये रूफटॉप सिस्टम साहिबाबाद, गुलधर, दुहाई, दुहाई डिपो स्टेशन और दुहाई वर्कशॉप में आरआरटीएस स्टेशनों के प्लेटफॉर्म शेड पर लगेंगे। जिससे लगभग तीन मेगावाट की सौर क्षमता पहले ही स्थापित की जा चुकी है।

3-4 फरवरी को है अमृत उद्यान घूमने का प्लान, ऑनलाइन टिकट लेकर ही निकलें

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

अपनी खूबसूरती और रंग बिरंगे फूलों के लिए प्रसिद्ध राष्ट्रपति भवन के अमृत उद्यान के आम नागरिकों के दीदार के बाद खुलने पर पहले सप्ताहांत पर भीड़ के आसार हैं। इसलिए जो भी यहां जा रहा है उसके लिए जरूरी है कि पहले से ही टिकट लेकर निकले। बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इसका उद्घाटन किया था। शुक्रवार को दिल्ली में भंयकर जाम के बीच भी 4400 लोगों ने इसका दीदार किया था। शनिवार के लिए पहले से ही 15 हजार से ज्यादा लोगो ने टिकट बुक करा रखी है। जबकि रविवार के लिए 18 हजार की बुकिंग हो चुकी है। 225 साल पुराना शीशम का पेड़ सुनाएगा कहानी-इस बार अमृत उद्यान में 225 साल पुराने शीशम के पेड़ की कहानी भी सुनने को मिलेगी। इसके अलावा 300 बोंसाइ पेड़ भी मुख्य आकर्षण का केंद्र होंगे। इस मेट्रो स्टेशन से उपलब्ध है शटल सेवा-खास बात यह है कि मेट्रो से आने वाले नागरिकों की सुविधा के लिए मुफ्त शटल सेवा की सुविधा भी केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन से राष्ट्रपति भवन तक दी जा रही है। नागरिक अमृत उद्यान देखने के लिए ऑनलाइन टिकट पहले से भी बुक कर सकते हैं। वहीं, मौके पर भी गेट नंबर 35 पर मौजूद कियोस्क से भी टिकट ले सकते हैं। टिकट निःशुल्क है। प्रवेश के लिए साथ में सरकार द्वारा जारी पहचान पत्र या फिर आधार जैसी वस्तु होनी चाहिए। लाइन से बचने के लिए लें ऑनलाइन टिकट- नागरिक अपनी सहूलियत और लाइन से बचने के लिए अमृत उद्यान की टिकट ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं। राष्ट्रपति भवन के अनुसार https://rashtrapatisachivalaya.gov.in या https://rb.nic.in/rbvisit/visit_plan.aspx ऑनलाइन अग्रिम टिकट बुकिंग की सुविधा प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त लोग मौके पर पहुंचकर भी टिकट ले सकेंगे। इसके लिए सेल्फ कियोस्क भी लगाए गए हैं। गेट नबंर 35 पर सेल्फ कियोस्क स्थापित किए गए हैं। जहां लोग वहीं पर टिकट ले सकेंगे। टिकट पूरी तरह से निःशुल्क है। अमृत उद्यान घूमने का समय- सोमवार को बंद रहेगा। मंगलवार से रविवार तक सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक पर्यटक अवलोकन कर सकेंगे। आखिरी प्रवेश चार बजे तक ही मिलेगा। इन दिनों पर विशेष अतिथि करेंगे दीदार-22 फरवरी को दिव्यांगजन अमृत उद्यान का अवलोकन करने आएंगे। 23 फरवरी को अर्धसैनिक बल, पुलिस और सुरक्षा बल। 1 मार्च को महिला, जनजातियां महिलाएं और सेल्फ हेल्प ग्रुप। 5 अनाथालयों के बच्चे करेंगे दीदार।

मार्च के अंत तक दौड़ने लगेंगी प्रीमियम बसें

दिल्लीवासियों को घर के पास मिलेगी यह सुविधा

- नेहरू प्लेस बस टर्मिनल डिपो में 15749 वर्गमीटर जमीन है। इसके 7735 वर्गमीटर जमीन पर बस टर्मिनल के लिए 12 मंजिला भवन बनेगा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली सरकार की प्रीमियम बस एग्रीगेटर योजना के तहत बसें जल्द ही सड़कों पर चलती हुई नजर आएंगी। एक कंपनी के आवेदन को फरवरी अंत तक मंजूरी मिलने की उम्मीद है। योजना में तीन कंपनियां आवेग, चलो और उबर ने रुचि दिखाई है। इनमें दो के आवेदन मिल गए हैं, जबकि एक कंपनी का आवेदन नहीं आया है। अधिकारियों का कहना है कि एक कंपनी के आवेदन की फाइल परिवहन आयुक्त के पास भेजी गई है। बताया जा रहा है कंपनी को लाइसेंस मिलने के बाद मार्च अंत तक बसें सड़कों पर दौड़ने लगेंगी। अधिकारियों के अनुसार, जिस कंपनी को लाइसेंस मिलेगा, उसे कम से कम 25 बसों संचालित करना होगा। यह लाइसेंस पांच वर्ष के लिए दिया जाएगा। बसें नौ सीट की इलेक्ट्रिक होंगी। बस का रूट और किराया कंपनी खुद तय करेगी। लाइसेंस देने के बाद परिवहन विभाग यह सुनिश्चित करेगा कि बसें नियमों के दायरे में चल रही है यह नहीं। नियमों के उल्लंघन पर इन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इन बसों की निगरानी के लिए कंट्रोल रूप भी बनाया जाएगा। इसमें बस यात्रा आदि का डाटा रखा जाएगा। बता दें कि गत वर्ष मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और नवंबर में एलजी वीके सक्सेना की मंजूरी के बाद मोबाइल ऐप आधारित प्रीमियम बस योजना लागू करने के लिए अधिसूचना जारी की गई थी। घर के पास मिलेगी सुविधा-प्रीमियम बसें वहीं उपलब्ध होगी, जहां से यात्रियों ने टिकट बुक करवाया है। बशर्ते यात्री को प्रीमियम बस के रूट पर ही चलना हो। इसके लिए उसे सड़क के बस स्टॉप तक नहीं जाना पड़ेगा। बस उसी लोकेशन पर रुकेगी, एप पर जहां से टिकट लिया गया है। बस में यात्री को कार की तरह की सुविधाएं मिलेंगी। अधिकारियों का मानना है कि इससे रोजाना कार से दफ्तर तक जाने वाले लोग खुद ही इन बसों की सवारी करेंगे। इससे सड़कों से कारें हटेंगी, जिसका नतीजा जाम व प्रदूषण में कमी के तौर पर रहेगा। इन क्षेत्रों में बनाया जा सकता है रूट- द्वारका, रोहिणी, वसुंधरा एन्क्लेव, सरोजनी नगर, लाजपत नगर, ग्रीन पार्क, हौज खास, लक्ष्मीबाई नगर, आईएनए, चाणक्यापुरी, ग्रेटर कैलाश, साउथ एक्स, सिविल लाइंस, बुराड़ी, करोल बाग, पश्चिम विहार, पंजाबी बाग, महिपालपुर समेत कई क्षेत्रों में इन बसों का रूट बनाया जा सकता है। दैनिक यात्रियों को मिलेगा फायदा-इस योजना से नौकरीपेशा लोगों को खास फायदा होगा। जो लोग कार से अपने दफ्तर जाते हैं, उनको कार छोड़ने का बेहतर विकल्प मिलेगा। अगर रोहिणी की किसी कॉलोनी के सात-आठ लोग रोजाना कनॉट प्लेस स्थित अपने दफ्तर कार से जाते हैं तो वह प्रीमियम बस बुक कर सकेंगे। बस उनके घर पर आएगी और उन्हें उनके कार्यालय पर छोड़गी। यह बसें सामान्य बसों से छोटी होंगी, ऐसे में जहां पर सामान्य बसें नहीं जा सकती है, वहां पर इन बसों की सेवा ली जाएगी। नेहरू प्लेस बस टर्मिनल बनेगा अत्याधुनिक, 12 मंजिला होगा-नेहरू प्लेस के नजदीक स्थित बस टर्मिनल को दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) अत्याधुनिक बनाएगा। अधिकारियों के अनुसार, 17 जून 2022 में नेहरू प्लेस बस टर्मिनल के आधुनिकीकरण के लिए डीटीसी व डीएमआरसी के बीच समझौता हुआ था। इसके तहत इस पांच बस टर्मिनलों के निर्माण करने की जिम्मेदारी डीएमआरसी को दी गई है। इसके मद्देनजर डीएमआरसी ने इस बस डिपो के आधुनिकीकरण के लिए पहल की है। बस टर्मिनल में व्यावसायिक कांप्लेक्स के अलावा पार्किंग की भी सुविधा होगी। साथ ही, इसे मल्टी मॉडल इंटिग्रेशन सिस्टम के तहत मेट्रो स्टेशन से भी जोड़ा जाएगा। पांच मंजिला पार्किंग भी बनेगी-नेहरू प्लेस बस टर्मिनल डिपो में 15749 वर्गमीटर जमीन है। इसके 7735 वर्गमीटर जमीन पर बस टर्मिनल के लिए 12 मंजिला भवन बनेगा। भूतल पर बस टर्मिनल, इसके बाद एक से पांच मंजिल तक पार्किंग और ऊपर सात मंजिल (6 से 12 मंजिल तक) का व्यावसायिक कांप्लेक्स बनेगा।

छह साल की मासूम से दरिंदगी के दोषी को 20 साल की जेल

नोएडा, प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेनो वेस्ट में वर्ष 2021 में छह साल की मासूम से दरिंदगी के दोषी फरुर्खाबाद के नवाबगंज निवासी मैनुद्दीन उर्फ महरुद्दीन को जिला न्यायालय ने 20 साल की जेल की सजा सुनाई है। मैनुद्दीन ने घर के बाहर खेल रही मासूम को अश्लील वीडियो दिखाकर दरिंदगी की थी। जिला न्यायालय ने दोषी पर 50 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है। जुमार्ना जमा नहीं करने पर अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। बिसरख कोतवाली के ग्रेनो वेस्ट निवासी शख्स ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। दर्ज रिपोर्ट के मुताबिक पीड़ित की छह साल की मासूम बेटी घर के बाहर बच्चों के साथ खेल रही थी। पड़ोस में रहने वाला मैनुद्दीन मासूम बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने घर में ले गया। उसने मोबाइल में अश्लील वीडियो दिखाकर दुष्कर्म किया। बच्ची के अचानक लापता होने पर परिजन व आसपास रहने वाले लोग उसे तलाशने लगे। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे। परिजन व पड़ोसियों ने मैनुद्दीन को दबोचकर उसकी पिटाई कर दी। पुलिस ने मैनुद्दीन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जांच के बाद आरोपी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया। गवाहों के बयान, साक्ष्य, दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं की बहस सुनने के बाद न्यायालय ने मैनुद्दीन को दोषी मानते हुए सजा सुनाई है। पुलिस का कहना है कि ऑपरेशन कन्विक्शन के अंतर्गत गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट में अपराधियों को सजा दिलाने के लिए त्वरित पैरवी की जा रही है। बच्ची से दरिंदगी पर लोगों में था आक्रोश-मासूम बच्ची से दरिंदगी के बाद से लोगों में आक्रोश था। वारदात के बाद से मासूम दहशत में थी। स्थानीय लोगों ने पुलिस से इस मामले में आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की थी।

दिल्ली में मल्लिकार्जुन खरगे ने बीजेपी पर जमकर साधा निशाना

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

गीता कॉलोनी के रामलीला मैदान में प्रदेश कांग्रेस का न्याय संकल्प कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इस सम्मेलन के लिए प्रदेश कांग्रेस का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पिछले 21 दिन से राहुल गांधी समाज के हर वर्ग के लिए न्याय मांग रहे हैं। ऐसा कदम कभी किसी पार्टी के नेता ने नहीं उठाया। भाजपा सरकार के राज में हो रहे अन्याय के खिलाफ वह अकेले लड़ रहे हैं। अगर कांग्रेसी इस लड़ाई में फेल हो गए तो स्थायी रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुलाम हो जाएंगे। हर वर्ग को तकलीफ होगी। सभी गुलाम हो जाएंगे। मोदी की गारंटी कहां है? हर साल की दो करोड़ नौकरी कहां गई? 15-15 लाख कहां गए? झूठों के सरदार हैं मोदी, सभी को धोखा दे रहे हैं। महंगाई कमरतोड़ हो गई है। जनता की भलाई नहीं बुराई कर रहे। कांग्रेस की गारंटी पर विश्वास कीजिए-मोदी हमेशा झूठ बोलते हैं, लोगों को गुमराह करते हैं। देश में करीब 30 लाख सरकारी नौकरी खाली हैं। सबका साथ, सबका विकास कहते कहते मोदी ने कर दिया सबका सत्यानाश। कांग्रेस ने जो बनाया, भाजपा उसे बेच रही है। मोदी देश को बांट रहे हैं। कांग्रेस भगवान को नहीं बांट रही। भाजपा भगवान को भी वोट बैंक के लिए इस्तेमाल कर रही, जबकि कांग्रेस सुख शांति के लिए करती है। हमें देश में भाईचारा वापस लाना है। मोदी ईडी का इस्तेमाल भी डर फैलाने के लिए कर रही है। अभी तक भाजपा 411 विधायकों को खरीद चुकी है। झारखंड में भी इन्होंने यही किया। हमारे विधायकों को तोड़ने की कोशिश की गई। बिहार में इन्होंने मुख्यमंत्री को अपनी तरफ खींच लिया। पलटू कुमार फिर भाजपा का नाम लेने लगे। राहुल गांधी देश में मोहब्बत की दुकान खोल रहे और भाजपा ने देश को ही दुकान बना दिया। अगर हम दिल्ली जीतेंगे तो सारा देश जीतेंगे। यह लोग मुल्क को तोड़ देंगे। आपको उनके खिलाफ खड़ा होना है। ऐसी सरकार और ऐसे प्रधानमंत्री को हटाना होगा। इसके लिए संकल्प लेना होगा। अजय माकन ने बताया कि पिछले साल राहुल गांधी ने गीता कॉलोनी से ही भारत जोड़ो यात्रा शुरू की थी। यहां लोकतंत्र बचाने के लिए सभी कांग्रेसियों का भी अभिनंदन। दीपक बाबरिया ने कहा कि आज का सम्मेलन देश के लोकतंत्र और संवैधानिक व्यवस्था को बचाने के लिए। दिल्ली में लोगों की झुग्गियां तोड़ी जा रही हैं। यहां जुटी भीड़ मोदी जी को ललकार रही है। कई सालों के बाद प्रदेश कांग्रेस के इस शानदार आयोजन के लिए बधाई।

टेंट हाउस में चोरी करने घुसे युवक की पीटकर हत्या

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

ज्योति नगर में एक टेंट हाउस में चोरी करने घुसे विनोद (24) की पीटकर हत्या कर दी गई। इसके बाद शव मुरादनगर में फेंक दिया गया। मां ने 28 जनवरी को विनोद की गुमशुदगी की शिकायत दी तो पुलिस ने जांच के बाद टेंट हाउस के एक कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया। कर्मचारी की निशानदेही पर पुलिस ने बृहस्पतिवार को शव बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार, विनोद परिवार के साथ हरदेव पुरी में रहता था। मां सारा ने ज्योति नगर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच के दौरान आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो विनोद को एक युवक के साथ देखा गया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसने बताया कि 27 जनवरी को वह विनोद के साथ ईस्ट ज्योति नगर स्थित एक टेंट हाउस के गोदाम में चोरी करने गया था। चोरी करने के दौरान टेंट के कर्मचारियों ने दोनों को पकड़ लिया। वह किसी तरह से वहां से भाग गया। इसके बाद पुलिस ने अगवा करने का मामला दर्ज कर लिया।

संक्षिप्त खबरें

काले रंग का पैशन प्रो बाइक की गई चोरी

जमुई सिकंदरा थाना क्षेत्र के गोखुला गांव में एक घर के आगे लगे काले रंग का पैशन प्रो बाइक चोरी हो गया। बाइक चोरी होने की सूचना शनिवार को सिकंदरा थाने में लिखित आवेदन देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ दी गई। जानकारी के मुताबिक गोखुला गांव निवासी गोपाल कुमार पिता बबलू सिंह अपने काले रंग के पैशन प्रो बाइक को घर के आगे लगाकर रखा था। तभी अज्ञात चोरों के द्वारा बाइक को चुरा लिया गया। वही बाइक चोरी को लेकर बबलू सिंह के द्वारा सिकंदरा थाने में आवेदन दी गई है। जैसे बताया कि पैशन प्रो बीआर 08 ई 4300 का बाइक चोरी हुआ है।

एसपी हिमांशु ने किया पतरघट ओपी का औचक निरीक्षण

पतरघट/सहरसा। नव पदस्थापित एसपी हिमांशु ने शुक्रवार की देर शाम पतरघट ओपी पहुंच कर औचक निरीक्षण किया। एसपी ने नवपदस्थापित एसडीपीओ आलोक कुमार के साथ पहुंच कर ओपी परिसर का मुआयना किया। एसपी ने औचक निरीक्षण के क्रम में लंबित कांडों की समीक्षा करते सभी अनुसंधानकताओं को लंबित कार्रवाई पूर्ण कर कांडों का त्वरित निष्पादन हेतु आवश्यक निर्देश दिया। ओपी अध्यक्ष अजय कुमार पासवान से विधि-व्यवस्था की जानकारी लेते नियमित पुलिस गस्ती, अबैध शराब तस्कर, नशेड़ी एवं शरारती तत्वों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने का निर्देश दिया। तथा अन्य सभी कार्यप्रणाली में सुधार हेतु दिशा निर्देश दिये। मौके पुअनि कमलेश कुमार सिंह, पुअनि पंकज कुमार यादव, पुअनि नीरज कुमार, पुअनि विकास कुमार, पुअनि शशिधर सिंह, पुअनि सत्येन्द्र सिंह, पुअनि अनिरुद्ध यादव, मुंशी रवि कुमार सहित पुलिसकर्मी मौजूद थें।

एनडीए बिहार में जीतेगी 40 में 40 सीट:सांसद गोपाल

प्रात: किरण, संवाददाता

सहरसा । भाजपा के जिला कार्यसमिति की बैठक शनिवार को सहरसा भाजपा कार्यालय परिसर में आयोजित हुई। बैठक की शुरूआत दरभंगा सांसद गोपाल ठाकुर,जिला अध्यक्ष दिवाकर सिंह, विधायक आलोक रंजन,क्षेत्रीय प्रभारी सरोज झा एवम सह प्रभारी सत्येन्द्र रॉय ने संयुक्त रूप से दिप प्रज्वलन और वंदे मातरम के गायन के साथ की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष दिवाकर सिंह और संचालन जिला मंत्री मुकेश मानस व जिला उपाध्यक्ष शिवभूषण सिंह ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में दरभंगा से भाजपा सांसद गोपाल ठाकुर ने पार्टी के मार्ग-दर्शन की जानकारी सभी को देते हुए संगठन की मजबूती की दिशा में काम करने को कार्यकताओं को कहा। आगे ठाकुर ने कहा कि दो सदस्य से संसद भवन की पारी शुरू करने वाली भारतीय जनता पार्टी आज तीन सौ लोकसभा सदस्य वाली देश की सबसे बड़ी पार्टी है। लेकिन यह मुकाम उसे यूं ही नहीं हासिल हुआ है। इसके पीछे तमाम कार्यकताओं का योगदान है जो उच्च पद पर जाने के बाद भी धरातल को नहीं छोड़ते हैं। इस जोश और उत्साह के साथ कार्यकर्ता फिर से बिहार की चालीसों सीट पर एनडीए गंठबंधन की जीत के लिए मेहनत शुरू कर दे। जिला अध्यक्ष दिवाकर सिंह ने कहा भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। यह सम्मान हमें असंख्य कार्यकताओं की मेहनत संघर्ष और समर्पण के कारण प्राप्त हुआ है। इसलिए कार्यकर्ता से बड़ा कोई पद भाजपा में नहीं होता। भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। कार्यकर्ता समाज के घर घर जा उनके सुख और दुख में शामिल हों। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विराट नेतृत्व और संगठन की बदौलत आपके द्वारा सफलतापूर्वक किया गया कार्य 2024 में हमें ऐतिहासिक विजय दिलाएगा और बिहार में एनडीए चालीस में चालीस सीटों पर भी ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी। भाजपा की सरकार जनहितकारी सरकार है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के हर वर्ग को ध्यान में रखकर लोक कल्याण के कार्य किए जा रहे है। देश के अंतिम कतार के व्यक्ति तक बिना किसी भेद भाव के लाभ पहुंचाया जा रहा है। क्षेत्रीय प्रभारी सरोज झा ने कहा कि हर कार्यकर्ता को अब संगठन भाव से काम करना जरूरी है। हम सभी कार्यकताओं को जो दायित्व मिले हैं उनका पूर्ण निष्ठा से हमें निर्वहन करना है। लोकसभा चुनाव का आगाज हो चुका है और हमें अपनी पूरी मेहनत और पूरी ताकत अब पार्टी के कामों में लगनी चाहिए। भारत दुनिया का नेतृत्व करने आगे बढ़ रहा है। हम सभी कार्यकर्ता मिलकर इस दिशा में आगे बढ़ते हुए त्रिदेव कार्यकर्ता अपने बूथ और शक्ति केन्द्र को मजबूत करने की कार्ययोजना में जुट जाए। सह प्रभारी सत्येन्द्र राय ने संगठन विस्तार पर चर्चा करते हुए कहा की कार्यकर्ता का प्रवास प्रतिदिन होना चाहिए। हमारा प्रवास होगा तो मंडल और बूथ पर पहुंच पार्टी का काम नीचे तक पहुंचेगा तो निश्चित ही हमारा संगठन और अधिक मजबूत होगा। साथ ही पार्टी द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों एवं अभियानों की जानकारी दी। उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर हे। बैठक में सहरसा नगर निगम के मेयर श्री मति बैन प्रिया पूर्व विधायक सुरेंद्र यादव,पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव रंजन, माधव चौधरी, लोकसभा प्रभारी विजय कुमार उर्फ खोखा जी,जिला उपाध्यक्ष शिव भूषण सिंह रितेश रंजन, सिद्धार्थ सिंह सिद्धू, श्री कृष्ण झा अनीता देवी जिला पार्षद ,शशी शेखर सम्राट गौतम भगत पूर्व जिला पार्षद पार्टी जिला पदाधिकारी ,पंकज पाठक,राजीव रंजन साह, सीमा झा विजय बसंत सभी विस्तारक सहित जिले के सभी मंडल अध्यक्ष व जिला पदाधिकारी मौजूद रहे।

डॉ एलएनगोप के निधन पर आयोजित की गई शोक-सभा

प्रात: किरण, संवाददाता

मधेपुरा । विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई बी. एस. एस. कॉलेज, सुपौल में भौतिकी विभाग के शिक्षक डॉ. एल. एन. गोप के सम्मान में शुक्रवार को कुलपति प्रो. बी. एस. झा की अध्यक्षता में शोक-सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. मिहिर कुमार ठाकुर ने विश्वविद्यालय द्वारा जारी शोक-संदेश पढ़ा। उन्होंने बताया कि डॉ. गोप का 31 जनवरी, 2024 (बुधवार) को निधन हो गया। इससे विश्वविद्यालय परिवार को एक अपूर्णीय क्षति हुई है और पूरा विश्वविद्यालय परिवार मर्मित है। उन्होंने बताया कि डॉ. गोप का जन्म 26 फरवरी, 1942 को साहेबगंज में हुआ था। उन्होंने विश्वविद्यालय के बी. एस. एस. कॉलेज, सुपौल में 3 नवंबर 1966 को योगदान दिया था। वे वहीं से 28 फरवरी, 2022 को सेवानिवृत्त हुए। वे प्रारंभिक दौर में ही भूपेन्द्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा के महाविद्यालय निरीक्षक (विज्ञान) रहे। पूर्व प्रधानाचार्य सह पूर्व अभिषद् सदस्य डॉ. परमानंद यादव ने बताया कि डॉ. गोप अपने पीछे अपनी पत्नी, दो पुत्र एवं तीन पुत्रियों सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। अंत में डॉ. गोप की आत्मा को शांति हेतु दो मिनट का मौन रखा गया और ईश्वर से प्रार्थना की गई कि वे दुख की इस घड़ी में उनके परिजनों एवं शुभचिंतकों को धैर्य धारण करने की क्षमता प्रदान करें।

असिस्टेंट प्रोफेसर ने टीपी कॉलेज में दिया योगदान

प्रात: किरण, संवाददाता

मधेपुरा । रसायनशास्त्र विभाग, ललित नारायण मिश्र स्मारक महाविद्यालय, बीरपुर (सुपौल) में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मोहित गुप्ता ने शुक्रवार को टी. पी. कॉलेज, मधेपुरा में योगदान दिया। इस अवसर पर टी. पी. कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. कैलाश प्रसाद यादव, दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सुधांशु शेखर, मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. शंकर कुमार मिश्र एवं गणित विभागाध्यक्ष ले. गुड्डू कुमार ने उनका स्वागत किया। डॉ. शेखर ने बताया कि डॉ. गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी की डिग्री प्राप्त की है। वे बीपीएससी की अनुशंसोपरांत जनवरी, 2018 में भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय में नियुक्त हुए हैं। इस विश्वविद्यालय में उनकी पहली नियुक्ति ललित नारायण मिश्र स्मारक महाविद्यालय, बीरपुर (सुपौल) में हुई है। वे 10 अक्टूबर, 2022 से अद्यतन विश्वविद्यालय के नोडल पदाधिकारी की जिम्मेदारियों का भी बखूबी निर्वहन कर रहे हैं।

शरारती तत्वों के बीच हुई विवाद एक नशे की हालत में गिरफ्तार

प्रात: किरण, संवाददाता

पतरघट/सहरसा। कपसिया शीतलपट्टी घाट पर पूसी पुर्णिमा मेला में शुक्रवार के शाम शरारती तत्वों के बीच हुई विवाद लौटने समय कपसिया चौक पर नशे की हालत हंगामा करते मारपीट होने लगा। लोगों द्वारा शांत करने पर नशेड़ियों ने मारपीट करने लगा। ग्रामीणों की सूचना पर पतरघट पुलिस ने पहुंचकर एक को गिरफ्तार किया। तथा कई अन्य नशेड़ी पुलिस के पहुंचते ही भागने में सफल रहा। कपसिया चौक पर नशेड़ी व मनबढू शरारती तत्वों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। कुछ स्थानीय लोग व राहगीर शांत करने का प्रयास किया। लेकिन एक साथ कई बाइक सवार मनबढू युवक ने नशे की हालत में शांत नहीं होकर लोगों के साथ मारपीट करने लगा।सूचना पर ओपी अध्यक्ष अजय कुमार पासवान एवं पुअनि नीरज कुमार पुलिस बल के साथ पहुंच कर खदेड़ा। पुलिस के पहुंचते ही कई बाइक सवार भाग खड़ा हुआ।

फांसी के फंदे से लटका मिला महिला शव

प्रात: किरण, संवाददाता

सिमरी बख्तियारपुर/सहरसा। 30 वर्षीय महिला डोली कुमारी ने गुरुवार को गांधी पथ के हाथी टोला में किराए के घर में फंदे से लटककर अपनी जान दे दी. महिला पशुपालन विभाग में एबीएफ के पद पर नवहट्टा में पदस्थापित थी. महिला का पति सन्नी सिंह बेगूसराय आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज में रहकर मेडिकल की तैयारी करता है. गुरुवार की सुबह बगल के ही रहने वाले ऋषि कुमार को महिला ने गैस खत्म होने की बात कह घर का किराया और गैस सिलेंडर का पैसा ऑनलाइन भेज दिया. उसके बाद ऋषि कुमार वहां से चला गया. गैस के लिए जब वह महिला को कई बार फोन किया लेकिन वह फोन नहीं उठाई. उसके बाद उसके पति को कहा कि आप अपनी मैडम को बोल दीजिए कि गैस वाला आएगा तो ले लेने के लिए. उसके बाद वह महिला अपने पति का फोन भी नहीं उठा रही थी. तब फिर उसके पति ने वापस फोन कर बताया कि उसका फोन भी उसकी पत्नी नहीं उठा रही है. आप खुद वहां जाकर जरा देख लीजिए. जब जाकर देखा तो मेन गेट अंदर से बंद था. किसी तरह पड़ोसी की मदद से मेन गेट का किल्ली तोड़कर अंदर गया तो महिला का कमरा भी अंदर से लॉक था. उसके बाद सूचना उसके पति को दिया और उसके बाद सूचना डायल 112 को दिया. डायल 112 की टीम जब वहां पहुंची तो उनके सामने काफी मशक्कत के बाद गेट को तोड़ा गया और अंदर देखा तो महिला फंखे में फंदे से झूल रही थी. उसके बाद डायल 112 ने घटना की सूचना सदर थाना को दी. सदर थाना की पुलिस मौके पर पहुंच तहकीकात में जुट गई. देर शाम महिला के पति और पिता घटना स्थल पर पहुंचकर पुलिस के समक्ष पोस्टमार्टम कराए बगैर शव को ले जाने की इच्छा जाहिर की. पूछे जाने पर लड़की के पिता पवन राय ने बताया कि उनकी बेटी बेवजह डिप्रेशन में रहती थी. वर्ष 2019 के फरवरी में उसकी शादी हुई थी. बहुत ही अच्छे परिवार में मैंने अपनी बेटी की शादी की थी. मेरा दामाद भी मेरी बेटी को बहुत मानता था।

गांव चलो अभियान के तहत बीजेपी कार्यकताओं की बैठक आयोजित

प्रात: किरण, संवाददाता

कुमारखंड (मधेपुरा) प्रखंड के सिकरहटी स्थित पंचायत भवन के समीप शनिवार को गांव चलो अभियान के तहत भाजपा कार्यकताओं की बैठक बीजेपी पश्चिमी भाग मंडल अध्यक्ष राजीव रंजन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि मधेपुरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी डॉ. विजय कुमार विमल ने भाग लिया। बैठक में बीजेपी के दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यकताओं को डॉक्टर विजय कुमार विमल ने संबोधित करते हुए कहा बीजेपी सरकार की 2014 में सरकार बनने के बाद जितनी भी योजनाएं चल रही है। योजनाओं के बारे में गांव चलो अभियान के तहत बूथ स्तर के कार्यकर्ताओ को सरकार की हर योजनाओं के बारे में लोगों को बताएंगे बीजेपी पार्टी आगमी लोक सभा चुनाव में बेहतर परिणाम ला सके। उन्होंने कार्यकर्ताओ को कहा गांव चलो अभियान को सफल बनाने के लिए बूथ स्तर के कार्यकर्ता, शक्ति पीठ केंद्र के कार्यकर्ता सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। जैसे उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान कार्ड योजना, विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री सिंचाई योजना, राशन फ्री योजना, किसान सम्मन निधि योजना, शौचालय योजना समेत सभी योजनाओं के बारे में घर-घर लोगों को जानकारी देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूती मिले। मौके पर बीजेपी पश्चिमी भाग के मंडल अध्यक्ष राजीव रंजन, बाल किशन यादव, गुलाबचंद पासवान, राजेश पोद्दार, पंकज कुमार, विजय दास, उपेंद्र चौधरी, गगन भूषण, उमाशंकर ठाकुर, श्याम कुमार पासवान, अर्जुन पासवान, रमन कुमार, उपेंद्र शर्मा, युगल किशोर शाह, भिखारी ततमा, वीरेंद्र कुमार शाह, परमानंद यादव, अरविंद मुखिया सहित कई भाजपा कार्यकर्ता बैठक में मौजूद थे।

जमीनी विवाद को लेकर हुई मारपीट, एक पक्ष के दो महिला घायल

प्रात: किरण, संवाददाता

कुमारखंड (मधेपुरा) श्रीनगर थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर भगवती पंचायत स्थित चैनपुर वार्ड नंबर 4 में शनिवार को जमीनी विवाद को लेकर दो पक्ष में हुए मारपीट की घटना में एक पक्ष के दो महिला घायल हो गई। स्थानीय ग्रामीणों की सहयोग से परिजनों ने इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुमारखंड में भर्ती कराया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक द्वारा इलाज किया गया। एक पक्ष के जगदीश पासवान, दूसरा पक्ष के जयप्रकाश पासवान के बीच पूर्व से जमीन विवाद चल रहा है। एक पक्ष के जगदीश पासवान का पुत्र विकास कुमार ने बताया पूर्व से जमीन विवाद चल रहा है। शनिवार को चापाकल के पास से बर्तन धोने के दौरान पानी जाने की वजह से दूसरा पक्ष के प्रवेश पासवान, जनार्दन पासवान, जयप्रकाश पासवान, रूपेश पासवान, विकास पासवान आए और गाली गलौज करते हुए लाठी डंडे से मारपीट करने लगे। मारपीट की घटना में संगीता देवी, उर्मिला देवी घायल हो गई। इस संबंध में थानाध्यक्ष पतरित पासवान ने बताया आवेदन मिलते ही जांच कर समुचित कार्यवाही की जाएगी।

शिक्षक बहाली को लेकर डीएलएड के प्रशिक्षणार्थियों ने किया प्रदर्शन

शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान डायट में प्रशिक्षणार्थियों ने किया प्रदर्शन

प्रात: किरण, संवाददाता

मधेपुरा । शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान (डायट) मधेपुरा के परिसर में 2022-24 सत्र के डीएलएड प्रशिक्षणार्थियों ने अपनी मांगों को लेकर शनिवार को शिक्षा विभाग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्र-छात्राओं ने विभाग के अवर मुख्य सचिव केके पाठक से कई मांग भी की। इस दौरान विरोध कर रहे प्रशिक्षणार्थियों ने बताया कि हमलोग डीएलएड 2022-24 के प्रशिक्षणार्थी है। बीपीएससी द्वारा जनवरी 2024 में कैलेंडर जारी किया गया था। जिसमें टीआरई 3.0 की बहाली अगस्त 2024 में संभावित थी। किंतु किस कारण से बीपीएससी ने टियर 3.0 की बहाली समय से छह माह पूर्व ही करने जा रही है। उनलोगों ने कहा कि इतने पूर्व बहाली निकलने से लाखों प्रशिक्षणार्थियों को इस बहाली में भाग लेने से वंचित रह जाएंगे। जबकि हमलोगों को इस बहाली में भाग लेने का आश्वासन पहले ही दिया गया। अब जबकि बहाली पहले होगी तो लाखों छात्र-छात्राएं परीक्षा में भाग नही ले पाएंगे। जिससे हमलोगों के कैरियर पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। उनलोगों ने शिक्षा विभाग के अवर सचिव केके पाठक से मांग की शिक्षक बहाली टीआरई 3.0 अगस्त में भी कराया जाय। या हमलोगों को टीआरई 3.0 में शामिल किया जाय। ताकि हमलोगों के सपने चूर होने बच जाए और बिहार के शिक्षा में अपना योगदान दे सके। मौके पर छात्र कुंदन कुमार, प्रिंस रंजन, विमल कुमार, ललन कुमार, प्रमोद कुमार, अंकित कुमार, मनीष कुमार, संतोष कुमार, कृष्णा चंद, सुनील कुमार, छात्रा रोजी कुमारी, नाज कुमारी, अंजली सिंह, ज्योति कुमारी, टोनी कुमारी, राजिम परवीन, प्रियम भारती, सोनी कुमारी, आरती कुमारी सहित कई छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

प्रेरणा-सत्र का आयोजन कर डायरी एवं परिचय पत्र किया वितरण

बिहार सरकार द्वारा वंचित वर्गों के उत्थान के लिए चलाए जा रहे हैं कई कार्यक्रम

प्रात: किरण, संवाददाता

मधेपुरा । बिहार सरकार द्वारा वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का लाभ आम लोगों तक पहुंचाने की जरूरत है। यह बात मधेपुरा जिला कल्याण पदाधिकारी रामकृपाल प्रसाद ने कही। वे शनिवार को मुख्यमंत्री व्यावसायिक पाठ्यक्रम मार्गदर्शन एवं उत्प्रेरण केंद्र प्रेरणा-सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार द्वारा बीएनएमयू में मुख्यमंत्री व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन केंद्र की शुरूआत की गई है। केंद्र में विद्यार्थियों को इनईटी, जीएटीई, जेआरएफ, पीएचडी आदि प्रतियोगिता परीक्षाओं में चयनित होने के लिए परीक्षा पूर्व निशुल्क प्रशिक्षण (कोचिंग) की व्यवस्था है। इससे विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कैरियर बनाने में मदद मिलेगी।उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं ज्ञान एवं कौशल अर्जित करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। अपने शिक्षकों की क्षमताओं का समुचित सदुपयोग करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलानुशासक डॉ. बी. एन. विवेका ने कहा कि बिहार सरकार के सौजन्य से इस केंद्र में विद्यार्थियों को निः शुल्क प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन मिल रहा है। सभी विद्यार्थी पूरे लगन एवं मेहनत से पढ़ाई करें और केंद्र में मौजूद सुविधाओं का अधिकाधिक लाभ उठाएं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एम. एड. विभाग के शिक्षक डॉ. एस. पी. सिंह ने कहा कि कोई भी कार्य उद्यम से सिद्ध होता है। केवल मनोरथ करने से कार्य नहीं होता है। इसलिए विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम करना चाहिए।कार्यक्रम का संचालन करते हुए उपकुलसचिव (स्थापना) डॉ. सुधांशु शेखर ने बताया कि केंद्र में 60-60 का दो दो बैच संचालित किया जा रहा है। प्रथम बैच में विज्ञान के सभी विषयों और दूसरे बैच में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के सभी विषयों को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि संप्रति केंद्र की कक्षाएं शिक्षाशास्त्र विभाग के प्रथम तल पर पूर्वाह्न 9 बजे से संचालित हो रही हैं। इसमें मुख्य रूप से बीपीएससी बैच के शिक्षकों की सेवा ली जा रही है। इसके अलावा कई वरिष्ठ शिक्षकों का भी मार्गदर्शन प्राप्त है। अतिथियों का स्वागत करते हुए बी. एड. विभागाध्यक्ष सुनील कुमार ने कहा कि अभिप्रेरणा ही सफलता की सीढ़ी है। यदि आप अभिप्रेरित हैं, तो आपको लक्ष्य प्राप्त करने से कोई भी नहीं रोक सकता है। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए एम. एड. विभागाध्यक्ष डॉ. सी. डी. यादव ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि केंद्र के विद्यार्थी बेहतर प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का नाम रौशन करेंगे। यहां के विद्यार्थियों की सफलता अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करेगी। इसके पूर्व अतिथियों का अंगवस्त्रम्, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने एक-दूसरे का परिचय प्राप्त किया। सभी विद्यार्थियों को शपथ दिलाई गई कि वे नियमित रूप से कक्षा में आएंगे और पूरी ईमानदारी से तैयारी करेंगे। अंत में सभी उपस्थित विद्यार्थियों के बीच केंद्र की डायरी एवं परिचय पत्र का वितरण किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में सौरभ कुमार चौहान एवं संतोष कुमार ने सहयोग किया। इस अवसर पर दर्शनशास्त्र विभाग के शोधार्थी मौसम कुमारी, सोनी कुमारी, अंशु कुमारी, प्रियंका कुमारी, आरती कुमारी, अंशु कुमारी, नीतू कुमारी, रानी कुमारी, रूबी कुमारी, ललिता कुमारी, कल्पना कुमारी, आदित्य कुमार, राज किशोर कुमार, जितेंद्र कुमार, संजीव कुमार, शिवशंकर कुमार, रघुनंदन कुमार, धर्मेंद्र कुमार, प्रदीप कुमार, पूजा कुमारी, शिवानी कुमारी, मानसी कुमारी, मयूरी, राकेश कुमार, रुपेश कुमार, मोना कुमारी, सुशांत कुमार आदि उपस्थित थे।

पटना संग्रहालय को बचाने हेतु 6 फरवरी को पटना में होगा आंदोलन, खगड़िया से 15 समाजसेवी लेंगे भाग : किरण देव

16 फरवरी को डीएम के सामने किसान मजदूर - ट्रेड यूनियन के द्वारा किया जाएगा देशव्यापी धरना प्रदर्शन सभा

प्रात: किरण, संवाददाता

खगड़िया। देश बचाओ अभियान का बैठक सदर अस्पताल चौक अवस्थित संपर्क कार्यालय में हुआ, जिसकी अध्यक्षता संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव ने किया। बैठक में 6 फरवरी 2024 को पटना पुराना संग्रहालय को बचाने हेतु धरना प्रदर्शन सभा में खगड़िया से 15 सामाजिक कार्यकर्ता भाग लेने, 16 फरवरी 2024 को संयुक्त किसान मोर्चा व ट्रेड यूनियन के देशव्यापी हड़ताल आह्वान पर जिलाधिकारी के समक्ष आहूत धरना प्रदर्शन सभा में अधिक संख्या में भाग लेने, मानसी में राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शीर्ष किसान नेता कक्का जी के आगमन पर विशाल किसान सभा का आयोजन करने, छात्र नौजवान मजदूर किसान महिला आमजन विरोधी केंद्रीय बजट के विरोध में धरना प्रदर्शन सभा करने तथा इंटर की परीक्षा में प्रथम दिन बड़ी संख्या में अनुपस्थित वंचित छात्र-छात्राएं पूरे बिहार में हजारों छात्र तथा खगड़िया में लगभग 500 छात्र को पुनः परीक्षा लेने, डीएम के समक्ष विगत एक सप्ताह से अनशन पर बैठे जितेंद्र कुमार का मांग पूरा करने, 52 कोठारी 53 द्वारा का जीर्णोद्धार करने एवं जिले में सभी विरासत धरोहर को संरक्षण संवर्धन एवं सर्वांगीण विकास करने का निर्णय लिया गया। बैठक में देश बचाओ अभियान के महासचिव उमेश ठाकुर, संयोजक मधुबाला सचिव धर्मेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष कालेश्वर ठाकुर, संयुक्त सचिव गुड्डू ठाकुर, उपाध्यक्ष डॉ कमल किशोर यादव , मुरली कुमार, लाल मुनी सदा, दिनेश शाह, चंद्रहास यादव, तितली भारती, राम सुचित पासवान, गायत्री देवी, मुन्ना रजक आदि ने भाग लिया। इधर, धरोहर विरासत बचाओ अभियान के आहूत आंदोलन को वासुदेव विधाता, रंजीत कुमार, मनोज मिश्रा, राहुल कुमार, विजय सिंह, बिप्लब रणधीर, संजय गुप्ता, गौतम गुप्ता, अमरेश यादव, प्रफुल्ल चंद्र घोष आदि दर्जनों सामाजिक कार्यकताओं ने समर्थन किया है एवं आंदोलन तेज करने पर बल दिया।

स्वच्छता कर्मियों के द्वारा साफ सफाई का अभियान चलाया गया

प्रात: किरण, संवाददाता

सिकंदरा शनिवार को सिकंदरा प्रखंड के महादेव सिमरिया पंचायत में स्वच्छता कर्मियों के द्वारा साफ सफाई का अभियान चलाया गया। बता दें कि महादेव सिमरिया पंचायत में स्वच्छता पर्यवेक्षक दशरथ कुमार के नेतृत्व में विभागीय आदेश के आलोक में साफ सफाई का अभियान चलाया गया। इस दौरान महादेव सिमरिया पंचायत के विभिन्न जगहों पर साफ सफाई का कार्य किया गया। साफ सफाई के कार्य में सभी स्वच्छता कर्मियों का अहम योगदान रहा। इस दौरान महादेव सिमरिया पंचायत के लोगों से स्वच्छता पर्यवेक्षक दशरथ कुमार ने निवेदन करते हुए अपील किया कि सभी घरों से कचरा का उठाव किया जा रहा है। इसके एवज में यूजर चार्ज 30 प्रति माह प्रति घरों से जमा करने का अनुरोध किया है। इस दौरान स्वच्छता पर्यवेक्षक दशरथ कुमार, मोहम्मद आजाद, सरवन मांझी, महेंद्र मांझी, अश्वनी कुमार, राजू मांझी, मोहम्मद इम्तियाज, भूषण सिंह, शनिचरा मांझी, चुनमुनिया देवी, शारदा देवी सहित कई स्वच्छता कर्मियों के द्वारा साफ सफाई का कार्य किया गया।

बैजनाथपुर में प्रतिबंधित कोरेक्स कफ सिरप जब्त, वाहन चालक व खलासी गिरफ्तार

प्रात: किरण, संवाददाता

सौरबाजार/सहरसा- बैजनाथपुर पुलिस ने शुक्रवार की देर संध्या को गुप्त सूचना पर सौर बाजार से बैजनाथपुर आ रही ट्रक को पुलिस ने जब्त कर पुलिस शिविर ले जाया गया जहां जांच पड़ताल के बाद ट्रक से 8 सौ बोतल प्रतिबंधित कोरेक्स कफ सिरप बरामद हुआ। पुलिस शिविर अध्यक्ष अरमोद कुमार ने बताया कि शुक्रवार की देर संध्या को गुप्त सूचना मिली थी कि सौर बाजार से बैजनाथपुर लाल रंग का ट्रक बीआर 01जी एन 2958 आ रही हैं जिस ट्रक में ट्रांसपोर्ट का माल लोड था उसी ट्रांसपोर्ट के माल के बीच में 8 सौ प्रतिबंधित कोरेक्स कफ सिरप जिसका कुल मात्रा 80 लीटर बरामद हुआ साथ ही वाहन चालक वैशाली जिला के महुआ थाना अंतर्गत कन्हौली विशन पाली निवासी अमरेश कुमार के पुत्र नीरज कुमार एवं ताजपुर निवासी रमेश शर्मा के पुत्र राजकुमार शर्मा को विधिवत कारवाई करते हुए न्यायिक के हिरासत में भेज दिया गया।

सम्पादकीय

विकसित भारत दूर की कौड़ी

अंतरिम बजट को ह्यविकसित भारतह्ल की संभावनाओं का दस्तावेज मान कर विश्लेषण किए गए हैं। वर्ष 2047 अभी बहुत दूर है। अभी भारत की कुल अर्थव्यवस्था 3.7 ट्रिलियन डॉलर की है। विकसित राष्ट्र के लिए सिर्फ अर्थव्यवस्था का बढ़ा ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि देश के लोगों की जीवन-शैली, जीवन-स्तर, आधुनिक शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी और तकनीकी सुविधाएं और सुधार और व्यापक रोजगार आदि भी बेहतर दर्जे के होने चाहिएं। फिलहाल शिक्षा पर औसतन 3.8 फीसदी और स्वास्थ्य पर मात्र 1.3 फीसदी ही खर्च किया जाता है। अर्थशास्त्री लंबे अंतराल से दलीलें देते रहे हैं कि जीडीपी का कमोबेश 6-6 फीसदी हिस्सा इन क्षेत्रों पर खर्च किया जाना चाहिए। इनके अलावा, कृषि की औसत विकास-दर मात्र 1.8 फीसदी रह गई है, जबकि कोरोना महामारी के दौर में भी यह 3 फीसदी से अधिक थी। हमारी जीडीपी में कृषि की 18-20 फीसदी भागीदारी है, लेकिन अभी एक वैश्विक रपट सामने आई है, जिसका एक निष्कर्ष यह भी है कि दुनिया की 54 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से भारत एकमात्र ऐसा देश है, जिसमें किसानों की खेती वर्ष 2000 से लगातार घाटे में है। अंतरिम बजट में भी 1.27 लाख करोड़ रुपए से कुछ अधिक की राशि कृषि मंत्रालय को आवंटित करने की घोषणा की गई है। यह एक छिपा-दबा तथ्य है कि फसल बीमा का बजट 2.7 फीसदी, अन्नदाता संरक्षण का बजट 21 फीसदी, यूरिया सबसिडी का बजट 7.5 फीसदी घटा दिया गया है। किसान और खेती तो प्रधानमंत्री मोदी के फोकस वाले चार वर्गों में से एक हैं। विशेषज्ञ मौजूदा दौर को ह्यकृषि का संकट कालह्ल मानते हैं। वित्त मंत्री बजट कम करने का कारण बता देतीं, तो हम विचार कर सकते थे। बहरहाल भारत का जो जीडीपी है और विकास-दर 7 फीसदी के आसपास रही है, तो भी हमारी अर्थव्यवस्था 2030 तक दोगुनी नहीं हो सकती। अर्थशास्त्रियों के विश्लेषण हैं कि विकास-दर कमोबेश 11-12 फीसदी लगातार रहनी चाहिए। यदि गति ऐसी नहीं रहती है, तो 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य तक पहुंचने में 10 साल लग सकते हैं। फिर विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के समीकरण खटाई में पड़ सकते हैं। ह्यविकसित भारतह्ल का सपना मीठा और सुखद लगता है, इस पर राजनीतिक प्रचार भी खूब किए जा सकते हैं, लेकिन हमारे सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक आधार वर्ष 2024 तक ऐसे हैं, जिनके मद्देनजर ह्यविकसित देशह्ल का यथार्थ फिलहाल दूर की कौड़ी लगता है। दरअसल हमारा बजट घाटे का है। यह स्थिति जुलाई के पूर्ण और आम बजट में भी रहेगी। वित्त मंत्री ने यह खुलासा भी नहीं किया कि देश पर लगभग 200 लाख करोड़ रुपए का जो कर्ज है, वह कम कैसे होगा? या उसके भुगतान का अर्थव्यवस्था पर कितना असर पड़ रहा है? बजट में कुल खर्च का अनुमान 44 लाख करोड़ रुपए से अधिक का बताया गया है, जबकि राजस्व की आय 32 लाख करोड़ रुपए से कुछ ज्यादा हो सकती है। दोनों के बीच जितना फासला है, वह सालाना घाटा ही होगा। वित्त मंत्री ने वित्तीय और राजकोषीय घाटों को उल्लेख किया है। वे जीडीपी के 5 फीसदी हिस्से से भी ज्यादा हैं, जो चिंताजनक स्थिति है। बजट में 2025 तक घाटों को 4.5 फीसदी तक लाने की घोषणा की गई है। यदि ये आर्थिक असंतुलन दूर नहीं किए जाते, तो ह्यविकसित राष्ट्रह्ल का सपना साकार कैसे होगा? बजट में मोटे तौर पर रोजगार और नौकरियों के विषय पर बिल्कुल सन्नाटा है। बेरोजगारों के लिए रोडमैप नहीं है।

विपक्षी दलों की साख दाव पर

योगेंद्र योगी

गत वर्ष नवंबर में हुए विधानसभा चुनाव में तीन राज्यों में जीत हासिल करने के बाद यह स्पष्ट हो गया था कि केंद्र की भाजपा सरकार भ्रष्टाचार को लेकर विपक्षी दलों के नेताओं को बख्शेगी नहीं। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जमीन घोटाले में हुई गिरफ्तारी से यह बात साबित हो गई। आश्चर्य यह है कि विपक्षी दल सोरेन की गिरफ्तारी पर भाजपा पर राजनीतिक विद्वेषता से कार्रवाई करने का आरोप तो लगा रहे हैं, किन्तु यह एक बार भी नहीं बताया कि देश से भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए उनके पास क्या रोडमैप है। जिन राज्यों में विपक्षी दलों का शासन है, उनमें भ्रष्टाचार के खिलाफ क्या ठोस कदम उठाए गए हैं। इसके विपरीत केंद्र की भाजपा सरकार को समझ में आ गया है कि देश के मतदाता भ्रष्टाचार के खिलाफ उसकी मुहिम के समर्थन में हैं। कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने केंद्र की भाजपा सरकार को भ्रष्टाचार के आरोपों में घेरने की काफी कोशिश की, किन्तु कामयाबी नहीं मिल सकी। फ्रांस से खरीदे युद्धक विमान राफेल, अडानी और अंबानी को लेकर विपक्ष ने केंद्र सरकार पर कई आरोप लगाए। इन आरोपों को लेकर विपक्षी दलों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका तक दायर की। सुप्रीम कोर्ट ने इन्हें सारहीन मान कर खारिज कर दिया। इससे भाजपा का नैतिक बल बढ़ गया। भाजपा ने भ्रष्टाचार की मुहिम को तेज करने के साथ ही सोरेने जैसे नेताओं के खिलाफ गिरफ्तारी की कार्रवाई की। विपक्ष भ्रष्टाचार पर बदले की नीयत का आरोप लगा रहा है, किन्तु प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा नेताओं की गिरफ्तारी के ज्यादातर मामलों में अदालतों से जमानत तक नहीं मिल सकी। इससे जाहिर होता है कि ईडी और सीबीआई ने ठोस सबूतों के आधार पर कार्रवाई की है। तृणमूल कांग्रेस और आप सहित कई पार्टियों के नेता जमानत नहीं मिलने के कारण महीनों-सालों से जेलों में बंद हैं। अदालतों ने यह माना है कि इन नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार में लिप्त होने के पर्याप्त सबूत मिले हैं। यही वजह है कि इनको जमानत नहीं मिल सकी, ताकि सबूतों और गवाहों को प्रभावित नहीं किया जा सके। गौरतलब है कि कांग्रेस सहित 14 दलों ने ईडी और सीबीआई पर दुर्भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में जांच एजेंसियों को लेकर भविष्य के लिए दिशानिर्देश जारी करने की मांग की गई थी। विपक्षी दलों का तर्क था कि 2013-14 से 2021-22 तक सीबीआई और ईडी के मामलों में 600 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ईडी की ओर से 121 राजनीतिक नेताओं की जांच की गई है, जिनमें से 95 प्रतिशत विपक्षी दलों से हैं। सीबीआई की ओर से 124 जांचों में से 95 प्रतिशत से अधिक विपक्षी दलों से हैं। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि विशेष मामले के तथ्यों के बिना सामान्य दिशानिर्देश निर्धारित करना संभव नहीं है। सीजेआई ने कहा कि जब आपके पास व्यक्तिगत आपराधिक मामला हो तो हमारे पास वापस आएं। मामले के तथ्यों से संबंध रखे बिना सामान्य दिशा-निर्देश देना खतरनाक होगा। इस पर विपक्षी दलों ने याचिका वापस ले ली। ज्यादातर विपक्षी दलों के नेताओं को जमानत नहीं मिलने और सुप्रीम कोर्ट से विपक्षी दलों को मिली हार के बाद भाजपा के हौसले बुलंद हो गए। यही वजह है कि विगत विधानसभा चुनाव और उसके बाद सार्वजनिक तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह सहित कई वरिष्ठ भाजपा नेता भ्रष्टाचार के खिलाफ हुंकार भरते रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री सोरेन की गिरफ्तारी के बाद विपक्षी दलों के कई बड़े नेताओं पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद खतरे की घंटी सबसे तेज तो दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आसपास ही बज रही है। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले का सामना कर रहे हैं। इस मामले में ईडी ने केजरीवाल को चार समन भेजे हैं, लेकिन वो अभी तक केंद्रीय जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए हैं। केंद्रीय एजेंसियों की रडार पर करीब एक दर्जन से अधिक विपक्षी नेता हैं। देर-सवेर इनका भी बच पाना मुश्किल है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी पर मनी लॉन्ड्रिंग का मामला है। आरोप है कि रेवंत जब टीडीपी में थे, तो उन्होंने साल 2015 में विधान परिषद के चुनाव के दौरान अपने पक्ष में वोट देने के लिए एक विधायक को कथित तौर पर पचास लाख रुपए रिश्वत के तौर पर दिए थे। आंध्र प्रदेश के चीफ मिनिस्टर और वाईएसआर कांग्रेस के मुखिया जगन मोहन रेड्डी पर भी प्रवर्तन निदेशालय की नजर है। उन पर यूपीए शासन के दौरान ही कई मामले दर्ज हो गए थे। ईडी ने जगन मोहन के खिलाफ 2015 में मनी लॉन्ड्रिंग का नया मामला दर्ज किया था। यह मामला जगन के स्वामित्व वाली भारती सीमेंट्स के पैसों के लेने-देन के आरोप से जुड़ा है। मौजूदा समय में वामदल की सरकार सिर्फ केरल में बची है और वहां भी राज्य के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के खिलाफ ईडी मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच कर रही है। मामला विजयन के बिजली मंत्री रहने के दौरान का है। सीबीआई ने 1995 में एसएनसी लवलिन केस में चार्जशीट दायर की थी। यह मामला इडुक्की में जलविद्युत परियोजनाओं के आधुनिकीकरण के लिए कनाडाई फर्म एसएनसी लवलिन को दिए गए अनुबंध में कथित भ्रष्टाचार से जुड़ा है।

कैंसर नियंत्रण की दिशा में उठाने होंगे बड़े कदम

जागरूकता बढ़ाकर, शिक्षा को बढ़ावा देकर, दूसरों को नैतिक रूप से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करके और कैंसर के खिलाफ लड़ाई में समर्थन देकर ऐसे लोगों का जीवन बचाना है जिसे रोका और ठीक किया जा सकता है। एकजुट होकर और कार्म करके हम इस बीमारी से हमारे स्वास्थ्य, हमारी अर्थव्यवस्था और एक समाज के रूप में हमारी आत्माओं पर पड़ने वाले असर को कम कर सकते हैं। कैंसर दुनियाभर में मौत का प्रमुख कारण बना हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार 2020 में लगभग एक करोड़ लोगों की मौत कैंसर से हुइ थी। जिसमें ब्रेस्ट और लंग कैंसर के सबसे अधिक मामले सामने आए थे। डब्लूएचओ के अनुसार दुनिया भर में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने से कैंसर के कारण होने वाली मौतों की संख्या को 30-50 प्रतिशत तक कम करने में मदद मिल सकती है। कैंसर की चुनौती से निपटने का सबसे अच्छा तरीका इस मुद्दे के बारे में लोगों से बातचीत शुरू कर के जागरूकता बढ़ायी जाये। तभी कैंसर जैसी जावलेवा बिमारी से लोगों की जीवन रक्षा की जा सकेगी।

रमेश सर्राफ धमोरा
स्वतंत्र पत्रकार

कैंसर एक ऐसी बीमारी है जिसका नाम सुनते ही घबराहट होने लगती है। कैंसर से पीड़ित व्यक्ति बीमारी से अधिक तो कैंसर के नाम से डर जाता है। जिस व्यक्ति को कैंसर होता है वह तो गंभीर यातना से गुजरता ही है उसके साथ ही उसका परिवार को भी बहुत कष्टमय स्थिति में गुजरना पड़ता है। जानलेवा होने के साथ ही कैंसर की बीमारी में मरीज को बहुत अधिक शारीरिक पीड़ा भी झेलनी पड़ती है। कैंसर की बीमारी इतनी भयावह होती है जिसमें मरीज की मौत सुनिश्चित मानी जाती है। बीमारी की पीड़ा व मौत के डर से मैरिज घुट-घुट कर मरता है।

कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसकी रोकथाम, पहचान और उपचार को प्रोत्साहित करने के लिए 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है। विश्व कैंसर दिवस का जन्म 4 फरवरी 2000 को पेरिस में न्यू मिलेनियम के लिए कैंसर के खिलाफ विश्व शिखर सम्मेलन में हुआ था। विश्व कैंसर दिवस का प्राथमिक लक्ष्य कैंसर और बीमारी के कारण होने वाली मौतों को कम करना है। 1933 में अंतर्राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण संघ ने स्विट्जरलैंड में जिनेवा में पहली बार विश्व कैंसर दिवस मनाया था।

यह दिवस कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने, लोगों को शिक्षित करने, इस रोग के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए दुनिया भर में सरकारों और व्यक्तियों को समझाने तथा हर साल लाखों लोगों को मरने से बचाने के लिए मनाया जाता है। 2014 में इसे विश्व कैंसर घोषणा के लक्ष्य 5 पर केंद्रित किया गया है। जो कैंसर के कलंक को कम और मिथकों को दूर करने से संबंधित है।

दुनिया भर में हर साल एक करोड़ से अधिक लोग कैंसर की बीमारी से दम तोड़ते हैं। जिनमें से 40 लाख लोग समय से पहले (30-69 वर्ष आयु वर्ग) मर जाते हैं। इसलिए समय की मांग है कि इस बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ कैंसर से निपटने की व्यावहारिक रणनीति विकसित करनी चाहिये। 2025 तक कैंसर के कारण समय से पहले होने वाली मौतों के बढ़कर प्रति वर्ष एक करोड़ से अधिक होने का अनुमान है। यदि विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2025 तक कैंसर के कारण समय से पहले होने वाली मौतों में 25 प्रतिशत कमी के लक्ष्य को हासिल किया जाए तो हर साल 15 लाख जीवन बचाए जा सकते हैं।

अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा कैंसर मरीज भारत में है। 2020 में 1.93 करोड़ नए कैंसर मरीज सामने आए हैं। जिनमें 14 लाख से अधिक भारतीय हैं। इतना ही नहीं भारत में सालाना बढ़ते कैंसर मामलों के चलते 2040 तक इनकी संख्या में 57.5 फीसदी तक की बढ़ोतरी होने की आशंका है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के अनुसार देश में कैंसर के मामलों की संख्या 2022 में 14.6 लाख से बढ़कर 2025 में 15.7 लाख होने का अनुमान है। जिसके लिए सरकार को चिकित्सा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की जरूरत है। तभी समय पर कैंसर मरीजों की जांच से पहचान कर सही उपचार कर देकर उनकी जान बचाई जा सकती है।

नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने कहा है कि देश के अधिकांश क्षेत्रों में कैंसर की सही निगरानी नहीं हो पा रही है। जिस कारण अधिकांश मामलों में बीमारी का देरी से पता चल रहा है। देश के सभी शोध केंद्रों को पत्र लिख आईसीएमआर ने कैंसर की जांच और निगरानी को आसान बनाने के लिए प्रस्ताव मांगे हैं। देश के सभी जिलों में कैंसर निगरानी और जांच को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान के तहत नई नीति बनाने के लिए आईसीएमआर को जिम्मेदारी सौंपी है। इसके लिए अलग-अलग शोध टीमें गठित होंगी और भौगोलिक व स्वास्थ्य सेवाओं की मौजूदा स्थिति के आधार पर वैज्ञानिक तथ्य एकत्रित किए जाएंगे।

आंकड़े बताते हैं कि भारत में कैंसर से साल 2020 में 7,70,230, 2021 में 7,89,202 और 2022 में 8,08,558 लोगों की मौत हुई है। देश में कैंसर के मामलों की कुल संख्या 2022 में 14,61,427 रही। वहीं 2021 में यह 14,26,447, जबकि 2020 में 13,92,179 थी। सबसे ज्यादा कैंसर के मरीज उत्तर प्रदेश में हैं। यहां 2020 में 2,01,319, 2021 में 2,06,088 और 2022 में 2,10,958 मरीज मिले। वहीं सबसे कम कैंसर मरीज केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में हैं। यहां 2020 में 27, 2021 और 2022 में 28-28 मरीज मिले हैं।

कैंसर रोगों का एक समूह है जो असामान्य कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि और प्रसार से होता है। ये कोशिकाएं ट्यूमर नामक द्रव्यमान का निर्माण कर सकती हैं। जो शरीर के सामान्य कामकाज में हस्तक्षेप कर सकती हैं। जबकि कैंसर किसी को भी प्रभावित कर सकता है। यह पहचानना आवश्यक है कि कुछ जीवनशैली विकल्प, जैसे धूम्रपान, खराब आहार और शारीरिक गतिविधि की कमी, कैंसर के विकास के जोखिम को बढ़ा सकते हैं।

हाल ही में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक फफड़ों का कैंसर (लंग्स कैंसर) सबसे खतरनाक कैंसर हो सकता है। हमारे देश में भी लंग्स कैंसर के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। डॉक्टरों का अनुमान है कि 2023 के आखिर तक करीब 2.38 लाख से ज्यादा लोगों में लंग्स कैंसर मिल सकता है।

विश्व कैंसर दिवस 2024 की थीम है केयर गैप को बंद करें। यह कैंसर देखभाल में वैश्विक असमानताओं को रेखांकित करती है। यह कैंसर के खिलाफ लड़ाई में सभी के लिए समान स्वास्थ्य देखभाल के महत्व पर जोर देते हुए, गुणवत्तापूर्ण उपचार तक पहुंच में अंतर को पाटने के लिए सामूहिक कार्रवाई का आह्वान करता है।

कैंसर का पता लगाने, कैंसर के प्रकार और कारण, डायग्नोस और उपचार में काफी प्रगति हुई है। लेकिन अफसोस की बात है कि दुनिया की ज्यादातर आबादी के पास अभी भी बुनियादी स्वास्थ्य सेवायें नहीं पहुंच पायी है। जिसमें गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की देखभाल, रेगुलर टीकाकरण, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाएं और पुरानी बीमारी का इलाज शामिल है। कैंसर की रोकथाम के बारे में जागरूकता फैलाकर, हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स को ट्रेनिंग देकर, इफेक्टिव कम्यूनिटी बेस्ड प्लान को लागू करके, हम इस बीमारी से बचाव कर सकते हैं।

विश्व कैंसर दिवस दुनिया पर कैंसर के प्रभाव को कम करने के लिए सभी के लिए मिलकर काम करने का एक अवसर है।

अनदेखा नहीं कर सकते शंकराचार्यों की नाराजगी को

इनमें से प्रत्येक भावना अपने तरीके से शोषणकारी है और उन मूल्यों व सिद्धांतों की सराहना नहीं करती है जिनका उल्लेख किया जाता है। उदाहरण के लिए महात्मा गांधी ने बिना किसी हिचकिचाहट के धर्म के साथ राजनीति पर अपने विचारों को अपने प्रवचनों में बताया है। गांधी ने खुले तौर पर राम को अपने भगवान और उद्धारकर्ता के रूप में देखा और राम को एक समावेशी राजनीतिक संभाषण में ले कर आए। उन्होंने कहा- ह्यराम ने... मेरे सबसे अंधेरे समय को रोशन कर दिया है। एक ईसाई को यीशु का नाम जपने से वैसी ही सांत्वना मिल सकती है और अल्लाह का नाम जपने से एक मुस्लिम को वैसी ही तसल्ली मिल सकती है। इन सभी चीजों के समान निहितार्थ हैं और वे समान परिस्थितियों में समान परिणाम उत्पन्न करते हैं, लेकिन (नाम जप की) यह पुनरावृत्ति सिर्फ होंठो की अभिव्यक्ति नहीं होनी चाहिए बल्कि आपके अस्तित्व का हिस्सा होना चाहिए।

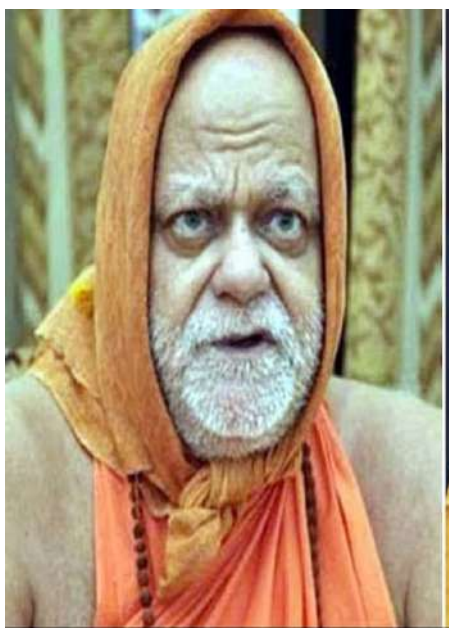

जगदीश रत्तनानी
स्वतंत्र लेखक

मंदिर के उद्घाटन के स्वरूप और वास्तविकता पर उनके बयान राजनीतिक ताकतों के सामने एक ताजा असंतोष लाते हैं जिन ताकतों ने असंतोष को मिटाने के लिए सब कुछ किया है। हमारे यहां राजनीति और धर्म का घालमेल है लेकिन जहां तक वे देश की अच्छी तरह से सेवा करते हैं। ऐतिहासिक रूप से शंकराचार्यों के विचार हमेशा प्रगतिशील नहीं रहे हैं और उन्होंने सामाजिक-धार्मिक सुधारों और सभी जातियों और वर्गों के लिए मंदिर-प्रवेश के मुद्दों पर गांधी की लड़ाई का स्वागत नहीं किया है।

22 जनवरी को राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर भारत के बड़े हिस्से में उत्साहपूर्ण अभूतपूर्व प्रतिक्रियाएं देखने को मिली हैं, तो वहीं दूसरी तरफ आंतरिक विसंगतियों के साथ बड़े धमार्चार्यों- शंकराचार्यों के कड़े विरोध के बीच सदियों पुराने शास्त्रों और हिंदू परंपराओं के उल्लंघन का हवाला दिया गया है। यह समारोह हमारे लिए भगवा झंडों का एक सागर लेकर आया, विशेष रूप से उत्तर भारत में जहां इसने एक राजनीतिक लामबंदी को उजागर किया। जिसने भाजपा और कई अन्य को आश्वासन दिया कि इससे 2024 के राष्ट्रीय चुनावों में पार्टी को अभूतपूर्व लाभ मिलेगा। पहले मंदिर के उद्घाटन का विरोध, शास्त्रों की तकनीकी बातों पर जिक्र, फिर निमंत्रण पर और बाद में समग्र औचित्य और राजनीतिक कब्जे के बड़े मुद्दों पर मतभेद सामने आए जो मंदिर समर्थक व्यापक समूह के भीतर एक साझा समझ और विश्वास के आंतरिक विरोध की ओर इशारा करते हैं। हर कोई उस कमांड-एंड-कंट्रोल ऑपरेशन को पचाने के लिए तैयार नहीं है जिसे भाजपा के रणनीतिकारों ने मंदिर आंदोलन में बदल दिया है। निश्चित रूप से शंकराचार्य भी नहीं जिन्होंने एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर विरोध जताया है। ऐसा महसूस होता है कि भाजपा अपने मतदाताओं से कह रही है- ह्यहमने आपको मंदिर दिया। हम रास्ता जानते हैं। हमारे पीछे चलें और कोई प्रश्न न पूछें।ह्ल राजनीतिक भक्तों की फौज के कई लोग इससे सहमत प्रतीत होते हैं। लेकिन अब जो असहज हैं, वे मानों कहते हैं- ह्यहमने इसके लिए लड़ाई लड़ी और यह वह नहीं है जिस बारे में हमने बातचीत की थी।

उद्घाटन की तारीख, अभिषेक समारोह के केन्द्र में प्रधानमंत्री का होना, शंकराचार्यों के साथ अशोभनीय व्यवहार और बाद में कार्यक्रम में शामिल होने से उनका इंकार, भाजपा समर्थक उद्योगपतियों की उपस्थिति और निमंत्रितों के चयन में धन और शोबिज का प्रदर्शन, भौतिक आडंबर पर ध्यान केंद्रित करना, राजनीतिक उद्देश्य से किए गए उद्घाटन में सुरक्षा बलों के अपरिहार्य अत्यधिक उपयोग को लेकर मंदिर के मुद्दे पर भाजपा के साथ माने जाने वाले लोगों ने भी सवाल उठाए हैं। यह पहली बार नहीं है जब भाजपा का साथ देने वाले दलों ने खुद को अलग-थलग महसूस किया है या भाजपा को भीतरी दुश्मन के रूप में देखा है। भाजपा एक ऐसी ताकत है जो हर कीमत पर अपना विस्तार चाहती है। अगर आपको कोई शक है तो महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और उनकी शिवसेना से पूछिए!

22 जनवरी को राजनीतिक लामबंदी के साथ घुल-मिल चुकी भक्ति के प्रदर्शन में शंकराचार्यों का असंतोष एक महत्वपूर्ण आवाज का प्रतिनिधित्व करता है जो भाजपा और उसके सहयोगियों द्वारा पेश की गई राजनीतिक कहानी के विपरीत है। असहमति की आवाज स्पष्ट, असंदिग्ध और निष्पक्ष है और जो भविष्य के अयोध्या-धाम के लिए अतिशयोक्तिपूर्ण विशेषणों से सज्जित, अतिरंजित दावों के इर्द-गिर्द घूमने वाली बयानबाजी के विपरीत है। शंकराचार्य की दलीलें हालांकि इन अर्थों में भाजपा द्वारा मंदिर आंदोलन पर राजनीतिक कब्जा, संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए आंदोलन को हथियार बनाने और उनके गुस्से के तात्कालिक कारण की ओर इशारा नहीं करती हैं। शंकराचार्यों को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की तारीख, किसी शुभ मुहूर्त, मूर्ति से कुछ लेना-देना नहीं है। आने वाले चुनावों को निगाह में रखकर भाजपा यह सब कुछ कर रही है। शंकराचार्यों ने जोर देकर और दृढ़ विश्वास के साथ बताया है कि चूंकि मंदिर का निर्माण कार्य अभी जारी है और पूरा नहीं हुआ है इसलिए इसका उद्घाटन अभी नहीं किया जा सकता है।

संक्षेप में, शंकराचार्यों की ओर से जो बयान आ रहे हैं उन्होंने भाजपा के उस सपने को तहस-नहस कर दिया है जिस पर भाजपा अपना चुनाव अभियान तैयार करती दिख रही है। इन आलोचकों में ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और पुरी पीठ के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती प्रमुख हैं।

आज की स्थिति के अनुसार इन दृष्टिकोणों का धर्म, परंपरा और नैतिकता में एक मजबूत आधार है लेकिन जरूरी नहीं कि यह एक राजनीतिक बढ़त हो जिससे भाजपा चिंतित हो सकती है। उन वोटों में शंकराचार्य सेंध नहीं लगा सकते हैं जिन्हें भाजपा मंदिर के बदले में भुनाने की उम्मीद करती है। फिर भी शंकराचार्य, उनकी संस्था में सन्निहित वेद और शास्त्रों तथा समझ के प्रारंभ के एक महत्वपूर्ण बिंदु को चिह्नित करते हैं। वे उन लोगों को चुनौती देते हैं जो राजनीतिक पुरस्कारों के लिए वेद और उन की तरह के शास्त्रों और परंपराओं का उपयोग कर रहे हैं।

यह उल्लेखनीय है कि अयोध्या के घटनाक्रम के खिलाफ एक स्पष्ट और मुखर नजरिया भाजपा के राजनीतिक विरोधियों की ओर से नहीं बल्कि धार्मिक नेताओं की ओर से आया है जो स्पष्ट तरीके से अपने तर्क रखते हुए संघर्ष कर रहे हैं।

35वें अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता सम्मेलन की शुरूआत 4 फरवरी से

सौरव नरूला

35वां अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता सम्मेलन 4 से 6 फरवरी तक कृपाल बाग, दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। सावन कृपाल रूहानी मिशन के प्रमुख संत राजिन्दर सिंह जी महाराज की अध्यक्षता में इस वर्ष इस सम्मेलन में प्रेम, मानव एकता और विश्व शांति के सिद्धांतों पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा।

अनेक धर्मों के प्रमुख और विश्व के विभिन्न देशों से आए अनेक प्रतिनिधि इस सम्मेलन में भाग लेकर एक-दूसरे के विचारों को समझते हुए मानव एकता के उद्देश्य को पाने के लिए एकजुट होकर कार्य करेंगे। इस तीन दिवसीय सम्मेलन के दौरान विश्व शांति और मानव एकता पर सेमिनार, प्रतिदिन ध्यान-अभ्यास और आध्यात्मिक कार्यशालाओं के आयोजन के अलावा मुफ्त मोतियाबिन्द ऑपरेशन शिविर और रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। इस सम्मेलन में देश-विदेश से हजारों की संख्या में लोग भाग लेंगे।

यह सम्मेलन प्रतिवर्ष फरवरी के महीने में परम संत कृपाल सिंह जी महाराज ;1894-1974द्ध के जीवन को याद करते हुए 6 फरवरी को उनके जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। परम संत कृपाल सिंह जी महाराज विश्व धर्म संघ तथा मानव एकता सम्मेलन के संस्थापक अध्यक्ष थे। प्रथम मानव एकता सम्मेलन की शुरूआत परम संत कृपाल सिंह जी महाराज द्वारा फरवरी, 1974 में की गई थी।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के दौरान संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में आंतरिक शांति, एकता और करूणा विषय पर अपना प्रभावशाली संदेश दिया। सम्मेलन के दौरान 5 फरवरी को ह्यध्यान-अभ्यास, आंतरिक शांति और एकता का मार्ग तथा 6 फरवरी को ह्य कृपाल-दिव्य प्रेम और करुणा के मसीहाह्ल विषयों पर सेमिनार का आयोजन किया जाएगा।

इस सम्मेलन में सावन कृपाल रूहानी मिशन द्वारा मानव कल्याण हेतु सामाजिक और जरूरतमंद भाई-बहनों के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए जाएंगे। जिसमें 4 फरवरी को 38वें मुफ्त नेत्र जांच और मोतियाबिन्द ऑपरेशन शिविर का आयोजन अमेरिका से आए डॉक्टर्स और आई केयर अस्पताल, नौएडा के सहयोग किया जाएगा। जिससे सैकड़ों की संख्या में भाई-बहनों को आंखों की रोशनी का उपहार प्राप्त होगा। इन शिविरों से आज तक लगभग 15000 आंखों के मरीजों ने लाभ प्राप्त किया है।

इसके अलावा सम्मेलन के दौरान 5 फरवरी को 62वें रक्तदान शिविर का आयोजन कृपाल बाग, दिल्ली में किया जाएगा तथा सावन कृपाल रूहानी मिशन की ओर से दिल्ली के अनेक वृद्ध आश्रमों और कई एन.जी.ओ. में जरूरतमंद मरीजों को व्हील चेयर, टाई साईकिल, क्रचिस के अलावा खाने-पीने की वस्तुएं, दवाईयां और फलों का वितरण किया जाएगा।

पिछले 10 वर्षों के दौरान भारत के नागरिकों ने वित्तीय क्षेत्र में कई सकारात्मक बदलाव देखे हैं। केंद्र सरकार द्वारा प्रयास किया गया है कि भारत में सर्वसमावेशी, सर्वांगीण एवं सर्वस्पर्शी विकास हो। देश में खाद्यान की चिंता दूर हुई है। ग्रामीण इलाकों के प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से लगभग एक करोड़ नए मकान निर्मित किए गए हैं, हर घर नल योजना के माध्यम से ग्रामीण इलाकों में घरों तक पीने का पानी उपलब्ध कराया गया है एवं मातृशक्ति को कूकिंग गैस उपलब्ध कराई गई है। 50 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं ताकि केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ सीधे ही इन बैंक खातों के माध्यम से हितग्राहियों के हाथों में पहुंचे। 80 करोड़ नागरिकों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के अंतर्गत 11.8 करोड़ किसानों को 6,000 रुपए प्रतिवर्ष सम्मान निधि सीधे उनके खातों में जमा की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

अपने कार्य के प्रति जिम्मेदारियों को समझते हुए कर्त्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करें : जिलाधिकारी

गाजियाबाद। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में निर्वाचन कार्यों की समीक्षा बैठक महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में आयोजित की गई। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने उपस्थित अधिकारियों को निर्वाचन सम्बंधित जानकारी देते हुए बताया कि सर्वप्रथम यह जानना जरूरी है कि उन्हें कहा, कब, क्या और किस कार्य के लिए तैयारियां रखनी है सहित तैयार रहना है। अपने कार्य के प्रति जिम्मेदारियों को समझते हुए कर्त्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करें, यदि अपने दायित्वों के निवर्हन में किसी भी प्रकार की समस्या आती है तो हमसे कहें, हम उस समस्या का हल करने में आपकी मद्द करेंगे। सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, खण्ड शिक्षा अधिकारी मतदाता लिस्ट और बूथों की स्वयं जांच करें, कहीं भी किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। लॉयन ऑडर के हिसाब से सम्पूर्ण जांच करते हुए दीवारों, खिड़कियों, बूथ स्थल, आवागमन, बिजली, पानी, टॉयलेट सहित अन्य सुविधाओं सहित अन्य का निरीक्षण करते हुए जांच रिर्पोट पेश करें। लॉयन ऑडर के अनुसार जिन बूथों पर मतदाताओं की संख्या अधिक है उसके लिए अलग बूथ बनाने की व्यवस्था की जाए। सभी बूथों की जांच करते हुए बूथ स्थल पर अपनी फोटो लाटीट्यूड एंड लोंगिट्यूड के साथ खिंचवाते हुए फाईल बनाकर हमें प्रेषित करें। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि पिछले चुनावों में चुनाव ड्युटी में लगे अधिकारी/कर्मचारी की लिस्ट तीन दिन के अन्दर पेश की जाए। सभी अधिकारी चुनाव व्यवस्था को सुचारू रूप से करवाने के लिए अपना पूर्ण सहयोग देगें। इस बार मतदान का प्रतिशत कम नहीं होना चाहिए। उन्होने कहा कि स्वीप टीआईपी के अनुसार कार्य करता है और टीआईपी बूथ की समस्याओं के अनुसार देखते हुए बनाया जाता है। आगामी बैठकों में सम्बंधित अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य है। बैठक में मुख्य रूप से मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, एडीएम ई रणविजय सिंह, एडीएम सिटी गम्भीर सिंह, जीडीए सचिव राजेश, अपर नगर आयुक्त अरूण कुमार, एसडीएम एवं सम्बंधित अधिकारियों सहित जिला सूचना अधिकारी योगेन्द्र प्रताप सिंह मौजूद रहे।

फरीदाबादः हो आया-आया रे सुरजकुंड का मेला...गीत पर जमकर थिरके पर्यटक

फरीदाबाद। सूरजकुंड में चल रहे 37 वें अंतरराष्ट्रीय हस्त शिल्प मेला में हरियाणा के साथ साथ अन्य प्रदेशों के कलाकार भी अपनी लोकशैली के जरिए पर्यटकों का भरपूर मनोरंजन कर रहे हैं। मेला के दूसरे दिन शनिवार को लोक कलाकारों ने शिल्प मेले में पहुंचने वाले दर्शकों का पारंपरिक वेशभूषा में कलाकार परम्परागत वाद्य यंत्रों की सुरीली धुनों से स्वागत किया। इन कलाकारों की वाद्य यंत्रों पर जबरदस्त पकड़ पर्यटको को बरबस ही अपनी ओर आकर्षित कर रही है। मेले में डेरु, बैगपाइपर व ढोल-नगाडों की थाप पर युवक युवतियां ही नहीं, बलिक विदेशी पर्यटक भी जमकर थिरकते नजर आए। जींद जिले से पिछले कई वर्षों से मेला में भाग ले रही कलाकार संजीव की डेरु पार्टी ने जब आया-आया सूरजकुंड का मेला, इस मेले में राम जी आये, माता सीता को भी संग लाए, कोई नहीं रहा अकेला रे, आया-आया सूरजकुंड का मेला, गीत की प्रस्तुति दी, तो माहौल भक्ति मय हो गया। इस गीत पर देश और विदेशी पर्यटक भाव विभोर हो गए और जमकर नृत्य किया। मेला को लेकर युवा पीढ़ी में जोश देखते ही बन रहा है, युवा पीढ़ी में भी प्राचीन समृद्ध संस्कृति के प्रति अपार प्रेम नजर आ रहा है तथा इन सांस्कृतिक कलाकारों की धुनों पर युवाओं के पैर थिरकने लगते हैं। मेला परिसर में जगह-जगह पारम्परिक वेशभूषा से सुसज्जित ऐसी सांस्कृतिक टोलियां लोगों का खूब मनोरंजन कर रही हैं। मेला परिसर में करनाल निवासी रामकेश की छह सदस्यीय बैगपाइपर पार्टी की धुन पर युवतियां थिरकती नजर आई। यह पार्टी मोरबीन, चिमटा, सेट्रम तथा डूबी आदि वाद्य यंत्रों की सुरीली धुनें बिखेर कर लोगों का मनोरंजन कर रही हैं। वहीं लीडर संजीव कुमार के नेतृत्व में कलाकार प्रवीण, सुरेंद्र, अनिल, बलिंद्र और बिट्ठू आदि ने दिनभर मेले में जगह जगह पर्यटकों का खूब मनोरंजन किया।

अयोध्या में भगवान राम और कन्नौज में आंबेडकर का विरोध करती है सपा : योगी आदित्यनाथ

- मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ समाजसेवी, उद्योग व्यापार के साथ राष्ट्रवादी मिशन के लिए जीवन समर्पित करने वाले ओम प्रकाश पाठक और भाजपा के वरिष्ठ नेता बनवारी लाल दोहरे को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की

प्रात: किरण, संवाददाता

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि आज अगर समाजवादी पार्टी (सपा) की सरकार होती तो अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर नहीं बन पाता। उन्होंने कहा कि सपा के लोग अयोध्या में भगवान राम का और कन्नौज में आंबेडकर का विरोध करते हैं लेकिन डबल इंजन की सरकार, जहां एक तरफ विकास कार्यों को तेज गति से पूरा करती है वहीं आस्था का सम्मान भी करती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अशोक नगर स्थित केके इंटर कॉलेज के बोर्डिंग ग्राउंड में जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कन्नौज को 351 करोड़ रुपए की 59 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कन्नौज के सांसद सुब्रत पाठक के पिता ओम प्रकाश पाठक की पांचवीं पुण्यतिथि पर नमन किया। उनकी याद में सांसद द्वारा प्रतिवर्ष दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग और ट्राईसाइकिल दिये जाने की मुख्यमंत्री ने प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांगजनों को अगर समाज और सरकार से समर्थन मिले तो बड़ी से बड़ी उपलब्धि भी उनके कदमों में होती है। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ समाजसेवी, उद्योग व्यापार के साथ राष्ट्रवादी मिशन के लिए जीवन समर्पित करने वाले ओम प्रकाश पाठक और भाजपा के वरिष्ठ नेता बनवारी लाल दोहरे को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कन्नौज के गौरवमयी इतिहास की चर्चा करते हुए महाराज हर्षवर्धन को याद किया। उन्होंने कहा कि महाराज हर्षवर्धन अपनी दानवीरता के लिए जाने जाते हैं, जिन्होंने प्रयागराज के कुंभ को भव्यता प्रदान की। महाराज हर्षवर्धन ने कन्नौज से ही देश में रामराज्य की अवधारणा को पूरा किया था। आज एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 500 साल के देश को मिटाकर भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण पूरा कर लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कन्नौज की जनता को अयोध्या आकर भगवान राम मंदिर में दर्शन करने निमंत्रण भी दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में भी कन्नौज को योग्य जनप्रतिनिधि का चुनाव करना है, जो उनके सुख-दु:ख में सहभागी बने और शासन की योजनाओं को जन जन तक बिना भेदभाव के पहुंचाए। मुख्यमंत्री ने सांसद सुब्रत पाठक की प्रशंसा करते हुए कहा कि एक अच्छा सांसद आपकी आवाज संसद में उठाता है। आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा कार्यकाल में बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के नाम पर संचालित कन्नौज के मेडिकल कॉलेज का नाम बदल दिया गया। उन्होंने कहा कि सपा को ना जाने क्यों बाबा साहेब से चिढ़ है। एक ओर सपा कार्यकर्ता अयोध्या में भगवान श्रीराम का विरोध करते हैं तो वहीं दूसरी तरफ कन्नौज में बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर का तिरस्कार करते हैं। समाजवादी पार्टी वोट तो जाति के नाम पर लेती है लेकिन काम केवल परिवार के लिए करती है। उन्होंने आश्वस्त किया कि कन्नौज मेडिकल कॉलेज का नाम फिर से बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर के नाम पर किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कन्नौज के इत्र व्यापारियों को भी भरोसा दिलाया कि सरकार हमेशा उनके साथ है। इत्र के कारोबार में तकनीकि, पैकेजिंग, मार्केटिंग और एक्सपोर्ट के लिए बेहतरीन वातावरण तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कन्नौज में स्पोर्ट्स स्टेडियम के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों से जल्द से जल्द प्रस्ताव भेजने के लिए कहा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को मकान की चाबी और प्रमाणपत्र प्रदान किया। इस दौरान प्रदेश सरकार में मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, असीम अरुण, सांसद सुब्रत पाठक, देवेन्द्र सिंह भोले, विजय कुमार दुबे, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रिया शाक्य, विधायक कैलाश सिंह राजपूत, अर्चना पांडेय, पूनम संखवार, भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया, प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा रामचंद्र कनौजिया सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

आईआईएम के गुरुजी अपर जिलाधिकारियों को सिखाएंगे आपदा प्रबंधन के गुर

लखनऊ, एजेंसी

लखनऊ। यूपी सरकार प्रदेश के सभी जिलों के अपर जिलाधिकारियों (एडीएम) को महामारी, बाढ़, सूखा, अतिवृष्टि, वज्रपात जैसी आपदाओं से निपटने और इसके उचित प्रबंधन में निपुण बनाने के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन करने जा रही है। यह शिविर तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों के 25-25 एडीएम को प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिविर में जलवायु परिवर्तन, संवेदनशीलता और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र के आईआईएम समेत विभिन्न प्रमुख संस्थानों के एक्सपर्ट प्रशिक्षण देंगे। सरकार पहले चरण में आईआईएम लखनऊ में 6 और 7 फरवरी को शिविर का आयोजन करने जा रही है, जिसमें 25 एडीएम प्रतिभाग करेंगे। शिविर को चार अलग-अलग सेशन में विभाजित किया गया है। अपर मुख्य सचिव (राजस्व) सुधीर गर्ग ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी का आपदाओं से होनी वाली जनहानि को न्यूनतम करने पर खास फोकस है। इसी का नतीजा है कि पिछले साढ़े छह साल में प्रदेश में बाढ़ समेत अन्य आपदाओं से होने वाली जनहानि को काफी कम किया गया है। आपदाओं से निपटने और उसके उचित प्रबंधन के लिए प्रदेश के सभी जिलों के एडीएम का प्रशिक्षण कराने का निर्णय लिया गया है। गर्ग ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर में एक्सपर्ट द्वारा अधिकारियों को नई प्रबंधन तकनीक, हाईटेक टेक्नोलॉजी के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन में नये अवसरों की जानकारी दी जायेगी। प्रशिक्षण शिविर को प्रदेश के वर्तमान जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रतिक्रिया को देखते हुए डिजाइन किया गया है। इसी के तहत आईआईएम लखनऊ में दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में जलवायु परिवर्तन और संवेदनशीलता, आपदा प्रबंधन, राहत लॉजिस्टिक्स, स्टेकहोल्डर प्रबंधन, डिजिटल पहल और डिजाइन थिंकिंग के उपयोग जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी। इससे अधिकारियों को जिला स्तर पर नीति, प्रबंधन और क्रियान्वयन तंत्र को समझने में मदद मिलेगी। आईआईएम लखनऊ के प्रोफेसर एस वेंकटरमैया ने बताया कि शिविर के जरिये अधिकारियों को जलवायु संवेदनशीलता और आपदा प्रबंधन में टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल, चुनौतियों और जोखिमों की समझ विकसित करने में मदद मिलेगी। शिविर के पहले सत्र में आईआईएम लखनऊ के प्रोफेसर ऑफ स्ट्रेटजिक मैनेजमेंट नीरज द्विवेदी, दूसरे सत्र में उत्तर प्रदेश सरकार के सीनियर ऑफिशियल्स, तीसरे सत्र में इंटेलेक्ट चेन्नई के सीईओ डॉ. अरुण जैन और चौथे सत्र में प्रसाद उन्नीकृष्णन और कोच्चि के जीटी भरत सम्मिलित होंगे। दूसरे दिन पहले सत्र में प्रसाद उन्नीकृष्णन और जीटी भरत, दूसरे-तीसरे और चौथे सत्र में आईआईएम लखनऊ के प्रो. एस वेंकट शामिल होंगे।

राष्ट्रीय इण्टर कॉलेज जब्दा के प्रधानाचार्य एवं प्रवक्ता सम्मानित

प्रात: किरण, संवाददाता

अमरोहा। जे एस हिंदू इंटर कॉलेज में शनिवार को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित जनपद अमरोहा के गौरव दोनों विद्वान शिक्षक पवन कुमार त्यागी प्रधानाचार्य राजकीय इण्टर कॉलेज, एवम ऋषिपाल सिंह, प्रवक्ता, राष्ट्रीय इण्टर कॉलेज जब्दा का माल्यार्पण, अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर स्वागत एवं सम्मान किया तथा उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई। विद्यालय के लिए गौरव की बात है कि दोनों राज्यपाल पुरुस्कार से सम्मानित शिक्षक साथी जेएस हिंदू इंटर कॉलेज अमरोहा के इण्टर के पुरातन छात्र हैं। प्रधानाचार्य डॉक्टर जीपी सिंह ने दोनों साथियों के लिए उज्ज्वल भविष्य एवं स्वस्थ जीवन की कामना की है। इसके साथ साथ आज विद्यालय इकाई द्वारा उ0 प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ जनपद अमरोहा के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का विद्यालय में प्रथम बार आगमन पर बुके और माला पहनाकर स्वागत भी किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के प्रबंधक अनिल स्वरूप टण्डन, दिवेश बाहेती, सलिल नाथ, माध्यमिक शिक्षक संघ जनपद अमरोहा से प्रदेश के सदस्य अतुल शर्मा, जिलाध्यक्ष गुरनाम सिंह, जिलामंत्री बालक राम, कोषाध्यक्ष कृष्णपाल सिंह, प्रधानाचार्य दिनेश चिकारा, प्रधानाचार्य डॉ0 धर्म सिंह, डॉ0 गीतेश अग्रवाल, सुरेन्द्र सिंह, डॉ0 बबलू सिंह, डॉ0 राजवीर सिंह, शैलेश पंकज, डॉ0 राजेश राजपूत, सुधीर गुप्ता, अनिल कुमार, डॉ0 शिव शंकर यादव, लल्लू सिंह, डॉ0 वीरेंद्र शुक्ल, शम्भू नाथ कश्यप, मधुलिका गुप्ता, मनोज गौड़, डॉ0 नरेश कुमार, करतार सिंह, पुष्पेंद्र यादव, राधेश्याम, अवधेश कुमार, राजवीर सिंह, श्यामधार पाल, अंकित कुमार, प्रशांत कुमार, सावित्री देवी, रीता ढिल्लों, अतुल कुमार, राजीव सिंह, राजेश कुमार, कृष्ण गोपाल, राहुल कुमार, नैंसी, विदुषी,कुमेर, प्रमोद, वाशिंगटन, नीरज, आदि समस्त स्टाफ मौजूद रहा।कार्यक्रम का संचालन डॉ0 राजवीर सिंह और अनिल कुमार ने किया।

दिल्ली से चोरी की बाइक के साथ दो गिरफ्तार

लखनऊ, एजेंसी

गोविंदपुरी क्षेत्र में पुलिस ने चेकिंग के दौरान चोरी की बाइक के साथ दो चोरों को गिरफ्तार किया है। बरामद बाइक चोरों ने दिल्ली से चोरी की थी। पुलिस के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर गोविंदपुरी क्षेत्र में वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान गाजियाबाद की तरफ से आ रही एक बाइक को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने बाइक को वापस मोड़ ली। पीछा कर पुलिस ने बाइक को पकड़ लिया। पूछताछ करने पर आरोपियों ने बताया कि वह बाइक उन्होंने कुछ दिन दिल्ली यमुना विहार से चोरी की थी। बाइक को कोई पहचान न पाए, इसके लिए फर्जी नंबर प्लेट लगा दी थी। बाइक बेचने की फिराक में थे, लेकिन कोई ग्राहक नहीं मिल रहा था।

श्री वेंकटेश्वरा के स्कूल ऑफ नर्सिंग में नवप्रेशित छात्र-छात्राओ के लिए फ्रेशर पार्टी का आयोजन

नर्सिंग क्षेत्र में ट्रैण्ड प्रोफेशनल्स तैयार कर रहा है वेंक्टेश्वरा समूह- डॉ॰ राजीव त्यागी

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा/गजरौला। राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/संस्थान में स्कूल ऑफ नर्सिंग में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओ के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम अनूगूंज-2024 अका शानदार आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान प्रबन्धन एवं प्रशासन ने नवॉन्तुक नर्सिंग छात्र-छात्राओ का स्वागत करते हुए उन्हे अपने अन्तर्राष्ट्रीय डिमाण्ड के अनुरूप तैयार करने की शपथ दिलाते हुए देश सेवा में जुडने का आवहान किया। इस अवसर पर पुराने छात्र-छात्राओ ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर समारोह को यादगार बना दिया। समूह चेयरमैन डॉ॰ सुधीर गिरि ने सभी नवप्रवेशित नर्सिंग छात्र-छात्राओ को नये सुनहरे भविष्य की शुभकामनाऐं देते हुए उनसे अपना शत्-प्रतिशत देते हुए देश सेवा में जुड़ने का आवहान किया।वेंक्टेश्वरा संस्थान के सी.वी. रमन सभागार में आयोजित अनूगूंज-2024 कार्यक्रम का शुभारम्भ चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि, प्रधान सलाहकार प्रो॰ वी॰ पी॰ एस॰ अरोड़ा, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, सी॰ ई॰ ओ॰ अजय श्रीवास्तव, प्रतिकुलपति डा॰ राकेश यादव एवं नर्सिंग प्रिंसीपल डॉ॰ ऐना ऐरिक ब्राउन आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। इसके बाद नर्सिंग के छात्र/छात्राओं ने चक दे इण्डिया, आयो रे, आयो रे, आयो रे महारो ढोलना एवं ह्यह्यओ मैं तो तेरी, मैं तो तेरी, मैं तो तेरी हो गई, सजन मेरे सत्रंगियाह्यह्य जैसे पंजाबी एवं राजस्थानी गीतों पर जमकर नृत्य करते हुये धूम मचा दी। इसके साथ ही ह्यह्यफैशन का है ये जलवाह्यह्य गीत पर रैम्प-वॉक कर सभी को तालियाँ बजाने पर मजबूर कर दिया। अपने सम्बोधन में समूह चेयरमैन डॉ॰ सुधीर गिरि ने कहा कि नयी शिक्षा नीति बहुत ही शानदार है जिसमें सभी क्षेत्रो के युवाओ के लिए ढेरों रोजगार की सम्भावनाऐं निहित हैं, लेकिन नर्सिंग जैसा पुनीत एवं मानवीय सेवा जैसा कोई दूसरा प्रोफेशन हो ही नहीं सकता। नर्सिंग प्रोफेशनल्स का रोल किसी भी मायने में चिकित्सक से कमतर नहीं है। वेंक्टेश्वरा समूह पिछले एक दशक में विभिन्न क्षेत्रों में हजारो स्किल्ड नर्सिंग प्रोफेशनल्स तैयार कर चुका है। ये बडे गौरव की बात है कि संस्थान के नर्सिंग प्रोफेशनल्स युवा आज देश एवं दुनिया के विभिन्न हॉस्पीटल्स/स्वास्थय संस्थानो में कार्य कर रहे है। लेकिन बदलते परिवेश में हमें युवाओ की नयी शिक्षा नीति के अनुरूप राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय जरूरतों के हिसाब से प्रशिक्षित करना होगा ताकि ये युवा राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय मंचो पर अपनी प्रभावी उपस्थित दर्ज कर सके। प्रतिकुलाधिपति डॉ॰ राजीव त्यागी ने कहा कि पिछले एक दशक में भारतीय युवाओ ने विशेष रूप से नर्सिंग/पैरामेडिकल एवं मेडिकल्स प्रोफेशनल्स ने शानदार तरीके से काम करके भारत का गौरव बढाने का काम किया है। हम अपने यहां प्रवेशित नर्सिंग छात्र-छात्राओ को एक सफल एवं सुरक्षित करियर देने के लिए प्रतिबद्ध है। अनूगूंज-2024 कार्यक्रम को प्रधान सलाहकार डॉ॰ वी॰ पी॰ एस॰ अरोड़ा, कुलपति प्रो. अनिल कुमार शुक्ला, प्रतिकुलपति डा॰ राकेश यादव, कुलसचिव डॉ॰ पीयूष पाण्डेय, संयुक्त कुलसचिव डॉ॰ राजेश सिंह ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर मेरठ परिसर से डॉ॰ प्रताप सिंह, सी॰ एफ॰ ओ॰ विकास भाटिया, डॉ॰ दिव्या गिरधर, डॉ॰ लक्ष्मण सिंह, डॉ॰ तेजपाल सिंह, डॉ॰ विवेक सचान, डॉ॰ मोहित शर्मा, मारूफ चौधरी, मंजरी राणा, अनुष्का, रूविना, संजीव कुमार, रश्मि राणा, पूजा ऐरी, नीमा विष्ट, प्रतिभा, रीना नेगी, हरप्रीत कौर, हिमानी, सुमनदीप, पूजा कुमारी, जुनैद, पूजा सिजवाली एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

बाइक सवार की सड़क हादसे में मौत

प्रात: किरण, संवाददाता

गाजियाबाद। राजनगर एक्सटेंशन के वीवीआईपी मॉल में नौकरी करने वाले बाइक सवार की सड़क हादसे में मौत हो गई। मृतक के पिता ने नंदग्राम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, मृतक अजय वीवीआईपी मॉल में नौकरी करता था, जबकि मुरादनगर में रहता था। वह ड्यूटी खत्म होने के बाद बाइक से घर लौट रहा था। मृतक के पिता कृष्णपाल ने बताया कि उनका बेटा अजय कुमार की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा अज्ञात वाहन की बाइक में टक्कर लगने से हुआ था। एसीपी नंदग्राम का कहना है कि आरोपी वाहन चालक को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है।

मामूली बात पर दबंगों युवक को पीटा

लखनऊ, एजेंसी

लोनी थाने की जमालपुरा कॉलोनी निवासी इमरान ने बताया कि गुरुवार शाम चार बजे घर के सामने खाली प्लॉट में कुछ बच्चे गिल्ली-डंडा खेल रहे थे। इसी दौरान उनकी गिली एक मकान में चली गई। बच्चे तो मौके से फरार हो गए, लेकिन वह वहीं खड़ा रहा। इस पर मकान से कई युवक पहुंचे और उसके साथ बिना वजह मारपीट करने लगे। विरोध पर उसे जान से मारने की धमकी देकर चले गए। पीड़ित ने आदिल और उसके साथियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर दी है।

कमेटी के नाम पर 8.40 लाख रुपये महिला लेकर फरार हो गई

लखनऊ, एजेंसी

कमेटी के नाम पर एक व्यक्ति से 8.40 लाख रुपये लेकर महिला फरार हो गई। पीड़ित करीब ढाई साल से चक्कर लगाते रहे। डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटील से शिकायत के बाद थाना साहिबाबाद में रिपोर्ट दर्ज की गई है।शालीमार गार्डन एक्सटेंशन दो में रहने वाले सदाशिव पाठक ने बताया कि निजी कंपनी से रिटायर होने के बाद उन्होंने जनकपुरी की पुष्पा चौहान के पास 2018 में कमेटी डालनी शुरू की थी। जून 2021 में 8.40 लाख रुपये मिलने थे, जिसके कुछ समय बाद ही बेटी की शादी तय कर रखी थी। मगर पुष्पा मकान आदि बेचकर फरार हो गई। इस कारण वह बीमार पड़ गए। पुलिस अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। इस कारण उन्हें अपना मकान बेचना पड़ा। पिछले दिनों पता चला कि आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जिसके बाद वह दोबारा शिकायत लेकर पहुंचे। डीसीपी का कहना है कि केस दर्ज कर लिया है। छानबीन कर आगे की कार्रवाई करेंगे।

लाल कृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिए जाने के फैसले पर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने बधाई दी

लखनऊ, एजेंसी

लखनऊ। भारत सरकार ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संस्थापक सदस्य और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न देने की घोषणा की, जिसपर खुशी जाहिर करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस फैसले को आडवाणी के अद्वितीय प्रयासों को सम्मान प्रदान करने वाला करार दिया। मुख्यमंत्री योगी ने एक्स पर लाल कृष्ण आडवाणी को बधाई दी और कहा, भाजपा के संस्थापक सदस्य, असंख्य कार्यकताओं के प्रेरणास्त्रोत एवं पूर्व उपप्रधानमंत्री आदरणीय लाल कृष्ण आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने का निर्णय, उनके सार्वजनिक जीवन में दशकों की सेवा, प्रतिबद्धता और राष्ट्र की अखंडता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता तथा राजनैतिक जीवन में शुचिता व नैतिकता के उच्च मानक स्थापित करने वाले उनके अद्वितीय प्रयासों को सम्मान प्रदान करने वाला है। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक पुनरुत्थान की दिशा में किए गए उनके अथक प्रयास हम सभी के लिए अद्वितीय प्रेरणा के स्रोत हैं। आदरणीय आडवाणी को हार्दिक बधाई।ह्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को लालकृष्ण आडवाणी को देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न से सम्मानित किया जाने की घोषणा की थी।

सहारनपुर में पुलिस मुठभेड़ में बदमाश गिरफ्तार, 18 से ज्यादा मामले दर्ज

लखनऊ, एजेंसी

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के बेहट थाना पुलिस और दो बदमाशों के बीच शनिवार तड़के मुठभेड़ हुई। इसमें एक बदमाश गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि, दूसरा बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। आरोपी पर 18 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। देहात पुलिस अधीक्षक सागर जैन ने बताया कि बेहट थाना की पुलिस दाऊदपुरा गांव के पास पुलिया पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान उन्होंने बिना नंबर की मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्तियों को रूकने का इशारा किया। लेकिन, दोनों भागने लगे। बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग भी की। जवाबी करवाई में एक बदमाश अब्दुल सत्तार उर्फ काना गोली लगने से घायल हो गया। हालांकि, एक अन्य बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस फरार बदमाश की तलाश कर रही है। बदमाश के कब्जे से एक तमंचा, एक खोखा, दो जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस ने बिना नंबर की मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली। गिरफ्तार बदमाश के खिलाफ 18 से ज्यादा मामले दर्ज हैं।

यूपी के बदायूं में फंदे से लटकता मिला महिला जज का शव

लखनऊ, एजेंसी

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं में शनिवार को सरकारी आवास में महिला जज ज्योत्सना राय का शव फंदे से लटका मिला। इसकी जानकारी होने पर पुलिस-प्रशासन में हड़कंप मच गया। मौके पर डीएम-एसएसपी समेत तमाम अधिकारी पहुंच गए। बदायूं के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि जज ज्योत्सना राय शनिवार को जब न्यायालय नहीं पहुंचीं। उनके आवास का दरवाजा अंदर से बंद था। जब दरवाजा नहीं खुला तो उनके कर्मचारियों ने पुलिस और कंपाउंड में रहने वाले अन्य जजों को बताया, इससे तत्काल सभी लोग मौके पर पहुंच गए। मौके पर पहुंचने पर उनका दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजा तोड़ा गया, तो कमरे में पंखे से लटकता हुआ शव बरामद किया। घटनास्थल से कुछ कागजात मिले हैं, जिसकी पड़ताल की जा रही है। अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सपा ने जो आचरण दिखाया है, वो निंदनीय है : ब्रजेश पाठक

लखनऊ, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने राज्यपाल के अभिभाषण पर सपा द्वारा किए गए विरोध पर निशाना साधा है। उन्होंने सपा को अराजकतावादी पार्टी बताया है। उन्होंने कहा कि यह लोग अपने स्वरूप को आज तक बदल नहीं पाए हैं। ब्रजेश पाठक शनिवार को यूपी विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्यपाल सरकार के कामकाज का लेखा-जोखा जनता के सामने पेश कर रही थीं। इस दौरान जो सपा ने आचरण दिखाया है, वो निंदनीय है। उन्होंने कहा कि राज्य में सपा को लोगों ने कई बार खारिज कर दिया है। लेकिन, वह अराजकता पर जोर दे रहे हैं। यह एक बजट सत्र है, बजट प्रस्तुत किया जाएगा और राज्य का संपूर्ण विकास सुनिश्चित किया जाएगा। गरीबों, महिलाओं, किसानों और युवाओं का ख्याल रखा जाएगा। हमारी सरकार आम लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए लगातार काम कर रही है और हमें इसमें सफलता भी मिल रही है।

दलित मुस्लिम साथ आएंगे कांग्रेस का राज लाएंगें, 41 की दहाड़ करेगी बेढ़ा पार : सलीम सैफी

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के निर्देश पर टारगेट 41 के अंतर्गत जय जवाहर, जय भीम, भाजपा भगाओ, संविधान बचाओ अभियान कार्यक्रम दलित और अल्पसंख्यक क्षेत्रों में 2 फरवरी से 12 फरवरी तक चलाया जाएगा। आज जिला अल्पसंख्यक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सलीम अहमद (सैफी) और महानगर अध्यक्ष वली हसन ने संयुक्त रूप से जय जवाहर जय भीम अभियान की शुरूआत संविधान निमार्ता बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की। जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग गाजियाबाद जनपद में दलित बस्तियों में घर-घर जाकर दस हजार पैंपलेटों का वितरण करेंगे। अभियान को प्रतिदिन बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी को नमन करते हुए शुरू किये जाने की जानकारी मीडिया को दी। दलित-मुस्लिम साथ आएंगे.... कांग्रेस का राज लाएंगे..... 1- उत्तर प्रदेश में मुस्लिम 20 प्रतिशत हैं और दलित 21 प्रतिशत जो कुल मिलाकर 41 प्रतिशत होते हैं। 2- सन 2014 में भाजपा को 31 प्रतिशत और सन 2019 में 37 प्रतिशत वोट मिला था। यानि सिर्फ. मुस्लिम और दलित साथ आ जाएं तो भाजपा बुरी तरह हार जाएगी। इसी के साथ जब दलित और मुस्लिम के कांग्रेस में आते ही अन्य जातियाँ भी साथ आ जायेंगी। 3- सन 1989 तक मुसलमान और दलित एक साथ कांग्रेस को वोट करते थे तब तक पूरे देश में भाजपा के सिर्फ.2 ही सांसद होते थे। 4- सरकार बनाने के लिए 272 सीटें चाहिएं। 2019 में भाजपा को 303 सीटें मिली थीं। उसके घटक दलों को 50 सीटें मिली थीं। ये घटक दल बहुमत के करीब पहुंचने वाली किसी पार्टी के साथ चले जाते हैं। शिव सेना अब भाजपा को छोड़कर इंडिया गठबंधन में आ गई है। 5- यानी भाजपा अगर 30 सीटें भी हारती है तो उसकी सरकार नहीं बन पाएगी। महाराष्ट्र, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना में कुल 180 सीटें हैं और भाजपा यहां 20 सीट के अंदर निपटने जा रही है। 6- इन राज्यों के मुसलमान और दलित एक तरफा कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के साथ हैं।

संक्षिप्त खबरें

बेरोजगार नौजवानों को स्वालंबी बनाने के लिए उद्योग एवं बैंकों के साथ बैठक संपन्न

कैमूर भभुआ। जिलाधिकारी कैमूर सावन कुमार के अध्यक्षता में उद्योग विभाग अंतर्गत प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) एवं प्रधानमंत्री खाद्य उन्नयन योजना(पीएमएफएमई) से संबंधित समीक्षात्मक बैठक सम्पन्न हुआ। बैठक में समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने यह पाया कि पीएमईजीपी एवं पीएमएफएमई योजना अंतर्गत इस जिले की प्रगति अपेक्षाकृत काफी धीमी है। जिला प्रबंधक, उद्योग केंद्र द्वारा बताया गया कि इस योजना को सफल बनाने हेतु बैंकों से अपेक्षित सहयोग प्राप्त नहीं हो रहा है। जिलाधिकारी ने जिले के अग्रणी बैंक प्रबंधक, कैमूर को सभी बैंकों से संबंध में स्थापित कर उक्त योजना अंतर्गत प्रगति लाने हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिया। जिला प्रबंधक, उद्योग केंद्र को जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक के साथ सतत समन्वय हेतु निर्देश दिया। बैठक में जिला प्रबंधक उद्योग केंद्र, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, सभी बैंक शाखों के प्रबंधक सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

भोजपुर में नाबालिग से गैंगरेप का मामला गरमाया

भोजपुर। भोजपुर में नौवीं की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म मामले में आज परिजनों का गुस्सा फूटा। गुस्साए परिजनों सड़क जाम कर दिया और जमकर नारेबाजी की। सड़क जाम के कारण शहर के मुख्य बाजार जेल रोड में आवागमन ठप्प हो गया है। परिजनों ने भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार यादव के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया है कि भोजपुर पुलिस के दबाव से पीड़ित नाबालिक का बयान बदला जा रहा है। पीड़ित को महिला थानाध्यक्ष अंशु कुमारी के द्वारा बयान बदलने के लिए बार टॉर्चर किया जा रहा है, जिससे नाराज परिजनों ने आरा शहर का मुख्य बाजार जाम कर दिया है। परिजनों ने भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार यादव पर गंभीर आरोप लगाए है। बता दें कि बीते 1 फरवरी की रात भोजपुर जिले के गिधा ओपी क्षेत्र के एक गांव में नाबालिक लड़की के साथ गांव के ही युवकों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया था। घटना के तीन दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक अपराधियों को नहीं पकड़ा गया है। जिसको लेकर आज परिजनों ने सड़क जाम कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं।

बिजली चोरी में जुर्माना सहित प्राथमिकी दर्ज

नावानगर (बक्सर) डुमरांव बिजली एसडीओ राकेश कुमार दुबे के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा बुढ़ाइला गांव में छापेमारी अभियान चलाया गया। जिसके तहत चन्द्रमणि सिंह, पिता रामअवतार सिंह को टोका फसाकर आटा मिल का संचालन करते पकड़ा गया। इसको लेकर एसडीओ बिजली द्वारा उसके विरुद्ध नावानगर थाना में जुर्माना लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज करा दी है। इसकी पुष्टि करते हुए एसडीओ ने बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी बुढ़ाइला गांव में गलत तरीके से बिजली उपयोग करने की सूचना मिली। जिसकी सूचना पर तत्काल जेई विपिन किशोर, मानव बल संतोष गुप्ता, अवनीश कुमार और राहुल कुमार के साथ छापेमारी की गई छापेमारी में चन्द्रमणि सिंह को टोका फसाकर आटा मिल संचालन करते पकड़ा गया इसको लेकर आटा चक्की संचालक पर 252913 का जुर्माना लगाया गया है।

अमझोर के सर्किल इंस्पेक्टर उदय बहादुर हुए निलंबित

सासाराम (रोहतास) जिला क्षेत्र के अमझोर के सर्किल इंस्पेक्टर उदय बहादुर को शाहाबाद के डीआईजी नवीन चंद्र झा ने बालू माफिया से सांठगांठ के आरोप में निलंबित कर दिया है। बता दे की एक वीडियो क्लिप वायरल हुआ था। जिसमें अमझोर के सर्किल इंस्पेक्टर उदय बहादुर किसी बालू कारोबारी से पैसे की लेनदेन से संबंधित बातचीत कर रहे थे। शाहाबाद रेंज के डीआईजी ने इस ऑडियो क्लिप की जांच कराई।

दिनदहाड़े पीएनबी सीएसपी बैंक से अपराधियों ने 2 लाख 70 हजार लूटा

डेहरी (रोहतास) अनुमंडल क्षेत्र डेहरी के आयरकोठा थाना थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े पंजाब नेशनल बैंक के कस्टमर सर्विस पॉइंट को लूट फरार हो गए। बताया जाता है कि तीन की संख्या में आए अपराधियों ने सीएसपी सेंटर के अंदर घुसकर 2 लाख 70 हजार रु कैश लूट लिए तथा शटर बंद कर भाग निकले। इस दौरान सीएसपी के संचालक को बंदूक दिखाकर भयभीत कर दिया। सूचना मिलते ही डेहरी के एएसपी शुभांक मिश्रा दल बल के साथ मौके पर पहुंचे तथा छानबीन शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि अपराधी भोजपुरी की तरह भाग निकले।

नगर निगम से बिना इजाजत लिए कैमरा का किया गया भुगतान

आरा। आरा नगर निगम के सभागार में नगर निगम की महापौर इंदु देवी के अध्यक्षता में बैठक की गई। बैठक में नगर आयुक्त निरोज कुमार भगत, उप नगर आयुक्त मनोज कुमार व सिटी मैनेजर ओम प्रकाश सहित कई वार्ड पार्षद मौजूद थे। नगर निगम के सभागार में विकास से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की गई। पिछले बैठक के कार्रवाई की संपुष्टि की गई। मुख्य रूप से नगर आयुक्त के खिलाफ निंदा प्रस्ताव का मामला सदन में हंगामा होता रहा। नगर निगम के तहत शहर में चल रहे सरकारी दुकानों से 20 प्रतिशत बढ़ाने के चर्चा की गई, सभी दुकानदारों का किराया में बढ़ोतरी किया जाएगा। वार्ड 40 के पार्षद राजीव कुमार ने कहा कि सशक्त स्थाई समिति एवं बोर्ड को ताखपर रखकर अनियमितता करते हुए नगर आयुक्त ने एक बार ढाई करोड़ और एक बार डेढ़ करोड़ रुपए का भुगतान बिना बोर्ड के अनुमति लिए भुगतान कर दिया गया है, जबकि वर्ष 2016 में हाई कोर्ट के आदेश के बाद नगर आवास विभाग के सचिव अमृतलाल मीणा ने सभी नगर निकायों को पत्राचार किया था, की बिना बोर्ड के अनुमति के कोई भी अधिकारी भुगतान नहीं करेंगे।

बिना पोल व लाइट का लगाया गया कैमरा: कैमरा को लेकर सदन में मामला उठाया गया। आरा शहर में सूची के अनुसार कैमरा लगाना था, जिसमें पोल एवं लाइट के साथ कैमरा लगाना था, बिना लाइट एवं पोल के बदले बिजली के खंभों व अन्य खम्भो के सहारे सीसीटीवी कैमरा नगर आयुक्त के द्वारा लगा दिया गया है।

– वार्ड पार्षद राजीव कुमार

बिना बोर्ड के अनुमति लिए कैमरा का भुगतान हुआ कैसे: आरा नगर आयुक्त को 60 लाख तक ही भुगतान करने का अधिकार है, जबकि 60 लाख से 1 करोड़ तक का कोई भुगतान करना है, तो सशक्त स्थाई समिति से अनुमोदन लेना होता है, उसके ऊपर भुगतान के लिए बोर्ड से अनुमति लेनी होती है, लेकिन नगर आयुक्त के द्वारा सीसीटीवी कैमरा का भुगतान बिना किसी बोर्ड के अनुमति के बिना भुगतान किया गया है।

-वार्ड पार्षद गायत्री देवी

कई वर्षों से एक ही पद पर है बिराजमान निगम कर्मी: नगर निगम में किसी भी कर्मचारी ग्रुप सी व ग्रुप डी का स्थानांतरण का अधिकार सशक्त स्थाई समिति को है, जबकि नगर आयुक्त बार-बार कहते हैं कि यह अधिकार नगर आयुक्त को है, यह अधिकार किसका है या अभी तक मालूम नहीं चल पाया है। कहा कि नगर निगम के कर्मचारी कई वर्षों से एक ही पद पर है, जिस कारण शहर के विकास में बाधा बन रही है। आम नागरिक महापौर को आवेदन देता है तो यहां के कर्मचारी नगर आयुक्त के मनमानी के कारण कार्य नहीं करते हैं।

वार्ड पार्षद अंकित कुमार वर्मा

निगम में बनाई जायेगी वंशावली: वार्ड पार्षद जितेंद्र कुमार ने कहा कि पारिवारिक सूची वंशावली नगर निगम के माध्यम से बनाने की मांग की इसके लिए नगर आयुक्त ने नगर आवास विभाग पटना को पत्राचार किया जाएगा। सम्राट सक्सेना ने कहा कि पूर्व की जितने भी रद्द योजना को पुनः निविदा किया जाए। फैज अहमद ने कहा कि ई-रिक्शा खरीदने पर विचार किया जाए।

मुआवजा को लेकर किसानों ने शनिवार को अनिश्चितकालीन धरना जारी रखा

प्रात: किरण संवाददाता

चांद। प्रखंड में कम मुआवजा को लेकर पीएनसी इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कैम्प स्थल मसोई में काम का विरोध कर रहे किसानों ने 33 वां दिन अनिश्चितकालीन धरना जारी रखा। धरना पर बैठे दर्जनों किसानों ने 6 फरवरी को कंपनी को बोरिया बिस्तर समेटकर चले जाने का अल्टिमेटम दे दिया। प्रखंड में होते हुए चैनपुर भभुआ भगवान पुर एवं रामपुर प्रखंड से गुजर रही है भारत माला परियोजना एक्सप्रेस-वे निर्माण में सैकड़ों किसानों की हजारों बिगहा भूमि अधिग्रहण की जा रही है। भूमि अधिग्रहण करते समय भूमि सुधार उप समाहर्ता एवं भू अर्जन पदाधिकारी के द्वारा बहुत सारी गड़बड़ी की गई है। भूमि अधिग्रहण में 2013 सर्किल रेट पर मुआवजा किसानों को दिया जा रहा है। इसी को लेकर किसान लगातार आंदोलन कर रहे है। पिछले 2 जनवरी से किसान कैम्प स्थल मसोई में अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे हुए हैं। शनिवार को अनिश्चितकालीन धरना में श्याम सुन्दर सिंह अवधेश सिंह राजू सिंह अमित कुमार रंजन अरूण पटेल सचिदानंद सिंह उदय नाथ सिंह कृपा नारायण सिंह रामदहिन कुशवाहा पप्पू चौबे सुनील कुमार जायसवाल अशोक सिंह पटेल आदि दर्जनों किसान शामिल हुए।

वित्त मंत्री द्वारा पेश बजट विकसित भारत की है नई आगाज : डॉ. मनीष

प्रात : किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा गुरुवार को वित्तीय वर्ष 2024-25 का अंतरिम बजट पेश करते ही एनडीए कार्यकर्ताओं सहित देश के लोगों में खुशी दिखी। वहीं इस अंतरिम बजट को लेकर भाजपा प्रदेश शिक्षक प्रकोष्ठ महामंत्री अर्थशास्त्री डॉ० मनीष रंजन ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसके संदर्भ में उन्होंने कहा कि यह पेश बजट देशहित में शानदार बजट है। जिसको देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह बजट पेश कर देश के विकासहित नया सौगात देने का कार्य किया है। जिस बजट में विकसित भारत को समर्पित बताया गया है। साथ ही भारत सरकार के इस बजट में गरीबों को पक्का मकान देने की घोषणा की गई है, जो प्रधानमंत्री के नेतृव में देशहित सराहनीय कदम है। यह बजट महिलाओं, युवाओं, किसानों के साथ मध्यम वर्गीय परिवार के उत्थान में काफी मददगार साबित होगा। इसके साथ ही बिहार विधानसभा में बहुमत साबित के बाद बिहार का बजट एनडीए की डबल इंजन की सरकार को विकास कार्य की मजबूती प्रदान करेगी।

बेखौफ चोरों ने गैस कटर से एटीएम ही काट दिया, फिर लाखों रुपये लेकर फरार हो गए

प्रात : किरण संवाददाता

भोजपुर जिले के गड़हनी थाना क्षेत्र अन्तर्गत आरा-सासाराम पथ पर गड़हनी मोड़ स्थित एसबीआई बैंक के एटीएम बूथ को गुरुवार की देर रात अज्ञात अपराधियों ने निशाना बनाया। अपराधियों ने गैस कटकर मशीन से एटीएम को काटकर छह लाख 90 हजार रुपये नकद चुरा लिए। इस दौरान इमरजेंसी अलार्म सिस्टम से भी पुलिस को सूचना नहीं मिली। किसी को इसकी भनक भी नहीं लगी।

स्थानीय लोगों द्वारा इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पुलिस एटीएम में लगे CCTV कैमरे में कैद वीडियो के जरिए पहचान करने और उनकी गिरफ्तारी में जुट गई है। इस मामले में कैश लोड करने वाली एजेंसी के अधिकारी सिद्धार्थ ने अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी कराई है। ATM में दो दिन पहले 11 लाख रूपए लोड किए गए थे। करीब चार लाख की निकासी हुई थी।

वहीं एसपी प्रमोद कुमार के अनुसार सभी एटीएम में इमरजेंसी अलार्म सिस्टम होता है। बावजूद एटीएम सुरक्षा कंट्रोल रूम से कोई सूचना संबंधित थाना या जिला को नहीं दी गई। ग्रामीण इलाके में इनकी कोई सेफ्टी व्यवस्था नहीं है जो की आरबीआई के दिशानिर्देश के विपरित है। इसके लिए पुलिस इंश्योरेंस कंपनी और उच्चाधिकार को लिख रही है।

एसपी के अनुसार पूर्व में भी आरा पुरानी पुलिस लाइन स्थित एचडीएफसी बैंक के एसटीएम बूथ में छेड़छाड़ कर चोरी करने का प्रयास किया गया था। घटना की सूचना रात में ही तत्काल मिली थी और घटना को विफल कर दिया गया था। लेकिन, यहां पर किसी तरह की सूचना नहीं दी गई।

वहीं इस मामले में रढ प्रमोद कुमार ने बताया कि गुरुवार की रात सदर अनुमंडल अंतर्गत गड़हनी थाना क्षेत्र के आरा-पीरो मार्ग पर स्थित SBI ATM को चोरों द्वारा काट लिया गया। बैंक की सूचना के अनुसार छह लाख 90 हजार रुपए ATM में थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस CCTV फुटेज के आधार पर चोरों की गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन कर दिया गया है। जल्द ही चोरों की गिरफ्तारी की जाएगी।

लालकृष्ण आडवाणी को भारतरत्न देने के निर्णय पर अमरेन्द्र प्रताप सिंह ने खुशी जाहिर की

प्रात : किरण संवाददाता

आरा :वरीय भाजपा नेता, पूर्व उपप्रधानमंत्री, पूर्व गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी जी को भारतरत्न देने के निर्णय पर खुशी जाहिर करते हुए पूर्व कृषि मंत्री सह स्थानीय आरा विधायक

अमरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि इसके लिए माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। भारत के विकास में आडवाणी जी का अहम योगदान है।वे वर्तमान भारतीय राजनीति के युगपुरुष और लौह पुरुष हैं। भाजपा को आगे बढ़ाने में उनका योगदान अविस्मरणीय है।वे हमारे राजनैतिक गुरु है। आज हम अपने आप को धन्य मानता हूं और सुखद पल है कि आडवाणी जी को भारतरत्न दिया जा रहा है। भारतीय राजनीति में उनके योगदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है। इस बार जिन दोनों महानुभावों जननायक कपूरी ठाकुर जी और लालकृष्ण आडवाणी जी को भारतरत्न देने के निर्णय को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को कोटि कोटि धन्यवाद जिन्होंने इनको सम्मान देकर मान-सम्मान बढ़ाया है।

भारतरत्न मिलने पर श्री लालकृष्ण आडवाणी जी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। बधाई देने वालों में नगर अध्यक्ष जीतु चौरसिया, ग्रामीण अध्यक्ष अशोक सिंह, सुशील कुमार मिश्र, मुन्ना सिंह, हैप्पी तिवारी, डॉ संजय सिंह रितेश वर्मा, अजय सिंह, सुगम सहाय, चन्दन विश्वकर्मा, प्रियांशु दीवान, राकेश भाटिया आदि प्रमुख हैं।

थानाध्यक्ष को सम्मानित करते हुए दी गई भावभीनी विदाई

नोखा (रोहतास) स्थानीय थाना परिसर में शनिवार को थानाध्यक्ष का विदाई सह सम्मान समारोह कार्यक्रम राजेंद्र सिंह के नेतृत्व में आयोजित की गई। इस अवसरपर स्थानांतरित हुए थानाध्यक्ष उमेश कुमार को जनप्रतिनिधियों सहित विभिन्न थानों के पदाधिकारियों ने उन्हें फूल-माला पहनाते हुए उन्हें मोमेंटो,अंगवस्त्र, बुके,अटैची सहित अन्य वस्तुओं से सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी। मौके पर उपस्थित प्रखंड व नगर परिषद क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधियों ने थानाध्यक्ष उमेश के कुशल नेतृत्व की चर्चा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बताया कि वह एक कुशल प्रशासक के रूप में अपने कार्यकाल में जनहित में निष्पक्ष न्याय दिलाने का सराहनीय कार्य किया।

दूसरी तरफ इस मौके पर थानाध्यक्ष ने बताया हमारे कार्यकाल में प्रखंड क्षेत्र व नगर क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधियों सहित ग्रामीण जनता का सराहनीय योगदान रहा। जिनकी प्यार से भरी यादों को हमेशा अपने दिल में रखूंगा। दूसरी तरफ समारोह अवसर पर पत्रकारों ने भी उनके प्रशासनिक कार्यकाल की भूरी-भूरी प्रशंसा किया। मौके पर नगर परिषद सभापति राधेश्याम सिंह, उपसभापति धनजी सिंह, मुखिया संघ अध्यक्ष दयानंद सिंह, जदयू नेता माखन चौधरी, वार्ड पार्षद सुनीता गुप्ता, संजय यादव, गोरख कुमार चंद्रवंशी सहित समस्त पंचायत जनप्रतिनिधि व ग्रामीण लोग उपस्थित थें।

जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने प्रेस वार्ता कर बजट केन्द्र सरकार के विकास कार्यो को बताया

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने आरा परिसदन मे प्रेस वार्ता कर अंतरिम बजट के महत्वपूर्ण तथ्यो के साथ केन्द्र सरकार के विकास कार्यो की विस्तृत चर्चा की।

सांसद सिग्रीवाल ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दिशा निर्देश से वितमंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद पटल पर अंतरिम बजट को रखी। यह बजट मोदी जी के दस वर्षो के विकास कार्यो का परिणाम है। यह बजट प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करनेवाला है।प्रधानमंत्री जी ने किसानों, गरीबो,महिलाओं, युवायो का विकास कर विकसित दैश के लक्ष्य को पूरा करना चाहते है।केन्द्र सरकार की सारी योजनाएँ गरीब कल्याण और महिलाओं, युवायो, किसानो के लिए है।दस सालो मे ऐसा काम हुआ है,जिसे लोगो ने कभी सोचा भी नही था।पहले गरीबी हटाओ के नारे लगते थे,लेकिन गरीबी के जगह गरीब ही हट जाते थे।आज केन्द्र सरकार की गरीब कल्याण योजनाओ मे कोरोना काल मे मुफ्त वैक्सीन, सभी को पाँच किलो का मुफ्त अनाज,सभी गरीबो के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना से घर,सभी के लिए आयुष्मान योजना के तहत पाँच लाख तक का मुफ्त ईलाज के साथ 25 करोड़ परिवारों को गरीबी रेखा से हटा कर एपीएल मे रखा गया।सबकी आमदनी बढी।महिलाओं के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने उज्जवला योजना के तहत गैस सिलेंडर और चुल्हा वितरण कर उन्हे धुआं रहित और स्वास्थ्यवर्धक बनाया।इस बजट मे महिलाओं की आमदनी बढाने के लिए लाखपति दीदी की संख्या बढाने का लक्ष्य रखा गया है।जीविका और आशा दीदीओ को भी आयुष्मान कार्ड बनाया जाएगा।जीविका दीदी द्रोण उड़ाकर आमदनी बढाने के साथ खेती मे बढोतरी करेगी।नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद मे पास कर केन्द्र सरकार ने नारी सशक्तिकरण को मजबुत किमा है।अब राजनीतिक क्षेत्र मे भी महिलाओं की अधिक भागीदारी रहेगी। युवाओ के लिए मोदी सरकार ने रोजगार और आत्मनिर्भर बनने के लिए स्किल डेवलपमेंट और स्टार्टअप इंडिया योजना को धरातल पर उतारा है,जिससे देश के युवा विभिन्न क्षेत्रो मे विशेषज्ञ बन रहै है और देश को आत्मनिर्भर बनाने मे अपना योगदान देंगे। उन्होने कहा कि आज देश बहुत तेजी से विकास कर रहा है।हम आज रक्षा क्षेत्र मे भी आत्मनिर्भर बन गए है।आज विश्व के सभी देश भारत के सामने नतमस्तक हो रहे है। प्रधानमंत्री जी के कर कमलो से अयोध्या मे रामलला विरजमान हुए और देश राममय बना। आज हम आयातक ही नही निर्यातक देश बन गए है।अभी हम विश्व के पाँचवी अर्थव्यवस्था है और अगले 2024 काल मे तीसरी अर्थव्यवस्था वाले देश बन जाएँगे।हम विकसित भारत की ओर अग्रसर है।

वहीं विधानपार्षद निवेदिता सिंह ने कही कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम को केन्द्र सरकार ने पारित कर देश के आधी आबादी को सशक्त बनाने का कार्य की है।इस सरकार ने महिलाओं के लिए ऐसा कार्य किए हे,जो अभी तक किसी सरकार ने सपने मे भी मे नही सोंचा था। आज देश की महिलाएँ अपने आप को गर्वान्वित महसुस कर रही है और सभी क्षेत्रों मे अपना महत्वपूर्ण योगदान दे कर देश को विकसित बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है। कार्यक्रम मे जिलाध्यक्ष दुर्गा राज,मिथिलेश कुशवाहा,मीडिया प्रमुख संजय कुमार सिंह,उदय प्रताप सिंह,हरेन्द्र पांडैय आदि थे।

प्रशिक्षण के उपरांत तकनीक व कौशल बच्चों के काम आये : वी.आनंद कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। स्थानीय बी.एस.डीएवी. प.स्कूल, मिल रोड में कल से आरंभ दो दिवसीय शिक्षण संवर्धन कार्यशाला आज संपन्न हुई। डीएवी सी.ए.ई.दिल्ली के मार्गदर्शन में डीएवी.प.स्कूल्स बिहार प्रक्षेत्र के कुल आठ विद्यालयों के लगभग साढे तीन सौ शिक्षक-शिक्षिकाओं ने आयोजित प्रशिक्षण कार्य में हिस्सा लिया। विदित हो कि डीएवी अपने शिक्षक-शिक्षिकाओं के लिए सी.बी. एस.ई.के मानकों के अनुरूप वर्ष में दो बार इस तरह का आयोजन करता है। आयोजित कार्यशाला में एलिमेंट्री एजुकेशन डेवलपमेंट प्रोग्राम(ई. ई.डी.पी.) के तहत नर्सरी और कक्षा एक-दो की शिक्षिकाओं का प्रशिक्षण विशेष रहा। खेल गतिविधि आधारित शिक्षण शैली को केंद्र में रखकर दिए जा रहे इस प्रशिक्षण में सबकी तल्लीनता बनी रही। दूसरी ओर कला, मानवीकी, विज्ञान, समाज विज्ञान, गणित, कम्प्यूटर आदि के प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों द्वारा 'कर के सीखने' और 'कबाड़ से जुगाड़' थीम पर गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। सभी विषयों-संभागों में ऑडियो-वीडियो और नवीन तकनीकों का प्रयोग भी उत्सुकता से सीखा-सिखाया गया। आयोजित क्षमता संवर्धन कार्यशाला के समापन समारोह को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय पदाधिकारी वी.आनंद कुमार ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को नवाचार से लैस होकर कक्षाओं में आधुनिक परिवर्तन लाने का आह्वान किया।

शिक्षण शैली को तकनीक व कौशल युक्त बनाकर शिक्षण प्रविधि को समृद्ध करने की अपील की सभी प्रशिक्षकों को शॉल और पुस्तक देकर सम्मानित करते हुए मेजबान प्राचार्या नीशू जायसवाल ने शुभकामनाएँ दी। कार्यशाला सफल रही।

एमडीजे स्कूल निदेशक डॉ. जीडी सिंह की मनी 11वीं पुण्यतिथि

प्रात : किरण संवाददाता

नावानगर (बक्सर) प्रखंड क्षेत्र के एमडीजे पब्लिक स्कूल लोहई टोला अमरपुरी सोनवर्षा में विद्यालय के पूर्व निदेशक स्व० डॉ० जीडी सिंह की 11वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर सर्वप्रथम विद्यालय के निदेशक डॉ नंदकुमार सिंह के द्वारा उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। तत्पश्चात विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा गायत्री मंत्र गाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं के द्वारा क्रमबद्ध रूप से उन्हें श्रद्धा सुमन भी अर्पित किए गए। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए विद्यालय के निदेशक डॉ० नंद कुमार सिंह ने बताया की डॉक्टर जीडी सिंह शिक्षा जगत के महान पुरोधा थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन शिक्षा को समर्पित कर दिया।उन्होंने अपने जीवन काल में सभी गरीब एवं असहाय बच्चों को पढ़ने लिखने में काफी मदद की और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का काम किया। वे दूरसंचार मंत्रालय भारत सरकार के निदेशक के पद को भी सुशोभित करने का काम किया था। उनकी द्वारा लिखी पुस्तक राजभाषा हिंदी और माटी की सुगंध हम सबों को आज भी प्रेरित करती है। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय शिक्षक मुन्ना कुमार ने किया। मौके पर प्राचार्य एके घोष समेत विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ उपस्थित रहे।

गांव चलो अभियान कार्यशाला का भाजपा ने किया आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

काराकाट (रोहतास) बीजेपी काराकाट मंडल द्वारा शनिवार को जयश्री व गोडारी में गांव चलो अभियान की सफलता के लिए एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। अध्यक्षता जयश्री में मंडल अध्यक्ष ललित मोहन सिंह व गोडारी में भाजपा नगर अध्यक्ष विनोद पासवान ने किया । कार्यक्रम की शुरूआत डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दीप प्रज्वलित कर की गई । कार्यशाला को संबोधित करते हुए ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष नवीनचंद शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी को तीसरी बार पीएम बनाने के लिए गांव चलो अभियान के तहत कार्यकर्ता हर घरों तक केंद्र सरकार के कार्यो व योजनाओं को जाकर प्रचारित प्रसारित करें। गोडारी कार्यशाला में विशेष रूप से बूथ प्रभारियों को बूथ कमिटी बनाने, व्हाट्सएप ग्रुप, सरल एप से जोड़ने का काम करने का आग्रह किया गया। तथा छोटी-छोटी बैठकें कर कर्यकताओं को अपना बहुमूल्य 50 दिन पार्टी कार्यो के लिए देने के लिए प्रेरित किया गया। वही 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प के साथ पंचायत स्तर पर हर गांव का विकास कैसे हो इस पर विशेष रूप से जोर दिया गया। साथ ही गांव के विभिन्न संगठनों, वर्तमान और पूर्व जनप्रतिनिधियों से मिल कर काम करने को कहा गया। कार्यशाला में पंकज पांडेय, श्रीकांत गिरी, बिनोद सिंह, विंध्याचल सिंह, अलिल राय, लोकेश किशोर पांडेय, ओम प्रकाश सिंह, ददन पांडेय, आनंदी साह शामिल थे।

भाजपा का गांव चलो अभियान कार्यशाला का आयोजन

राजपुर (रोहतास) प्रखंड क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी का गांव चलो अभियान को लेकर मंडल स्तरीय कार्यशाला राजपुर पंचायत के मुखिया रंजु देवी के आवास स्थित संपन्न हुई। जिसमें मुख्य रूप से सासाराम के जिला महामंत्री सह गांव चलो अभियान रोहतास जिला प्रभारी विजय सिंह उपस्थित रहे साथ में राजपुर मंडल प्रभारी उमाशंकर प्रसाद उपस्थित रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता राजपुर प्रखंड अध्यक्ष दीपक गुप्ता एवम संचालन महामंत्री लक्ष्मण पाठक ने किया। बैठक के संबोधन में जिला महामंत्री सह कार्यक्रम प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि गांव चलो अभियान की कार्यशाला में विशेष रूप से बूथों पर प्रवासी जो बनेंगे उनके लिए जो कार्यकारणी कार्य है।

अपराधियों ने घर में घुस फायरिंग करते हुए मांगी रंगदारी

काराकाट (रोहतास) थाना क्षेत्र के दहीयाड़ी गांव में शुक्रवार की रात घर मे घूंसकर मारपीट कर एक लाख रंगदारी मांगने तथा हवाई फायरिंग करने का मामला प्रकाश में आया है। दहीयाड़ी गांव निवासी वीरेंद्र शर्मा पिता स्व. हरिशरण शर्मा ने गांव के ही दो लोगों को उक्त मामले में आरोपी बनाया है । दर्ज प्राथमिकी में बताया है कि शुक्रवार की रात करीब साढ़े आठ बजे दहीयाड़ी गांव निवासी हरेंद्र महतो उर्फ डब्लू तथा अन्टू मेरे घर में घुसकर पहले परिजनों से मारपीट किया उसके बाद घर में लूटपाट किया गया है । इसके बाद एक लाख रुपए रंगदारी भी मंगा गया । घर से निकलते हवाई फायरिंग कर दोनों फरार हो गये । जिसकी सूचना काराकाट पुलिस को दिया गया है । घटना स्थल पर पुलिस पहुंच जांच पड़ताल किया। प्रभारी थानाध्यक्ष रवि भूषण कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है। गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

एमडीआरटी USA क्लब की सदस्यता प्राप्त किये एलआईस अभिकर्ता देव मुनि सिंह

कैमूर जिले के दुर्गावती प्रखंड के रोहुआ (मरहिया) गांव निवासी भारतीय जीवन बीमा निगम सासाराम कार्यालय के अभिकर्ता देव मुनि सिंह ने 2024 में एमडीआरटी USA क्लब की सदस्य प्राप्त किया । इसकी सूचना मिलते ही उन्हें बधाई देने वालों का ताता लग गया। बताते चलें कि देव मुनि सिंह काफी दिनों से भारतीय जीवन बीमा निगम में अभिकर्ता के पद पर कार्य कर रहे थे। अपने उत्कृष्ट कार्य की बदौलत एमडीआरटी वरअ क्लब की सदस्य प्राप्त किए। एमडीआरटी क्लब अमेरिका का एक संगठन है जो वैश्विक स्तर पर भारतीय जीवन बीमा के क्षेत्र में काम करता है दुर्गावती प्रखंड क्षेत्र के देव मुनि सिंह पहले व्यक्ति हैं जिन्हें एमडीआरटी क्लब की सदस्यता प्राप्त हुई है। वही इस संबंध में देव मुनि सिंह ने बताया कि क्षेत्र के लोगों का अपार सहयोग की वजह से आज मैं इस मुकाम तक पहुंचा हूं इसके लिए मैं क्षेत्र के लोगों का आभार व्यक्त करता हूं। वहीं उन्होंने कहा कि आगे और भी बेहतर कार्य करने के लिए लगातार प्रयास करता रहूंगा।

काराकाट पुलिस ने वसूला जुर्माना

काराकाट(रोहतास) शनिवार को 120 नेशनल हाईवे बिक्रमगंज-डिहरी मुख्य मार्ग पर काराकाट पुलिस ने वरीय अधिकारियों के दिशा-निर्देश पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया ।

जानकारी देते हुए प्रभारी काराकाट थानाध्यक्ष रवि भूषण कुमार ने बताया कि बिक्रमगंज-डिहरी मुख्य मार्ग पर थाना क्षेत्र अंतर्गत जोरावरपुर पुल के समीप वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया । उन्होंने कहा कि वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस के द्वारा जुमार्ना के रूप में कुल 10 वाहनों से 10 हजार रुपये वसूल कर वाहनों को मुक्त कर दिया गया । श्री कुमार ने कहा कि वाहन जांच में पुलिस अधिकारियों के द्वारा गाड़ी का ऑनर- बुक , ड्राइविंग लाइसेंस , जूता , हेलमेट , डिक्की सहित अन्य बिंदुओं पर बारीकी से जांच किया गया । उन्होंने बताया कि वाहन जांच स्थल पर पुलिस अधिकारियों के द्वारा वाहन चालकों को सख्त निर्देश देते हुए कहा गया कि अगली बार से दुबारा बिना हेलमेट लगाए वाहन को चलाने के क्रम में पकड़ा गया तो उसके विरुद्ध विधि सम्मत कानूनी कार्रवाई की जाएगी ।

रस्किन बॉन्ड से मुलाकात किसी पुरस्कार से कम नहीं

अभिनेता जयदीप अहलावत ने हाल ही में लेखक रस्किन बॉन्ड से मुलाकात की। जयदीप अहलावत ने रस्किन बॉन्ड से मुलाकात की अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर करके उनके साथ बिताए खुशी के पल साझा किए। जयदीप अहलावत कहते हैं कि रस्किन बॉन्ड से मुलाकात एक रोमांचक अनुभव रहा है, जिसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता है। लेखक रस्किन बॉन्ड ने 500 से अधिक लघु कथाएं, निबंध और उपन्यास लिखे हैं, जिनमें बच्चों के लिए 69 किताबें शामिल हैं। जयदीप अहलावत ने बचपन में रस्किन बॉन्ड की लिखी कई किताबें पढ़ी हैं। जयदीप अहलावत कहते हैं, जब रस्किन बॉन्ड से मुलाकात हुई तो बचपन की वह सारी यादें तरोताजा हो गई, जो मैंने उनकी किताबों में पढ़ी थी। रस्किन बॉन्ड से मिलना मेरे लिए किसी सम्मान से कम नहीं था। बचपन में जब हम किसी के बारे में उनके कार्यों के लिए जानते हैं तो उनसे मुलाकात का एक अलग ही अनुभव और आनंद आता है। जयदीप अहलावत, रस्किन बॉन्ड से मुलाकात की चर्चा करते हुए कहते हैं, रस्किन बॉन्ड से मुलाकात के बाद मुझे ऐसा एहसास हुआ कि उन सभी अद्भुत कहानियों की किताबों के पीछे के दिमाग वाले व्यक्ति से मिलना किसी कल्पना से परे था। मेरे लिए मुलाकात किसी रोमांचक अनुभव से कम नहीं था। लेखक रस्किन बॉन्ड के साथ अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए जयदीप अहलावत कहते हैं, मैं महान लेखक रस्किन बॉन्ड से मिलकर कितना खुश हुआ उसे शब्दों में नहीं व्यक्त कर सकता। उनके साथ अकेले में समय बिताकर बहुत आनंद मिला। जिनके बारे में उनकी लेखनी के जरिए जानने और समझने का मौका मिला, जब आप ऐसी शख्सियत से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात करते हैं,तो उस मुलाकात का अपना एक अलग सुख और अनुभव होता है। अभिनेता जयदीप अहलावत ने उस खूबसूरत संदेश की तस्वीर भी साझा की, जिस पर रस्किन बॉन्ड ने कलेक्टेड शॉर्ट स्टोरीज- रस्किन बॉन्ड की अपनी निजी प्रति पर उनके लिए हस्ताक्षर किए थे। अपने नोट में रस्किन बॉन्ड ने जयदीप अहलावत को फिल्मों के लिए शुभकामनाएं दीं।

इटली में जन्मीं जॉर्जिया बनना चाहती थीं डायरेक्टर

अभिनेत्री जॉर्जिया एंड्रियानी इन दिनों सुर्खियों में हैं। बॉलीवुड में हर कोई उनके लुक्स और कातिल अदा का दीवाना है। सोशल मीडिया पर लाखों लोग जॉर्जिया को फॉलो करते हैं। अभिनेत्री ने एक से बढ़कर एक हिट गानों के वीडियो में काम किया है। पिछले दिनों जॉर्जिया अपनी निजी जिंदगी और करियर के बारे में मीडिया से खुल कर बातें करती दिखीं।

इटली में जन्मीं जॉर्जिया एंड्रियानी फिल्म स्टार नहीं बनना चाहती थीं। खूबसूरत नैन-नक्श होने के बावजूद उन्हें कैमरे के पीछे रहना पंसद था। जॉर्जिया ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था, मैं फिल्में बनाना चाहती थीं इसलिए मैं इटली से लंदन आ गई। लंदन आकर मैंने फिल्म मेकिंग कोर्स को ज्वाइन किया। इसी दौरान मुझे बॉलीवुड के कई प्रोजेक्ट्स में काम करने का मौका मिला। मैं कैमरे के पीछे रहकर काम करना चाहती थी।

हिंदी गानों से है प्यार

जॉर्जिया आगे जोड़ती हैं, लोगों को लगता है कि मैं बॉलीवुड में अपना करियर बनाने के लिए भारत आई, लेकिन ऐसा नहीं है। मैंने जो यहां हासिल किया है, वह दुनिया के किसी भी कोने में रहकर हासिल किया जा सकता है। मैं यहां इसलिए आई क्योंकि मुझे यह देश पंसद है। मुझे हिंदी गानों से बेहद लगाव है। जब मैंने पहली बार चुरा लिया है तुमने जो दिल को सुना तब मुझे इसकी धुन बेहद पसंद आई, लेकिन मुझे इस गाने का अर्थ नहीं समझ में आया था। मैंने अपने दिल की आवाज सुनी और अपना सब कुछ समेट कर यहां चली आई।

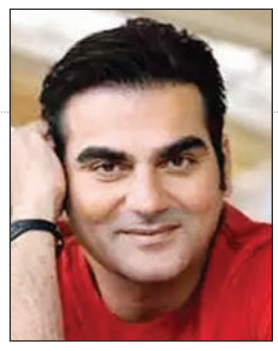

अरबाज रहेंगे हमेशा खास

जॉर्जिया साल 2018 में अरबाज से मिली थीं। अभिनेत्री ने खुद एक इंटरव्यू के दौरान कहा था, मुझे अरबाज का केयरिंग स्वभाव बेहद पसंद आता है। जब मैं बीमार थी उन दिनों उन्होंने जैसे मुझे संभाला वह मेरे लिए बेहद खास था। अब जॉर्जिया अरबाज से अलग हो गई हैं, लेकिन वे हमेशा उन्हें एक अच्छे दोस्त के तौर पर याद रखेंगी।

जासूस के किरदार में नजर आएंगी आलिया

आलिया भट्ट ने हाल में फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का फिल्मफेयर अवॉर्ड अपने नाम किया है। वह इस अवॉर्ड को पाकर काफी खुश हैं। वैसे वो इन दिनों अपनी कम्पनी की पहली निर्मित फिल्म जिगरा को लेकर चर्चाओं में हैं। जिगरा में वह केन्द्रीय भूमिका में नजर आएंगी। बताया जा रहा है आलिया इसमें जबरदस्त एक्शन करती नजर आएंगी। इसे करण जौहर और आलिया की प्रोडक्शन कंपनी मिलकर प्रोड्यूस कर रही है। इन सबके बीच, आलिया की एक और फिल्म का अनाउंसमेंट हुआ है। यह एक स्पाई थ्रिलर फिल्म होगी। इसमें उनके साथ शरवरी वॉघ भी होंगी। खास बात है यह फिल्म स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा होगी। स्पाई यूनिवर्स में अब तक एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वॉर, पठान और टाइगर 3, जैसी फिल्में बन चुकी हैं। आलिया भट्ट और शरवरी वॉघ स्टारर इस फिल्म को शिव रवैल निर्देशित करेंगे, जिन्होंने वेब सीरीज 'द रेलवे मेन' को निर्देशित किया था। इस एक्शन से भरपूर फिल्म का टाइटल अभी तय नहीं हुआ है।

आलिया और शरवरी बनेगी एजेंट

फिल्म में आलिया और शरवरी सुपर एजेंट्स की भूमिका निभाती नजर आएंगी और इसका निर्माण जल्द ही शुरू होने वाला है। इंडस्ट्री के एक सूत्र के अनुसार, 'द रेलवे मेन' के बाद निर्देशक शिव रवैल इस फिल्म का निर्देशन करेंगे। सूत्र ने कहा, वाईआरएफ के लिए शिव की पहली निर्देशित सीरीज 'द रेलवे मेन' जबरदस्त हिट रही है। वह युवा हैं और उन्हें इस बात की अच्छी समझ है कि युवा एंटरटेनमेंट के तौर पर क्या चाहते हैं।

आदित्य चोपड़ा ने जताया शिव रवैल पर भरोसा

सूत्र ने कहा, आदित्य को विश्वास है कि वह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की एक्शन एंटरटेनर का निर्देशन करने के लिए बेहतरीन निर्देशक हैं, जिसमें शरवरी के साथ आलिया भट्ट लीड रोल में हैं। आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित, स्पाई यूनिवर्स की शुरुआत 'टाइगर' फ्रेंचाइजी के साथ हुई, जिसमें सलमान खान और कैटरीना कैफ ने अभिनय किया, जिसकी शुरुआत 'एक था टाइगर' और 'टाइगर जिंदा है' से हुई और ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ स्टारर 'वॉर' और शाहरुख खान-स्टारर 'पठान' और सलमान खान-स्टारर 'टाइगर 3' तक जारी रही।

अपने ओटीटी डेब्यू को लेकर उत्साहित हैं राजकुमार हिरानी

फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी इन दिनों अपनी फिल्म डंकी की सफलता को एंजॉय कर रहे हैं। फिल्म डंकी में शाहरुख खान, तापसी पन्नू और विक्की कौशल समेत कई स्टार अहम भूमिका में नजर आए थे। यह फिल्म पिछले साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज हुई थी। दुनिया भर के बॉक्स-ऑफिस पर फिल्म ने 500 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। हिरानी अपने अगले प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उनका अगला प्रोजेक्ट विक्रांत मैसी के साथ एक वेब सीरीज है। राजकुमार हिरानी को लेकर यह भी खबर सामने आ रही थी कि वह रणबीर कपूर के साथ अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए सहयोग करेंगे। हिरानी पहले ही अपने अगले प्रोजेक्ट पर एक बिना नाम की वेब सीरीज पर आगे बढ़ चुके हैं, जिसमें 12वीं फेल अभिनेता विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में हैं। यह शो आमिर सत्यवीर सिंह द्वारा निर्देशित है, जिन्होंने अतीत में हिरानी की सहायता की है। यह वेब सीरिज साइबर अपराध के इर्द-गिर्द घूमती है। विक्रांत इस सीरीज में साइबर अपराध सुरक्षा विशेषज्ञ की भूमिका निभाएंगे।

कंगना को बॉम्बे हाई कोर्ट से झटका

कंगना रणौत को मानहानि केस में बॉम्बे हाई कोर्ट से तगड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने शुक्रवार को अभिनेत्री की याचिका खारिज कर दी, जिसमें उन्होंने गीतकार जावेद अख्तर द्वारा उनके खिलाफ दायर मानहानि की शिकायत से उत्पन्न मुकदमे पर रोक लगाने की मांग की थी। रिपोर्ट के अनुसार, बॉम्बे हाई कोर्ट ने 2020 में जावेद की ओर से दायर मानहानि मामले में कंगना द्वारा दायर रिट याचिका को खारिज कर दिया। कंगना ने जावेद अख्तर के खिलाफ एक क्रॉस-शिकायत भी दर्ज कराई थी, जिसमें जबरन वसूली, आपराधिक साजिश और उनकी गोपनीयता पर हमला करके उनकी निजता को आहत करने का आरोप लगाया था। रिपोर्ट के अनुसार, न्यायमूर्ति प्रकाश नाइक ने आदेश पारित किया और कहा कि कार्यवाही को रोका या क्लब नहीं किया जा सकता क्योंकि कंगना रणौत ने कभी यह तर्क नहीं दिया कि मामले क्रॉस-केस थे, और इसके बावजूद, जावेद अख्तर की शिकायत पहले दर्ज की गई थी। उन्होंने कहा, इस स्तर पर याचिका में मांगी गई राहत नहीं दी जा सकती। इससे पहले याचिकाकर्ता (कंगना) की ओर से कभी यह तर्क नहीं दिया गया कि दोनों मामले क्रॉस केस हैं।

अभिनेता से राजनेता बने दलपति विजय

तमिल सुपरस्टार दलपति विजय ने अपने अभिनय का सिक्का चलाने के बाद अब राजनीति की दुनिया में कदम रखा है। आज उन्होंने अपनी पार्टी के नाम का एलान किया है। अभिनेता ने अपनी पार्टी का नाम तमिलागा वेट्री कजम रखा है। बेशक दलपति ने पार्टी के नाम का एलान लोकसभा चुनावों से पहले किया है, लेकिन वे चुनावी मैदान में नहीं उतर रहे हैं। यह खुलासा भी उन्होंने किया है। अभिनेता विजय ने एक बयान जारी कर कहा है, हम लोकसभा चुनाव 2024 नहीं लड़ रहे हैं और हम किसी पार्टी को सपोर्ट भी नहीं करेंगे। हमने यह निर्णय सामान्य और कार्यकारी परिषद की बैठक के लिए किया है। बीते दिनों विजय के राजनीति में प्रवेश करने की खबरों को लेकर एक सूत्र ने कहा था, वह तमिलनाडु में 2026 के राज्य चुनावों से पहले राजनीति में प्रवेश करेंगे। विजय की तमिलनाडु में बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है। अभिनेता को अक्सर जरूरतमंद लोगों की मदद करते हुए देखा जाता है। अभिनय से इतर दलपति विजय समाजसेवा के लिए भी जाने जाते हैं। दिसंबर 2023 में विजय ने थूथुकुडी और तिरुनेलवेली जिलों के बाढ़ पीड़ित निवासियों की मदद की थी।

विवेक ओबेरॉय ने किया शिल्पा शेट्टी के साथ दोस्ती के किस्सों का खुलासा

शिल्पा शेट्टी और विवेक ओबेरॉय रोहित शेट्टी की सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में एक साथ दिखाई दिए। यह सीरीज अपने पहले सप्ताह के भीतर ओटीटी प्लेटफार्मों पर सबसे ज्यादा देखे जाने वाले शो में से एक बन गया। सीरीज का मुख्य आकर्षण विवेक और शिल्पा के पात्रों के बीच बातचीत थी। वे अपने प्रशिक्षण के दौरान बैचमेट थे और अब सुरक्षा प्रणाली में विभिन्न विभागों का नेतृत्व करते हैं। हाल ही में विवेक ने शिल्पा के साथ अपनी दोस्ती पर खुलकर बात की। शिल्पा शेट्टी और विवेक ओबेरॉय दो दशकों से अधिक समय से करीबी दोस्त हैं। हाल ही दिए साक्षात्कार में अपने संबंध पर चर्चा करते हुए विवेक ने कहा जिस दिन से वे उनसे मिले थे, तब से लेकर अब तक उनमें शायद ही कोई बदलाव आया है। उनका शरीर, फिटनेस, उपस्थिति, युवा रूप और बाल वैसे ही बने हुए हैं, जो दर्शाता है कि वह बढ़ती उम्र को मात देती दिख रही हैं। उन्होंने कहा, जिस दिन से मैं उसे जानता हूं, उस दिन से अब तक उसमें कोई खास बदलाव नहीं आया है। उसकी काया, फिटनेस, लुक, यौवन, बाल बिल्कुल वैसे ही हैं, बस उसकी उम्र नहीं बढ़ती। फिर हंसते हुए विवेक ने कहा कि शिल्पा एक पिशाच (वैम्पायर) हैं, जो खून पीती हैं। उसके पीछे भी ऐसी ही कोई कहानी होगी। उन्होंने आगे बताया कि वे उन सबसे दयालु व्यक्तियों में से एक हैं, जिनका आप सामना कर सकते हैं। अपने जीवन में व्यक्तिगत रूप से चाहे कितनी भी चुनौतियों का सामना करना पड़े, इसके बावजूद वे जब भी मिलते हैं तो हमेशा उसी प्यार और सम्मान के साथ मिलते हैं। उन्होंने कहा,

वह सबसे अच्छे लोगों में से एक हैं, जिनसे आप मिल सकते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम अपने निजी जीवन में किस दौर से गुजर रहे हैं, हम उसी प्यार और सम्मान के साथ मिलते हैं। वहीं बात करें सीरीज की तो रोहित शेट्टी और सुशांत प्रकाश द्वारा निर्देशित इंडियन पुलिस फोर्स में सिद्धार्थ मल्होत्रा, शिल्पा शेट्टी कुंद्रा और विवेक ओबेरॉय मुख्य भूमिका में हैं।

ग्लोबल प्रीमियर के लिए तैयार धनुष की कैप्टन मिलर

प्राइम वीडियो ने आज तमिल पीरियड एक्शन-एडवेंचर ड्रामा फिल्म कैप्टन मिलर के विशेष ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्रीमियर की घोषणा की। यह फिल्म, त्रयी का पहला भाग है, जिसका निर्देशन अरुण मथेश्वरन ने किया है। अरुण ने इसे अरुणराजा कामराज और मदन कार्की के साथ मिलकर लिखा है। यह सत्य ज्योति फिल्म्स द्वारा निर्मित है। कैप्टन मिलर में धनुष मुख्य भूमिका में हैं। साथ ही शिव राजकुमार, नासर, सुदीप किशन, प्रियंका मोहन और निवेदिथा सतीश भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। आइए जानते हैं कि आप इस फिल्म का ओटीटी पर कब लुत्फ उठा सकेंगे।

कैप्टन मिलर की ओटीटी रिलीज

प्राइम वीडियो की घोषणा के मुताबिक, यह फिल्म भारत और 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में 9 फरवरी को तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में डब के साथ प्रदर्शित होगी। कैप्टन मिलर प्राइम सदस्यता में नवीनतम जुड़ाव का प्रतीक है। भारत में प्राइम सदस्य इस फिल्म का लुत्फ उठा सकेंगे। धनुष की कैप्टन मिलर ने अपनी कसी हुई स्क्रिप्ट, दमदार प्रदर्शन और वर्तमान समय की प्रासंगिकता के लिए आलोचकों और दर्शकों से समान रूप से प्रशंसा अर्जित की है।

गोकलदास एक्सपोर्ट्स ने किया बड़ा ऐलान

नईदिल्ली । गारमेंट्स एंड अपैरल इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी गोकलदास एक्सपोर्ट्स के शेयर शुक्रवार को 8 पर्सेंट की तेजी के साथ 985 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर गुरुवार को 906.80 रुपये पर बंद हुए थे। गोकलदास एक्सपोर्ट्स के शेयरों में यह तेजी एक बड़े अपडेट के बाद आई है। गोकलदास एक्सपोर्ट्स ने मैट्रिक्स क्लोदिंग के अपैरल बिजनेस को खरीदने के लिए एक डिफिनिटिव एग्रीमेंट पर दस्तखत किए हैं।

स्मॉल-कैप फंड्स ने 1 साल में दिया 70 प्रतिशत तक रिटर्न

नईदिल्ली। अगर आप निवेश के दौरान जोखिम लेकर ज्यादा रिटर्न कमाना चाहते हैं तो स्मॉल कैप फंड्स आपके लिए फायदे का सौदा हो सकता है। ऐसे कई स्मॉल कैप फंड्स हैं जिन्होंने एक साल में 70 प्रतिशत तक का रिटर्न दिया है।

संक्षिप्त समाचार

रॉक्स हाई-टेक का ऑटोमेशन के लिए ब्लूप्रिज्म के साथ व्यूहात्मक गठबंधन

मुंबई, एजेंसी। ग्राहक-केंद्रित आईटी सॉल्यूशंस प्रदाता, रॉक्स हाई-टेक ने एसएपी तैनाती और ऑपरेशंस हेतु एआई-पावर्ड इंटेलिजेंट ऑटोमेशन सॉल्यूशंस प्रदान करने के लिए ब्लूप्रिज्म के साथ गठबंधन किया है. इससे उसके ग्राहकों के एसएपीस/ ट्रांसफार्मेशन लक्ष्यों को बढ़ावा मिलेगा. इस भागीदारी से एक विशिष्ट को-इनोवेशन बाजार संबंध का निर्माण होगा, ब्लूप्रिज्म के एआई और ऑटोमेशन टेक्नोलोजिस के साथ रॉक्स के एसएपी अनुभव और एआई टैलेंट पूल का समन्वय होगा। इस पर टिप्पणी करते हुए रॉक्स हाई-टेक लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री जिम राकेश ने कहा, हम सहर्ष अपने नए गठबंधन की घोषणा करते हैं, जो हमारे अग्रणी फ्यूचर-फोकस्ड बिजनेस मॉडल्स के लिए हमारी दृढ प्रतिबद्धता की कसौटी है. ब्लूप्रिज्म और रॉक्स हाई-टेक के बीच सहयोग एसएपी लैंडस्केप और बिजनेस प्रोसेस ऑटोमेशन हेतु टाइम टू वैल्यू को बढ़ाने के लिए शक्तिशाली अलायंस सेट प्रदर्शित करता है. एक साथ मिलकर हमारी टीम सुव्यवस्थित प्रक्रियाएं और सक्षम बिजनेस ऑपरेशन सुनिश्चित करते हुए ऑटोमेशन के मार्फत एक क्लीन कर बरकरार रखने में ग्राहकों की मदद करने के प्रति समर्पित है. यह विस्तार सभी एंटरप्राइजेस सिस्टम को त्वरित ऑटोमेट करने, क्लाउड का माइग्रेशन करने में ग्राहकों को समर्थ बनाते हुए एसएपी सिस्टम में हमारे सामूहिक अनुभव को रेखांकित करता है और एआई- पावर्ड ऑटोमेशन बिजनेस परिणाम के लिए ठोस आधारशिला का निर्माण करता है.एसएपी बिल्ड प्रक्रिया ऑटोमेशन सॉल्यूशन के अतिरिक्त हमारी डिलीवरी पद्धति में ब्लूप्रिज्म-आधारित सॉल्यूशन को समन्वित करती है जिससे ब्लूप्रिज्म की हमारे विजन में एक महत्वपूर्ण भूमिका है. हम संगठनों की उनके एसएपी निवेशों को अधिकतम करने और फास्ट-ट्रैक वैल्यू क्रिएशन के लिए मदद करने के लिए बेहतर स्थिति में है।

यूक्रेन को 54 अरब डॉलर की मदद के लिए यूरोपीय यूनियन में सहमति बनी

नईदिल्ली, एजेंसी। यूरोपीय यूनियन के सभी 27 देशों ने यूक्रेन के लिए अतिरिक्त 50 बिलियन यूरो (54 बिलियन अमरीकी डालर) सहायता पैकेज पर आम सहमति बनाई है। अल जजीरा ने अपनी एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी है। यह सहमति विशेष रूप से ऐसे समय पर बनी है जब हंगरी ने इस मामले में वीटो के संकेत दिए थे। यूरोपीय यूनियन के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल ने ब्रसेल्स में यूरोपीय संघ के नेताओं के एक विशेष शिखर सम्मेलन के बाद इस डील की घोषणा की। स्वीकृत सहायता पैकेज को यूक्रेन के लिए दृढ़, दीर्घकालिक और अनुमानित धन प्रदान करने की प्रतिबद्धता के रूप में देखा जा रहा है।

कलर्स भोपाल में प्यार की मशाल लेकर आया है

भोपाल । भारत के अग्रणी एचजीईसी कलर्स ने रात 9:30 बजे से 11:00 बजे तक अपने प्राइम-टाइम स्लॉट को दिल जीत लेने वाली तीन प्रेम कहानियां प्रसारित करके एक रोमांटिक महोत्सव में बदल दिया है, जिनसे दर्शकों के दिल रोमांचित हो उठते हैं। तीन अलग-अलग प्रेम कहानियों से दर्शकों का नॉन-स्टॉप मनोरंजन करने के वादे के साथ, पहली प्रेम कहानी 'मेरा बलम थानेदार' है, जो दो विपरीत व्यक्तियों के बीच रोमांस का उतार-चढ़ाव भरा सफर है, और राजस्थान में नाबालिग विवाह की पृष्ठभूमि पर आधारित है जिसमें शगुन पांडे (वीर) व श्रुति चौधरी (बुलबुल) मुख्य भूमिकाओं में हैं।

कुछ निवेशक सीईओ बायजू रवींद्रन को पद से हटाने की कर रहे साजिशः बायजू

नईदिल्ली, एजेंसी। नकदी संकट से जूझ रही एडटेक फर्म बायजूस ने अपने कर्मचारियों को भेजे ईमेल में 'कुछ निवेशकों' पर निशाना साधा और दावा किया कि वे कंपनी के खिलाफ साजिश रच रहे हैं और संकट के समय में कंपनी के संस्थापक और मुख्य कार्याधिकारी बायजू रवींद्रन को पद से हटाना चाह रहे हैं।

बायजूस नकदी संकट, वित्तीय रिपोर्टिंग में देरी करने और कर्ज देने वाली संस्थाओं के साथ कानूनी विवाद जैसी कई तरह की चुनौतियों का सामना कर रही है। कर्मचारियों को भेजी गई आंतरिक नोट की कॉपी में कहा गया है, 'हम जिस संकट का सामना कर रहे हैं, उसे कई निवेशक षड्यंत्र के एक अवसर के रूप में देख रहे हैं और संस्थापक एवं समूह सीईओ को पद से हटाने की मांग कर रहे हैं।'

प्रबंधन में बदलाव पर वोट देने का अधिकार नहीं

इस बीच बायजूस की प्रवर्तक कंपनी थिंक ऐंड लर्न ने कहा कि निवेशकों को कंपनी का मुख्य कार्याधिकारी बदलने के लिए मतदान करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने असाधारण आम बैठक बुलाने और बायजू रवींद्रन को पद से हटाने की मांग करने वाले कुछ चुनिंदा निवेशकों के बयान पर निराशा जाहिर की। कंपनी ने बयान जारी कर कहा, 'इन दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों में हम इस बात पर जोर देंगे कि शेयरधारकों का अनुबंध उन्हें सीईओ या प्रबंधन में बदलाव पर वोट देने का अधिकार नहीं देता है।'

ईजीएम बुलाने की मांग

कंपनी ने कहा, 'कुछ निवेशकों की ऐसी हरकत देखकर हमें दुःख हो रहा है। उन्हें इस चुनौतीपूर्ण समय में सीधे मीडिया से बात करने के बजाय हमारी लड़ाई में सहयोग करना चाहिए था। हमारे संस्थापक बायजूस के सबसे बड़े निवेशक और महानतम योद्धा हैं।' यह आंतरिक नोट ऐसे समय में जारी किया गया है जब बायजूस के प्रमुख शेयरधारकों के एक वर्ग ने गुरुवार को कंपनी को नोटिस जारी कर 'लगातार चल रही समस्या' के समाधान के लिए असाधारण आमसभा (ईजीएम) बुलाने की मांग की है। इनमें कंपनी के प्रबंधन में प्रस्तावित बदलाव भी शामिल है। कंपनी ने निवेशकों से कुल 5.08 अरब डॉलर जुटाए हैं। बायजूस ने जनरल अटलांटिक, सोफिना, कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, प्रोसस, सुमेरू वेंचर्स, ब्लैकरॉक, चान जुकरबर्ग इनीशिएटिव, सिल्वर लेक, टेनसेंट तथा टाइगर ग्लोबल जैसे निवेशकों से पूंजी जुटाई है। पिछले महीनों में बायजूस ने अपने कर्मचारियों को भेजे कई ईमेल में उल्लेख किया है कि उन्हें ऐसी अड़चनों का सामना करना पड़ रहा है जैसा कि बहुत कम कंपनियों ने देखा है। इसमें कहा गया है कि जब कंपनी की आर्थिक स्थिति खराब हो गई तो निवेशक आगे आने में हिचकते रहे लेकिन संस्थापक ने व्यक्तिगत तौर पर 1 अरब डॉलर से ज्यादा की पूंजी लगाई ताकि कंपनी सुचारू रूप से चलती रहे। सूत्रों के मुताबिक बायजूस ने अभी तक अपने कर्मचारियों को जनवरी का भी वेतन नहीं दिया है।

सीईओ को बदलने पर निवेशकों के पास कोई मतदान अधिकार नहीं: बायजू

शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड ने श कहा कि शेयरधारक समझौते के तहत निवेशकों के पास सीईओ या प्रबंधन में बदलाव पर कोई मतदान अधिकार नहीं है। कंपनी बायजू ब्रांड नाम के तहत काम करती है। बायजू के कम से कम छह निवेशकों ने कंपनी के प्रमुख से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने और कंपनी पर संस्थापकों का नियंत्रण खत्म करने के लिए एक असाधारण आम बैठक (ईजीएम) बुलाई है। कंपनी ने एक बयान में कहा, थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड ने दुख के साथ कुछ चुनिंदा निवेशकों के बयान को संज्ञान में लिया है, जिसमें संस्थापक और समूह सीईओ बायजू रवींद्रन को बदलने के लिए ईजीएम की मांग की गई है। इन दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों में, हम यह बताना चाहेंगे कि शेयरधारक समझौता उन्हें सीईओ या प्रबंधन में बदलाव पर वोट देने का अधिकार नहीं देता है। ईजीएम बुलाने के लिए भेजी गई नोटिस में नीदरलैंड की निवेश कंपनी प्रोसस के नेतृत्व में निवेशकों ने प्रशासन के मुद्दों, वित्तीय कुप्रबंधन और अनुपालन मुद्दों के समाधान तथा निदेशक मंडल के पुनर्गठन का अनुरोध किया है।

सोलर स्कीम लॉन्च होते टाटा एक्टिव, बजट में ऐलान के बाद शेयर बना तूफान

नईदिल्ली, एजेंसी। अंतरिम बजट में प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना स्कीम के ऐलान के बाद टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा पावर लिमिटेड एक्टिव मोड में आ गई है। टाटा पावर ने शुक्रवार को स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में अपने सोलर प्रोजेक्ट और इसके फाइनेंस से जुड़ी जानकारी दी है। कंपनी ने कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सोलर सब्सिडयरी कंपनी टाटा पावर सोलर सिस्टम्स लिमिटेड यानी टीपीएसएसएल ने पिछले 4.5 वर्षों के दौरान सोलर प्रोजेक्ट्स के लिए 3,500 करोड़ रुपये से अधिक की कस्टमर फाइनेंस फैसलिटी दी है।

टाटा पावर ने कहा कि टीपीएसएसएल ने 2,200 से अधिक कॉमर्शियल और औद्योगिक ग्राहकों को फाइनेंस सॉल्युशन की सुविधा प्रदान की। इन परियोजनाओं का मूल्य लगभग 3,400 करोड़ रुपये है। इसमें गैर-आवासीय के लिए 850 मेगावाट और आवासीय ग्राहकों के लिए लगभग 9 मेगावाट शामिल है। टीपीएसएसएल ने 1,000 से अधिक ग्राहकों को हाउसिंग लोन की सुविधा दी है, जिससे लगभग 55 करोड़ रुपये की परियोजनाओं में योगदान मिला है। बता दें कि टीपीएसएसएल ने पीएसयू, निजी बैंकों और एनबीएफसी सहित 20 से अधिक सक्रिय लेंडर्स के साथ सहयोग किया है। इसमें भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी), यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी, बैंक ऑफ बड़ौदा, टाटा कैपिटल, ग्रीनलांस एनर्जी, इकोफी, क्रेडिट फेयर, पेटीएम शामिल हैं। इस बीच, बीएसई पर टाटा पावर के शेयर 0.18 प्रतिशत बढ़कर 389.55 रुपये पर पहुंच गए। बता दें कि बीते एक फरवरी को शेयर की कीमत 396.70 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। दिसंबर 2023 तक टाटा पावर में प्रमोटर की शेयरहोल्डिंग 46.86 फीसदी तो पब्लिक शेयरहोल्डिंग 53.14 फीसदी की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना से एक करोड़ परिवारों को हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिल सकेगी जिससे उन्हें सालाना 18,000 रुपये तक की बचत होगी।

मार्क जकरबर्ग की कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स ने 15 मिनट में कर ली मुकेश अंबानी से ज्यादा कमाई!

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में गुरुवार को कारोबार के दौरान 14 फीसदी तेजी आई। दिसंबर तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 200 प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी के साथ 14 अरब डॉलर रहा। यह बाजार के अनुमान से कहीं अधिक है। इस दौरान कंपनी की सेल भी 25 फीसदी तेजी के साथ 40 अरब डॉलर से अधिक पहुंच गई। रिजल्ट की घोषणा होते ही कंपनी के शेयरों में भारी तेजी देखने को मिली। महज 15 मिनट में कंपनी का मार्केट कैप 130 अरब डॉलर बढ़ गया। यह भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कुल नेटवर्थ से ज्यादा है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अंबानी की नेटवर्थ 106 अरब डॉलर है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 11वें नंबर पर हैं।

मार्क जकरबर्ग की कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स का शेयर अक्टूबर 2022 के निचले से 400 प्रतिशत उछल चुका है। गुरुवार की तेजी के बाद कंपनी मार्केट कैप 1.1 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया था। मेटा अभी दुनिया की सातवीं सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। कंपनी ने पहली बार अपने निवेशकों के लिए डिविडेंड देने की घोषणा की है। प्रति शेयर 0.50 डॉलर डिविडेंड दिया जाएगा और इसके लिए रेकॉर्ड डेट 22 फरवरी रखी गई है। कंपनी ने साथ ही 50 अरब डॉलर के शेयर बायबैक की भी घोषणा की है। पिछले साल कंपनी का प्रॉफिट 69 परसेंट तेजी के साथ 39 अरब डॉलर रहा। पिछले एक साल में कंपनी का शेयर 109 परसेंट बढ़ चुका है।

कौन है सबसे वैल्यूएबल कंपनी

माइक्रोसॉफ्ट तीन ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। आईफोन बनाने वाली ऐपल 2.889 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। सऊदी अरामको (2.001 ट्रिलियन डॉलर) तीसरे, गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट (1.763 ट्रिलियन डॉलर) चौथे, ऐमजॉन (1.645 ट्रिलियन डॉलर) पांचवें, एनवीडिया (1.556 ट्रिलियन डॉलर) छठे और मेटा प्लेटफॉर्म्स (1.014 ट्रिलियन डॉलर) सातवें नंबर पर है। रिलायंस इंडस्ट्रीज (237.35 अरब डॉलर) के साथ इस लिस्ट में 44वें, टीसीएस (172.25 अरब डॉलर) 71वें और एचडीएफसी बैंक (143.45 अरब डॉलर) 91वें नंबर पर है।

जोमैटो के मालिक ने दिल्ली में खरीदी जमीन, 79 करोड़ में 2 बड़ी डील

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑनलाइन फूड डिलीवर करने वाले प्लेटफॉर्म जोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल ने नई दिल्ली के महरौली में लगभग 5 एकड़ के दो लैंड पार्सल के लिए डील की है। बीते एक साल में की गई यह दोनों डील 79 करोड़ रुपये में हुई है। जानकारी के मुताबिक ये दो लैंड पार्सल अलग-अलग मालिकों से खरीदे गए हैं। इसके लिए दीपिंदर गोयल ने 5.24 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी का भुगतान किया है।

मनीकंट्रोल की खबर के मुताबिक 28 मार्च, 2023 को पहली डील की गई थी। इसके तहत दीपिंदर गोयल ने लक्ज़लॉन बिल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड से 2.5 एकड़ जमीन 29 करोड़ रुपये में खरीदी और 1.74 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी का भुगतान किया। इसके बाद 1 सितंबर 2023 को गोयल ने रवि कपूर नामक व्यक्ति से 50 करोड़ रुपये में 2.53 एकड़ जमीन खरीदी और 3.50 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी का भुगतान किया। दस्तावेजों के मुताबिक, दोनों प्लॉट छतरपुर क्षेत्र के डेरा मंडी गांव में स्थित हैं

और दोनों लेनदेन का रजिस्ट्रेशन हौज खास में हुआ था। हालांकि, जोमैटो की ओर से आधिकारिक तौर पर इस डील के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। बता दें कि दीपिंदर गोयल आईआईटी दिल्ली के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बेन एंड कंपनी से की। उन्होंने 2008 में पंकज चड्ढा के साथ मिलकर फूडीबे की शुरुआत की और एक साल बाद जोमैटो की स्थापना की। जोमैटो का आईपीओ साल 2021 में आया था और इसके जरिए कंपनी ने शेयर बाजार में लिस्टिंग की। हाल ही में कंपनी पहली बार प्रॉफिट में आई है।

अपने देश को छोड़ भारत पर अधिक भरोसा, जापान के रिटेल इनवेस्टर्स धड़ाधड़ खरीद रहे भारतीय शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के विकास का डंका विदेशों में भी बज रहा है। कई देश के निवेशक भारतीय शेयर बाजार में निवेश कर रहे हैं। जापानी निवेशक तो जापान को छोड़कर भारत पर भरोसा कर रहे हैं। उनका मानना है कि भारत अगला चाइना है, जिसका तेजी से विकास हो रहा है। ब्लूमबर्ग ने इस बारे में रिपोर्ट पेश की, जिसके अनुसार भारतीय स्टॉक से जुड़ी जापानी इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट की टोटल संपत्ति में 11 प्रतिशत का उछाल आया, जिसके बाद उनकी संपत्ति 13.41 हजार करोड़ रुपए हो गई। पिछले महीने भारतीय शेयर से जुड़े फंड्स में निवेश में जापानी निवेशकों को लगभग 14 हजार करोड़ येन यानी

7920.04 करोड़ रुपए का रिटर्न मिला। वहीं जापानी स्टॉक्स से जुड़े फंड में न के बराबर इनफ्लो दर्ज हुआ। इसलिए जापानी निवेशक भारतीय शेयर बाजार का रुख कर रहे हैं। भारत के किसी खास स्टॉक के लिए नहीं बल्कि भारतीय निवेशक पूरे भारत को लेकर खासा दिलचस्पी दिखा रहे हैं। अन्य उभरते देशों में वे भारत को ज्यादा महत्व दे रहे हैं। इस साल से शुरू हुए टैक्स फ्री इन्वेस्टमेंट अकाउंट भी इसके पीछे की वजह है। जापान के यूबीएस सुमी ट्रस्ट वेल्थ मैनेजमेंट कंपनी के सीईओ दैजू का मानना है कि भारत की आर्थिक ग्रोथ को देखते हुए जापानी निवेशकों का भारतीय शेयर बाजार में आकर्षण बढ़ा है।

20वीं बार डिविडेंड देने जा रही है कंपनी, 1 शेयर पर 26 रुपये का फायदा, रिकॉर्ड डेट 14 फरवरी से पहले

नईदिल्ली, एजेंसी। डिविडेंड बाटने वाली कंपनियों पर दांव लगाने वाले निवेशकों के लिए गुड न्यूज है। गुडईयर इंडिया लिमिटेड ने डिविडेंड का ऐलान किया है। कंपनी ने एक शेयर पर 26 रुपये डिविडेंड देने का फैसला किया है। इस डिविडेंड इश्यू के लिए रिकॉर्ड डेट का भी ऐलान कर दिया है। रिकॉर्ड डेट 14 फरवरी से पहले है। शेयर बाजारों को दी जानकारी में कंपनी ने कहा है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 26 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने 12 फरवरी 2024 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है।

मोदी सरकार ने डिजिटल इंडिया और सहकारिता से डाली समृद्ध ग्राम की नींवः अमित शाह

डिजिटलीकरण की मदद से गाँव-गाँव तक पहुँचेगा सहकारिता मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के कृषि और ग्रामीण विकास बैंकों और सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार कार्यालयों की कंप्यूटरीकरण की योजना का शुभारंभ किया, इससे सहकारिता क्षेत्र में लोगों की कागजों पर निर्भरता कम होगी और गतिशीलता बढ़ेगी। इस मौके पर अमित शाह ने स्पष्ट किया कि, 'मोदी सरकार ने डिजिटल इंडिया और सहकारिता से समृद्ध ग्राम की नींव डालने का काम किया है। डिजिटलीकरण की मदद से अब सहकारिता मंत्रालय गाँव-गाँव तक पहुँचेगा।' देश में लंबे समय से सहकारिता मंत्रालय के गठन की मांग की जा रही थी, लेकिन किसी भी सरकार ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। साल 2021 में मोदी जी ने सहकारिता मंत्रालय का गठन किया और मंत्रालय की कमान

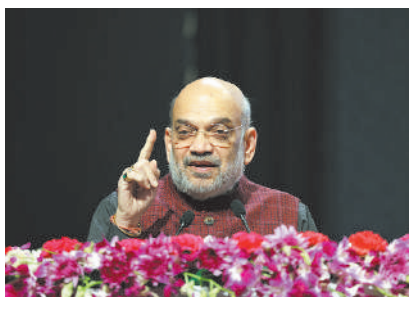

अंत्योदय की राजनीति करने वाले अमित शाह के हाथों में सौंप दी। मोदी जी ने सहकारिता के माध्यम से करोड़ो लोगों को स्वरोजगार के साथ जोड़ने का एक मज़बूत तंत्र खड़ा किया है। सहकारिता के क्षेत्र से लंबे समय से जुड़े शाह ने सहकारिता आंदोलन को बल देने का काम बखूबी किया। महज 2 साल के अंदर जर्जर हो चुके सहकारिता क्षेत्र को जीवंत बनाने और अंतिम व्यक्ति तक को लाभान्वित करने का काम शाह ही कर सकते हैं। आज तकरीबन 23 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकल चुके हैं। आज करोड़ों लोगों के घर में गैस, बिजली, 5 किलो मुफ्त राशन और अनेक प्रकार की सुविधाएँ देकर मोदी सरकार गरीबों के कल्याण का काम कर रही है।

मोदी जी की अगुआई और अमित शाह की नीतियों के तहत सहकारिता मंत्रालय 'सहकार से समृद्धि' के विज़न को साकार करने और करोड़ों किसानों को समृद्ध बनाने के प्रति कटिबद्ध है। एआरडीबी और आरसीएस कार्यालयों का कंप्यूटरीकरण सहकारिता मंत्रालय द्वारा उठाए गए कई महत्त्वपूर्ण कदमों में से एक है। यह परियोजना पूरे सहकारी इकोसिस्टम को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाकर सहकारिता क्षेत्र के आधुनिकीकरण और दक्षता को बढ़ाने की अमित शाह की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। आज देश भर में पैक्स के कंप्यूटरीकरण के साथ उन्हें एक कॉमन नेशनल सॉफ्टवेयर के माध्यम से एनएबीएआरडी से जोड़ा जा रहा है। पैक्स को बहुउद्देश्यीय कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में डिजिटल सेवाएँ शुरू करने में भी सक्षम बनाया जा रहा है।

दाल एवं अनाज मशीनरी की तीन दिवसीय एक्जीबिशन का शुभारंभ

शुभारंभ केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते और मप्र गृह निर्माण एवं अधोसरंचना विकास मण्डल के पूर्व अध्यक्ष कृष्णमुरारी मोघे के करकमलों से सम्पन्न

इंदौर, एजेंसी। ऑल इण्डिया दाल मिल एसोसिएशन के तत्वाधान में दाल एवं अनाज की नई-नई टेक्नालॉजी की आधुनिक मशीनरी की 3 दिवसीय एक्जीबिशन का शुभारंभ केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते और मप्र गृह निर्माण एवं अधोसरंचना विकास मण्डल के पूर्व अध्यक्ष कृष्णमुरारी मोघे के करकमलों से स्वामीनारायण मंदिर परिसर - नेमावर रोड़ चौराहा के पास, बायपास रोड़ (आगरा-बॉम्बे हाई-वे), मुंडला नायता, इंदौर (म.प्र) पर सम्पन्न हुआ । यह जानकारी देते हुए ऑल इण्डिया दाल मिल एसोसिएशन के प्रबंध संचालक एवं अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल एवं अन्य पदाधिकारी सुभाष गुप्ता, अनिल सुरेका, मुन्नालाल बंसल, दिनेश अग्रवाल और विजय लाहोटी ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि दाल एवं अनाज की नई-नई टेक्नालॉजी की आधुनिक मशीनरी की 3 दिवसीय प्रदर्शनी इन्दौर में रखी गई है, जिसका शुभारंभ केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते और मप्र गृह निर्माण एवं अधोसरंचना विकास मण्डल के पूर्व अध्यक्ष कृष्णमुरारी मोघे के करकमलों से सम्पन्न हुआ । प्रारंभ में मुख्य अतिथि केंद्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते और कृष्णमुरारी मोघे का स्वागत संस्था के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, मुन्नालाल बंसल, सुभाष गुप्ता एवं अनिल गुप्ता ने पुष्पगुच्छ से किया ।

अतिथियों के स्वागत के उपरांत संस्था अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने अपने स्वागत भाषण मे माननीय मुख्य अतिथि श्री कुलस्तेजी से वर्तमान मे दाल उद्योगो की समस्याओ के निराकरण के लिए सरकार से पहल करने का अनुरोध किया । आपने बताया कि देश की केंद्र सरकार और विभिन्न राज्यों की सरकारे परंपरागत उद्योगो की ओर ध्यान ना देकर विभिन्न कॉर्पोरेट और मल्टी-नैशनल कंपनियों को विभिन्न सुविधाएं देकर उन्हे बढ़ावा दे रही है, जिससे देश के परंपरागत उद्योगों की उपेक्षा हो रही है, सरकार की नीतियों के कारण कई पुराने कृषि आधारित उद्योग धीरे-धीरे बंद होने की कगार पर है । सरकार को नए-नए उद्योगों को बढ़ावा देने के साथ पुराने उद्योगों का भी ध्यान रखना चाहिए । साथ ही आपने माननीय कुलस्तेजी को अवगत कराया कि पूर्व मे मध्यप्रदेश सरकार द्वारा मध्यप्रदेश के बाहर से दाल बनाने के लिए मंगाए जाने वाले दलहन - तुअर, उड़द, मूंग, मसूर, चना, मटर आदि पर मंडी शुल्क से छूट दी जाती थी, पिछले लगभग 04 वर्षों से यह छूट नहीं मिलने के कारण मध्यप्रदेश का कृषि आधारित दाल उद्योग पड़ोसी राज्यों गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ आदि के दाल उद्योगों से प्रतिस्पर्धा मे पिछड़ गया है, साथ ही दाल मिल कारखानों मे दालों का उत्पादन निरंतर गिरता जा रहा है और दो-दो शिफ्ट मे चलने वाले कारखाने मुश्किल से एक शिफ्ट मे ही चल पा रहे है । मंडी शुल्क लगने के कारण म.प्र. की दाले अन्य प्रदेशों की दालों की तुलना मे महंगी होने से बिक नहीं पा रही है, म.प्र. मे गुजरात, महाराष्ट्र एवं अन्य राज्यों से दाले आकर बिक रही है । अतः आपने माननीय मोघेजी से प्रदेश के दाल उद्योगों के हित मे म.प्र. मे मंडी शुल्क से स्थाई रूप से छूट दिलवाने का अनुरोध किया । माननीय श्री कुलस्तेजी ने अपने सारगर्भित उद्बोधन मे ऑल इंडिया दाल मिल एसोसिएशन के इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बहुत अधिक फायदा होगा, क्योंकि नई टेक्नोलॉजी की मशीनों से खाद्य उद्योगों मे नई क्रांति आएगी और अधिक गुणवत्ता और मात्रा मे वृद्धि होगी, जिससे उपभोक्ता को क्वालिटी एवं मानक स्तर के खाद्य पदार्थ बाजार मे सुलभता से मिल सकेंगे ।

बुमराह ने लगाया सिक्सर

तोड़ा शमी का रिकॉर्ड

टेस्ट में सबसे तेज

150 विकेट

विशाखापत्तनम, एजेंसी। भारतीय स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ विजाग टेस्ट मैच की पहली पारी में घातक गेंदबाजी की। बुमराह की इस गेंदबाजी के दम पर टीम इंडिया ने इंग्लैंड की टीम को पहली पारी में 253 रन पर समेट दिया। भारत ने पहली पारी में 396 रन बनाए थे और उसे पहली पारी में 143 रन की बढ़त मिली। बुमराह ने इस मैच में फाइफर लेने का कमाल किया और उन्होंने अपने साथी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इसके अलावा वह भारत की तरफ से टेस्ट में सबसे तेज 150 विकेट लेने वाले गेंदबाज बने साथ ही वह टेस्ट क्रिकेट में दूसरे सबसे तेज 150 टेस्ट विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज भी बने। इसके अलावा उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी बार फाइफर लेने का कमाल भी किया।

बुमराह ने तोड़ा शमी का रिकॉर्ड

बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी पारी में 15.5 ओवर में 45 रन देकर 6 बल्लेबाजों को आउट किया और इस दौरान 5 ओवर मेडन भी फेंके। इंटरनेशनल क्रिकेट में यह 12वां मौका था जब उन्होंने फाइफर लेने का कमाल किया और मो. शमी साथ ही इशांत शर्मा को पीछे छोड़ दिया। शमी और इशांत ने 11-11 बार इंटरनेशनल क्रिकेट में फाइफर लेने का कमाल किया था। वहीं बुमराह ने जहीर की भी बराबरी कर ली जिन्होंने 12 बार फाइफर लेने का कमाल किया था। भारत की तरफ से सबसे ज्यादा फाइफर लेने का कमाल कपिल देव ने किया था जबकि दूसरे नंबर पर जवागल श्रीनाथ मौजूद हैं।

इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा बार फाइफर लेने वाले गेंदबाज

24 – कपिल देव
13– जवागल श्रीनाथ
12 – जसप्रीत बुमराह
12 –जहीर खान
11 – मोहम्मद शमी
11 –इशांत शर्मा
9 – इरफान पठान

बुमराह 150 विकेट लेने वाले दूसरे सबसे तेज एशियाई बॉलर बने

जसप्रीत बुमराह ने अपने 35वें टेस्ट मैच में 150 विकेट पूरे किए और वह टेस्ट क्रिकेट में भारत की तरफ से सबसे तेज 150 विकेट लेने वाले भारतीय फास्ट बॉलर बने।

इसके अलावा वह टेस्ट में 150 टेस्ट विकेट लेने वाले सबसे तेज एशियाई तेज गेंदबाज भी बने। टेस्ट में सबसे तेज 150 विकेट लेने वाले एशियाई तेज गेंदबाज वकार यूनिस थे जिन्होंने 27 मैचों में यह उपलब्धि अपने नाम कर ली थी।

टेस्ट में सबसे तेज 150 विकेट लेने वाले एशियाई फास्ट बॉलर

27 विकेट – वकार यूनिस
34 विकेट –जसप्रीत बुमराह

बुमराह ने 6781 गेंदों पर लिए 150 टेस्ट विकेट

बुमराह भारत की तरफ से सबसे कम गेंदों पर टेस्ट में 150 विकेट लेने वाले गेंदबाज बने और उन्होंने यह कमाल 6781 गेंदों पर किया। बुमराह ने उमेश यादव को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 7661 गेंदों पर यह कमाल किया था।

भारत की तरफ से सबसे कम गेंदों पर 150 विकेट लेने वाले गेंदबाज

6781 – जसप्रीत बुमराह
7661 – उमेश यादव
7755 – मोहम्मद शमी
8378 – कपिल देव
8380 – आर अश्विन

यशस्वी जयसवाल का रिकॉर्ड

दोहरा शतक लगाने वाले तीसरे सबसे युवा भारतीय

विशाखापत्तनम। यशस्वी जयसवाल ने शनिवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन टेस्ट क्रिकेट में अपना पहला दोहरा शतक लगाया। उन्होने इंग्लिश स्पिनर शोएब बशीर की गेंद पर एक छक्का और एक चौका लगाकर 277 गेंदों में अपना दोहरा शतक पूरा किया। वह यह गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे सबसे कम उम्र के भारतीय भी बन गए। दोहरा शतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय विनोद कांबली हैं, जिन्होंने 1993 में वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ 21 साल और 35 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।

कांबली 21 साल और 55 दिन की उम्र में नंबर दो स्थान पर रहे थे जब उन्होंने 1993 में दिल्ली के फिरोज शाह कोटला में जिम्बाब्वे के खिलाफ अपना दूसरा दोहरा शतक बनाया था। दोहरा शतक बनाने वाले दूसरे सबसे कम उम्र के भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर हैं जिन्होंने 1971 में पोर्ट ऑफ स्पेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ 21 साल और 283 दिन की उम्र में अपना पहला दोहरा शतक बनाया था। टेस्ट इतिहास में सबसे कम उम्र के दोहरे शतकधारी पाकिस्तान के जावेद मियांदाद हैं, जिन्होंने 19 साल और 140 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।

जयसवाल टेस्ट दोहरा शतक बनाने वाले चौथे बाएं हाथ के बल्लेबाज भी हैं। इससे पहले विनोद कांबली, सौरव गांगुली और

गौतम गंभीर ने यह उपलब्धि हासिल की थी। दूसरे छोर पर विकेट गिरने के बावजूद मुंबई के इस जीवट बल्लेबाज ने शानदार खेल का मुजाहिरा किया और पिच के बदलते व्यवहार के बीच अनुशासन बनाए रखा। जयसवाल के शानदार प्रदर्शन ने भारत को मजबूत स्थिति में लाने में मदद की, क्योंकि कोई अन्य बल्लेबाज पारी में अर्धशतक भी नहीं बना सका। उन्होंने न केवल ग्राउंड स्ट्रोक बल्कि हवाई शॉट भी लगाए।

यशस्वी जायसवाल का शतक देखकर सचिन तेंदुलकर ने दो शब्दों में दी प्रतिक्रिया

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ने बड़ा शतक लगाकर टीम इंडिया को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। जायसवाल ने 17 चौके और 5 छक्कों की मदद से 177 रन बनाए। यह उनके टेस्ट करियर का दूसरा शतक था। अपने शतक के लिए तारीफें बटोर रहे जायसवाल के लिए अब सचिन तेंदुलकर भी बोले हैं। सचिन ने जायसवाल की तारीफ के लिए सोशल मीडिया का रुख किया है और फोटो शेयरकर लिखा है- यशस्वी भवः

यशस्वी ने हैदराबाद में शुरुआती टेस्ट के दौरान भी पहली पारी में 80 रन बनाए थे। वह वहां आसानी से शतक बना सकते थे लेकिन उन्होंने विकेट फेंक दिया। इससे सचिन कुछ निराश भी दिखे थे। लेकिन जायसवाल ने दूसरे टेस्ट में अपनी गलतियों से सीखा और आगे बढ़ गए।

जायसवाल का पहला टेस्ट शतक 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ आया था। जब उन्होंने 16 चौकों और 1 छक्के की मदद से 171 रन बनाए थे। बता दें कि राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 28 रन की हार के बाद भारत टेस्ट सीरीज में 0-1 से पीछे है। भारतीय टीम दूसरे टेस्ट में विराट कोहली, केएल राहुल और रवींद्र जडेजा के बिना उतरी है लेकिन जायसवाल ने अपने दम पर टीम इंडिया को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है।

इंडिया वर्सेस इंग्लैंड

शास्त्री ने खराब फॉर्म के लिए शुभमन को चेताया

विशाखापत्तनम, एजेंसी। एक ओर जहां जायसवाल भारत की पारी को संभालते हुए नजर आए वहीं दूसरी ओर शुभमन गिल फिर से फॉर्म के लिए संघर्ष करते हुए नजर आए। गिल केवल 34 रन ही बना सके। पूर्व भारतीय हेड कोच रवि शास्त्री ने कहा कि गिल को सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि चेतेश्वर पुजारा कभी भी उनकी जगह ले सकते हैं।

शुभमन गिल को रास नहीं आ रहा तीसरा नंबर

गिल के बल्ले से रन नहीं निकल रहे हैं। वह जबसे तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने लगे हैं तब से एक भी अर्धशतक नहीं जमा पाए हैं।

पुजारा कभी भी ले सकते हैं जगह!

हैदराबाद टेस्ट में भी वह कुछ खास नहीं कर सके वहीं विशाखापत्तनम टेस्ट की पहली पारी में भी उन्होंने 34 ही रन बनाए। वहीं दूसरी ओर टीम इंडिया के तीसरे नंबर के दावेदार चेतेश्वर पुजारा रणजी ट्रॉफी लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। पुजारा का प्रदर्शन गिल के लिए चेतावनी है।

शास्त्री ने गिल को दी चेतावनी

पहले दिन कमेंट्री कर रहे रवि शास्त्री ने कहा, 'यह भारतीय टीम युवा है। इन युवा खिलाड़ियों को खुद को साबित करना होगा। इनको नहीं भूलना चाहिए कि पुजारा इंतजार कर रहे हैं। वह रणजी ट्रॉफी में खेल रहे हैं और हमेशा टीम इंडिया की रडार में है।'

शुभमन गिल सातवीं बार एंडरसन का शिकार बने। शास्त्री ने कहा, 'टेस्ट मैच में आपको क्रीज पर जमे रहने की जरूरत होती है। ऐसा नहीं होता है तो आप परेशानी में पड़ जाएंगे। एंडरसन की गेंदो का सामना करना आसान नहीं है। चेतेश्वर पुजारा पहले भी टीम से बाहर होकर वापसी कर चुके हैं। पुजारा ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के बाद से टीम के लिए कोई टेस्ट नहीं खेला है। उन्होंने वापसी की उम्मीद नहीं छोड़ा है। वह घरेलू क्रिकेट में खुद को साबित कर रहे हैं। पुजारा किसी भी समय गिल की जगह ले सकते हैं।

हमें टर्निंग पिचों की जरूरत नहीं, हमें अच्छे विकेट पर खेलना चाहिए: गांगुली

विशाखापत्तनम। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को दोपहर के सत्र में जसप्रीत बुमराह के शानदार स्पैल को देखकर टर्न लेती पिचों के बजाय अच्छी पिचें तैयार करने की वकालत की। बुमराह ने यार्कर गेंद पर ओली पोप को आउट किया।

इसके बाद गांगुली ने अपने 'एक्स% अकाउंट पर लिखा कि जब मैं बुमराह, शमी, सिराज और मुकेश को गेंदबाजी करते देखता हूं तो मुझे हैरानी होती है कि हमें भारत में टर्निंग पिच तैयार करने की क्या जरूरत है। प्रत्येक मैच के साथ मेरा अच्छे विकेट पर खेलने को लेकर विश्वास मजबूत होता जा रहा है। उन्होंने लिखा कि उन्हें अश्विन, जडेजा, कुलदीप और अक्षर के सहयोग से किसी भी पिच पर 20 विकेट मिल जाएंगे।

बीसीसीआई के पूर्व प्रमुख ने पिछले साल के शुरू में आस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की घरेलू श्रृंखला में भी इसी तरह के विचार व्यक्त किए थे, विशेषकर इंदौर की पिच को आईसीसी से खराब रेटिंग मिलने के बाद।

मुकाबले की बात करें तो भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने विशाखापत्तनम के मैदान पर इंगलैंड के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन छह विकेट लेकर मेहमानों को मात्र 253 रन पर ही रोक दिया। भारतीय टीम के पास अब 143 रन की लीड है। इससे पहले भारतीय टीम यशस्वी जायसवाल के दोहरे शतक की बदौलत 396 रन बनाए थे।

विराट मेरे बेटे की तरह हैं- स्टार बल्लेबाज के साथ अपने मतभेदों पर भारत के पूर्व खिलाड़ी

विशाखापत्तनम। क्रिकेट विश्व कप से पहले भारतीय चयनकर्ता चेतन शर्मा का एक स्टिंग आपरेशन खूब वायरल हुआ था। इसमें चेतन ने टीम में विराट और रोहित के रिश्तों पर सनसनीखेज खुलासे किए थे। इसके बाद चेतन को अपना पद भी गंवाना पड़ा था। बताया गया कि चेतन से इस कारण भारतीय स्टार नाराज भी हो गए थे। इसी बीच पूर्व क्रिकेटर ने विराट के साथ अपने रिश्तों पर अपनी बात रखी है। विराट कोहली फिलहाल निजी कारणों से भारतीय टीम से दूर हैं। वह वापसी कब करेंगे, इसकी कोई जानकारी नहीं है।

बहरहाल, चेतन शर्मा ने एक चैनल को दिए इंटरव्यू में अपने पहले बयान से यू टर्न ले लिया है। दिग्गज तेज गेंदबाज ने कहा कि विराट उनके बेटे की तरह हैं। उन्होंने कहा कि विराट कोहली मेरे बेटे की तरह हैं और मैं उनके बारे में

बुरी बातें क्यों कहूंगा? मैं हमेशा उनकी सलामती के लिए प्रार्थना करता हूं। मुझे उम्मीद है कि वह वापस आएंगे और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 टन के आंकड़े तक पहुंचने के लिए शतक बनाएंगे। विराट भारतीय क्रिकेट के आइकन हैं। मैं उनकी वापसी का इंतजार कर रहा हूं।

कोहली ने आखिरी बार अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की टी20 सीरीज खेली थी। इससे पहले, वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट श्रृंखला में भारत के शीर्ष रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। कोहली के लिए साल 2023 अच्छा गया था। उन्होंने क्रिकेट विश्व कप में 765 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट की ट्रॉफी जीती थी। उन्होंने विश्व कप के 11 मैचों में तीन शतक और 6 अर्धशतक लगाए थे।

टीम इंडिया ने जब इंगलैंड के खिलाफ हैदराबाद में खेला गया पहला मुकाबला 28 रन से गंवाया तो कई दिग्गजों ने इसके लिए विराट कोहली की गैरहाजिरी को बड़ा कारण माना था। पूर्व खिलाड़ियों ने दावा किया कि अगर विराट प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होते तो भारत यह मैच जीत जाता।

युवराज सिंह की क्रिकेट मैदान पर होगी वापसी, मैदान पर बरसाएंगे कोहराम

नई दिल्ली। वन नेशन, वन फैमिली कार्यक्रम के दौरान भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को अपने फेवरेट स्टार सचिन तेंदुलकर और युवराज सिंह एक्शन में देखने को मिले थे। अब एक बार फिर से युवराज सिंह क्रिकेट मैदान पर वापसी को तैयार होंगे। एक रोमांचक घटनाक्रम में युवराज सिंह, ब्रेट ली, केविन पीटरसन, सुरेश रैना, शाहिद अफरीदी जैसे क्रिकेटर विश्व चैंपियनशिप के दौरान आमने सामने होंगे। बर्मिंघम के एजबेस्टन स्टेडियम में 3 से 18 जुलाई तक यह टूर्नामेंट होगा।

एजबेस्टन इस गर्मी में बहुप्रतीक्षित वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) की मेजबानी करने के लिए तैयार है। युवराज सिंह, शाहिद अफरीदी और केविन पीटरसन जैसे दिग्गज इस दौरान सक्रिय रहेंगे। टूर्नामेंट में इंग्लैंड, भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के सेवानिवृत्त और गैर-अनुबंधित खिलाड़ियों को प्रदर्शन

करते दिखेंगे। इंग्लैंड के केविन पीटरसन ने इस क्रिकेट महाकुंभ में भाग लेने के लिए प्रतिबद्धता जता दी है। इसके अलावा एक ओवर में 6 छक्कों के लिए प्रसिद्ध युवराज सिंह और वनडे के सबसे तेज शतकवीर में से एक पाकिस्तान के बल्लेबाज शाहिद अफरीदी भी हामी भर चुके हैं।

बताया जा रहा है कि खेल के प्रति अपने जुनून को व्यक्त करते हुए, भारतीय अभिनेता अजय देवगन ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2024 में रूप से निवेश किया है। उन्होंने अपना उत्साह साझा करते हुए कहा कि एक क्रिकेट प्रेमी के रूप में, प्रसिद्ध क्रिकेट दिग्गजों को फिर से एक्शन में देखना एक सपना था जोकि सच हो रहा है। यह टूर्नामेंट न केवल क्रिकेट की पुरानी यादों को सामने लाता है, बल्कि सिनेमा और क्रिकेट के बीच एक अद्वितीय सहयोग का भी प्रतीक है, जो दुनिया भर के प्रशंसकों के लिए एक असाधारण उपहार पेश करेगा।

मिस्बाह उल हक ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को बुरी तरह तलाड़ा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मिस्बाह उल हक का मानना है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में अनिश्चितता और उसकी अदूरदर्शिता के कारण विदेशी और यहां तक कि स्थानीय कोच भी देश के क्रिकेट बोर्ड के साथ काम नहीं करना चाहते हैं। मिस्बाह ने 2019 और 2021 के बीच पाकिस्तान टीम के मुख्य कोच और मुख्य चयनकर्ता के रूप में भी काम किया है। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि पाकिस्तान क्रिकेट में खिलाड़ियों और कोचों को एक या दो सीरीज के आधार पर या बोर्ड के शीर्ष प्रबंधन में बदलाव के कारण बर्खास्त कर दिया गया था।

सिंध प्रांत में एक स्थानीय टूर्नामेंट में हैदराबाद फ्रेंचाइजी को कोचिंग दे रहे मिस्बाह ने कहा, अगर आप बोर्ड की नीतियों को देखें तो विदेशी कोच ही नहीं बल्कि हमारे स्थानीय कोच भी पीसीबी के साथ काम नहीं करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, पाकिस्तान क्रिकेट को इतने अव्यवस्थित तरीके से नहीं चलाया जाना चाहिए। हमें टीम प्रबंधन, चयनकर्ताओं और खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए दीर्घकालिक योजनाएं बनाने की जरूरत है। दुर्भाग्य से पाकिस्तान में बोर्ड नेतृत्व में बदलाव से सब कुछ बदल जाता है।

मिस्बाह ने कहा कि अगर खिलाड़ी इस बात को लेकर आश्वस्त नहीं हैं कि बोर्ड में क्या हो रहा है तो वे कैसे सुरक्षित महसूस कर राष्ट्रीय टीम में खुद को स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि अगर इस प्रक्रिया के लिए उचित समय नहीं दिया गया तो आप एक अच्छी टीम नहीं बना सकते या गुणवत्तापूर्ण खिलाड़ियों को तैयार नहीं कर सकते। हमें कुछ अन्य देशों की प्रणालियों को देखने की जरूरत है जो सफल हैं।

संक्षिप्त समाचार

टीपू सुल्तान की प्रतिमा को चप्पलों की माला पहनाने वाला गिरफ्तार

बेंगलुरु। कर्नाटक के रायचूर जिले में टीपू सुल्तान की प्रतिमा को चप्पलों की माला पहनाने के आरोपित सिरिवारा निवासी 23 वर्षीय आकाश तलवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपित ने पूछताछ में अपराध स्वीकार किया है। उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने क्षेत्र की सीसीटीवी फुटेज को खंगालकर दो अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया है। गत 31 जनवरी को मैसुरु के पूर्व शासक की प्रतिमा पर चप्पलों की माला देखकर सिरिवारा में तनाव फैल गया था। इस मामले में लापरवाही के आरोप में शुक्रवार को दो पुलिस कांस्टेबलों को निलंबित कर दिया गया। एक अधिकारी ने कहा कि निलंबित किए गए कांस्टेबल इस्माइल और रेवानासिद्दा सिरवारा पुलिस स्टेशन से जुड़े हैं। जब घटना की सूचना मिली तो वे रात्रि ड्यूटी पर तैनात थे।

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने चलाया तलाशी अभियान, हथियारों का जखीरा बरामद

इंफाल एजेंसी। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने पहाड़ी और घाटी जिलों के संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान चलाया और भारी संख्या में हथियार जब्त किए हैं। पुलिस ने कहा कि तलाशी अभियान में कई तरह के हथियार जब्त हुए हैं। पुलिस ने बताया कि इस दौरान चूड़चंद्रपुर से एक 12 जी शाटगन, एक मैगजीन के साथ .22 स्वचालित राइफल, नौ सिंगल बैरल राइफल, एक मैगजीन के साथ 9 मिमी देशी पिस्तौल, दो मोर्टार, एक मोर्टार बम, छह मोर्टार बम लोडर, एक केनवुड रेडियो सेट, दस 12 बोर राउंड, पांच 9 मिमी राउंड 31 जनवरी को बरामद किए थे। पुलिस ने कहा कि सुरक्षा बलों ने एनएच-37 और एनएच-2 पर आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वाले वाहनों की आवाजाही भी सुनिश्चित की है। पुलिस ने कहा कि सभी संवेदनशील स्थानों पर सख्त सुरक्षा उपाय किए गए हैं और वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। पुलिस ने कहा कि मणिपुर के पहाड़ी और घाटी दोनों जिलों में कुल 141 चेक प्वाइंट लगाए गए थे और पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों में उल्लंघन के सिलसिले में 250 लोगों को हिरासत में लिया है।

छत्तीसगढ़ में एक्शन पर भाजपा सरकार का बुलडोजर

रायपुर, एजेंसी। प्रदेश में भारतीय जानता पार्टी की सरकार के पहले ही दिन से सबसे पहले राजधानी रायपुर फिर अन्य जिले में प्रशासन का बुलडोजर तेजी से कार्रवाई कर रहा है। प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के बाद से ही लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी तर्ज पर कांकेर जिले में एक कांग्रेस नेता के अवैध कब्जे पर प्रशासन का बुलडोजर चला है। बतादें कि साल 2023 में इस अवैध कब्जे को लेकर शिकायत की गई थी। जिसके बाद 1 फरवरी को कांग्रेस नेता को नोटिस जारी करने के बाद आज बुलडोजर की कार्रवाई हुई है। बतादें कि कांकेर जिले के आमापारा में रहने वाली महिला कांग्रेस की प्रदेश सचिव और पूर्व जिला अध्यक्ष मीरा साहू ने सरकारी जमीन का करीब 62 वर्ग मीटर एरिया पर कब्जा कर लिया था। जहां पर कांग्रेस के इस नेता ने मकान बना दिया था। जिसका काम भी लगातार जारी था। जिसकी शिकायत जिला कलेक्टर को की गई थी।

साथ में सुसाइड करने की खाई कसम, ट्रेन के आगे कूद गया युवक

बालोतरा, एजेंसी।
राजस्थान के रहने वाले एक युवक और युवती ने साथ में सुसाइड करने की ठानी। युवक यूं तो पहले से ही शादीशुदा था और दो बच्चे भी थे, लेकिन उसकी एक प्रेमिका भी थी, जो उसी गांव में रहती थी। दोनों के बीच किसी बात पर लड़ाई हो गई और दोनों ने जिंदगी खत्म करने का फैसला लिया। दोनों साथ में पास के रेलवे ट्रैक पर पहुंचे और युवक ने ट्रेन के आगे छलांग लगा दी। हालांकि, आखिरी समय में युवती का मन बदल गया और वह वहां से वापस चली गई। इस घटना में राजू की ट्रेन से कटकर मौत हो गई।

दिल्ली-एनसीआर की 44 अवैध कॉलोनियां हुईं नियमित, 2 लाख लोगों को राहत

नई दिल्ली, एजेंसी।
हरियाणा सरकार और शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा जिले की 44 अवैध कॉलोनियों को नियमित किया है। इन अवैध कॉलोनियों में रह रहे दो लाख से ज्यादा लोगों को राहत मिली है। अब इन अवैध कॉलोनियों में नगर निगम द्वारा लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी।

नगर निगम गुरुग्राम एरिया की 103 में से 13 कॉलोनियों को नियमित किया जा चुका है और अब 21 अवैध कॉलोनियों को नियमित किया गया है। बता दें कि बीते साल नगर निगम गुरुग्राम ने शहर की 103 अवैध कॉलोनियों को नियमित करने के लिए प्रस्ताव सरकार को भेजा था। प्रस्ताव से पहले निगम की तरफ से इन कॉलोनियों का सर्वे किया गया था। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर ही अब अवैध कॉलोनियों को नियमित करने की कार्रवाई सरकार द्वारा की जा रही है।

गुरुग्राम निगम की 103 में से अब तक 34 अवैध कॉलोनियों को नियमित किया जा चुका है। शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा जारी की गई सूची में गुरुग्राम नगर निगम दायरे की 21 कॉलोनियां, मानेसर नगर निगम की सात, सोहना की पांच, पटौदी मंडी की तीन और फर्रुखनगर की आठ अवैध कॉलोनियों को नियमित किया गया है। वहीं, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के निदेशक पंचकूला के डॉ. यशपाल यादव ने कहा कि प्रदेश की भर की 173 अवैध कॉलोनियों को नियमित किया गया है, जिसमें से गुरुग्राम जिले की 44 अवैध कॉलोनियों की नियमित करने की कार्रवाई की गई है। इससे लोगों में खुशी की लहर है।

न्यू पालम विहार फेस-1 और 2, एवन्यू 69, 8050 मयूर विहार, एसआरपी कॉलोनी, चंदन विहार फेस-2, रॉयल भवानी एंकलेव, बिना नाम की कॉलोनी, सियाराम एंकलेव, वाटिका कुंज, निहाल कॉलोनी, मारूति कुंज कॉलोनी एक्सटेंशन, वाटिका कुंज पार्ट-2, स्नेह विहार कॉलोनी, वाटिका कुंज एक्सटेंशन, शांति कुंज, शंकर विहार और टेंकचंद कॉलोनी, कृष्णा कुंज, श्रीराम एंकलेव और राजेंद्रा पार्क एरिया को नियमित किया गया है। इन कॉलोनियों में कुछ कॉलोनियां ऐसी हैं जिनके अवैध बच्चे हुए थे। शहरी निकाय विभाग ने कॉलोनी के एरिया के हिसाब से भी नियमित किया गया है।

गुरुग्राम में 300 से ज्यादा अवैध कॉलोनियां मौजूद हैं। इनमें से निगम ने 103 कॉलोनियों को नियमित करने के लिए सरकार को भेजा था। इनमें से 34 कॉलोनियां नियमित हो चुकी हैं। नियमित हुई इन कॉलोनियों में अब नगर निगम द्वारा सड़क निर्माण, स्ट्रीट लाइट, पानी की लाइनें और सीवर लाइन आदि का काम करवाया जाएगा। इससे लोगों को काफी सुविधाएं मिलेंगी। अब इन कॉलोनियों में निगम द्वारा लोगों के घरों में पानी के कनेक्शन देने का काम भी किया जाएगा।

कोरोना पॉजिटिव पाए गए राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत की तबियत खराब हो गई है। दरअसल, अशोक गहलोत स्वाइन फ्लू और कोरोना की जांच में पॉजिटिव पाए गए है। इस कारण गहलोत फिलहाल डॉक्टर के निर्देशानुसार होम आइसोलेशन में हैं। उनका अगले सात दिनों का सभी कार्यक्रम रद्द कर दिया गया है। इस बात की जानकारी उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर दी है।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, पिछले कुछ दिनों से बुखार होने के कारण आज डॉक्टर्स की सलाह पर जांच करवाई, जिसमें कोविड और स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई है। इस कारण अगले सात दिन तक मुलाकात नहीं कर सकूंगा। इस बदलते मौसम में आप सब भी अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। ऐसे में गहलोत ने अपील की है कि पिछले दिनों जो भी लोग उनके संपर्क में आए। वे अपनी जांच कराएं और सावधानी बरतें। गहलोत ने अपने आगामी दिनों के कार्यक्रम निरस्त कर दिए हैं। जनता के बीच जाने के बजाय कुछ दिनों तक वे अपने निवास पर ही रहकर काम करते रहेंगे।

दो बम रखे हैं...स्कूल को उड़ा देंगे, डीपीएस को फिर ई-मेल से मिली धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के आरकेपुरम स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) को शुक्रवार सुबह बम से उड़ाने की अफवाह से शिक्षकों और अभिभावकों के होश उड़ गए। मौके पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और बम स्कवॉड ने जांच की तो वहां कुछ संदिग्ध नहीं मिला। इससे पूर्व मथुरा रोड स्थित डीपीएस को भी बम से उड़ाने की धमकी दी जा चुकी है। पुलिस के अनुसार, प्रिंसिपल पद्मा श्रीनिवासन को शुक्रवार सुबह 9.02 बजे धमकी भरा ई-मेल भेजा गया, जिसमें बताया गया कि स्कूल में दो बम रखे हुए हैं। यह सूचना पाते ही स्कूल में अफरातफरी का माहौल हो गया और पुलिस को खबर दी गई। इस बीच सभी कक्षाओं और छात्रावास को खाली करा दिया गया। मौके पर पहुंचे दिल्ली पुलिस और बम डिस्पोजल टीम ने जांच शुरू की। काफी देर तक चली जांच के बाद कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। बाहरी क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाई स्कूल प्रशासन भी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए और अधिक कड़े कदम उठा रहा है। उधर, पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस आईपी एड्रेस की मदद से आरोपी तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। जांच में सामने आया है कि ई-मेल भेजने के लिए दिल्ली से बाहर का सर्वर का इस्तेमाल हुआ है। पुलिस उपायुक्त रोहित मीणा ने कहा कि टीम आईपी एड्रेस के जरिए आरोपी की तलाश कर रही है।

बम की फर्जी सूचना से स्कूल प्रशासन के साथ अभिभावकों के भी पसीने छूट गए। स्कूल से जुड़े एक व्यक्ति ने बताया कि जैसे ही जानकारी मिली तो सुरक्षा गार्ड बच्चों को बाहर लेकर आए और परिजनों को सौंप दिए। ई-मेल की सूचना अभिभावकों को भी दी गई। परिजन अजय कर्ण ने कहा, मेरे बेटे ने बताया कि उन लोगों को स्कूल प्रशासन ने कहा कि स्कूल के बी ब्लॉक में आग लगी है। इसलिए आप लोग बाहर निकलिए। सभी बच्चों को फील्ड में लाया गया। बच्चे की बस आमतौर से ढाई या तीन बजे आती है, लेकिन शुक्रवार को बस पहले आ गई। बाद में बेटे ने किसी की मोबाइल से कॉल किया तो मैं उसे लेने बस स्टैंड गया। इसी तरह अन्य बच्चों के परिजन भी आनन-फानन में स्कूल पहुंचे और बच्चों को सकुशल पाकर राहत की सांस ली। दिल्ली पब्लिक स्कूल में बम की अफवाह को लेकर गंगाराम अस्पताल के बाल मनोचिकित्सक डॉ. राजीव मेहता ने बताया कि इस तरह की झूठी फोन कॉल या ई-मेल करने वाले बच्चे कई तरह के हो सकते हैं। कुछ बच्चे अकादमिक प्रदर्शन में बेहतर नहीं कर पाते, वे स्कूल आने से बचने या परीक्षा के डर से ऐसी कॉल कर देते हैं।

10 मिनट में दुहाई से मेरठ, 160 किमी की स्पीड से ट्रैक पर दौड़ी नमो भारत ट्रेन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल कॉरिडोर के तहत अब साहिबाबाद से मेरठ साउथ (परतापुर) तक नमो भारत ट्रेन को दौड़ाने की तैयारी तेज हो गई है। इसके तहत ही एनसीआरटीसी की ओर से दुहाई से मेरठ साउथ के बीच करीब 160 किलोमीटर की रफ्तार से ट्रेन का ट्रायल किया गया। दावा है कि करीब 10 मिनट में ही ट्रेन दुहाई से मेरठ साउथ पहुंच गई। अब फाइनल ट्रायल की तैयारी की जा रही है। दिल्ली-मेरठ रैपिड कॉरिडोर पर वर्तमान में साहिबाबाद से दुहाई और दुहाई से साहिबाबाद के बीच ही नमो भारत ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। साउथ तक के दूसरे कॉरिडोर पर संचालन की तैयारी तेज कर दी गई। करीब तीन माह में ही दुहाई से मेरठ साउथ तक का काम लगभग फाइनल कर दिसंबर में पहला ट्रायल किया गया। उसके बाद से लगातार ट्रायल किया जा रहा है। एनसीआरटीसी के अधिकारियों ने जानकारी दी कि पहले 25-30 किलोमीटर की रफ्तार से ट्रायल की शुरुआत की गई थी। इसके बाद धीरे-धीरे स्पीड बढ़ाकर ट्रायल किया जाता रहा।

फ्रांस में एफिल टावर पर लॉन्च हुआ भारत का यूपीआई

मोदी बोले- देखकर खुशी हुई; जयपुर में इससे मैक्रों-मोदी ने किया था डिजिटल पेमेंट

पेरिस, एजेंसी।
फ्रांस में शुक्रवार को यूपीआई लॉन्च हो गया है। फ्रांस में भारतीय दूतावास ने 2 फरवरी को पेरिस के एफिल टावर पर यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस को औपचारिक रूप से लॉन्च किया। अब लोग यूपीआई के जरिए एफिल टावर के लिए टिकट बुक कर सकेंगे।

इस पर प्रधानमंत्री ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा- यह देखकर बहुत अच्छा लगा। खुशी हुई। यह यूपीआई को ग्लोबल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा मिलेगा।

यह लॉन्चिंग फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा के बाद हुई है। 25 जनवरी को मैक्रों जयपुर पहुंचे थे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें यूपीआई पेमेंट डिजिटल सिस्टम के बारे में जानकारी दी थी। उन्हें पेमेंट करना सिखाया था। इसके अलावा दोनों लीडर्स ने चाय पी थी। इसका पेमेंट राष्ट्रपति मैक्रों ने किया था।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति यूपीआई पेमेंट के मुरीद हो गए थे। 26 जनवरी को मैक्रों ने स्टेट डिनर के दौरान कहा- मैं जयपुर में पीएम मोदी के साथ पी गई चाय को कभी नहीं भूल सकता, क्योंकि उसका पेमेंट यूपीआई से किया गया था। वो मेरे लिए बहुत खास था। वो चाय हमारी दोस्ती, गर्मजोशी, परंपरा और इनोवेशन का सबसे बेहतरीन उदाहरण था। जुलाई 2023 में फ्रांस के दौरे पर भारतीय समुदाय से बात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था- फ्रांस और भारत के बीच डिजिटल पेमेंट को लेकर करार हुआ है। इसके तहत फ्रांस में भारत के यूपीआई से पेमेंट की जा सकेंगी। उन्होंने कहा था- जल्द फ्रांस में भारतीय पर्यटक रुपए में भुगतान कर सकेंगे।

एनसीपीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड और फ्रांस की लाइरा कलेक्ट ने फ्रांस और यूरोप में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस को लागू करने के लिए एक समझौते पर साइन किए थे। यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानी यूपीआई को 2016 में लॉन्च किया गया। इसे नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने बनाया है। इसने आसान तरीके से सीधे बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर करने की सुविधा दी। इससे पहले डिजिटल वॉलेट का चलन था। वॉलेट में केवायसी जैसी झंझट है, जबकि यूपीआई में ऐसा कुछ नहीं करना पड़ता।

युद्धविराम व बंधक समझौते को लेकर हमास नेताओं में दरार!

तेल अवीव, एजेंसी।
हमास और इजरायल के बीच युद्ध को रोकने के लिए पेरिस, काहिरा और दोहा सहित कई स्थानों पर बातचीत और चर्चाएं हो रही हैं, लेकिन हमास के वरिष्ठ नेताओं के बीच युद्धविराम को लेकर मतभेद उभर आया है।

इजरायली रक्षा मंत्री के कार्यालय के सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि उन्हें कतर के मध्यस्थों से जानकारी मिली है कि युद्धविराम की अवधि को लेकर हमास के वरिष्ठ नेता इस्माइल हनियेह और याह्या सिनवार के बीच मतभेद सामने आए हैं। जहां सिनवार छह से आठ सप्ताह का अस्थायी युद्धविराम और बंधकों की आंशिक रिहाई चाहता है, वहीं हनियेह युद्ध का स्थायी अंत और गाजा पट्टी के पुनर्निर्माण के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन चाहता है। हालांकि, सिनवार और हनियेह इजरायली जेलों से सभी फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई पर सहमत हुए हैं।

सूत्रों ने कहा कि हनियेह को हमास के वरिष्ठ नेताओं मूसा अबू मरजूक और खलील अल हया का समर्थन प्राप्त है, जबकि सिनवार को कथित तौर पर हमास के सैन्य प्रमुख मोहम्मद दीफ का समर्थन प्राप्त है।

सूत्रों के मुताबिक, हमास के शीर्ष नेतृत्व में आंतरिक मतभेदों ने कतर और मिस्र के वार्ताकारों को नाराज कर दिया है। हमास द्वारा हिरासत में लिए गए 253 बंधकों में से 105 को समूह ने 24 नवंबर से 1 दिसंबर तक एक सप्ताह के युद्धविराम के दौरान रिहा कर दिया।

इस्राइली नागरिकों पर प्रतिबंध लगाने पर भड़के नेतन्याहू, बाइडन के फैसले की आलोचना की

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बयान पर सख्त प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि उनका देश उन सभी पर कार्रवाई करता है जो कानून तोड़ते हैं। उनका यह बयान तब सामने आया है, जब बाइडन प्रशासन ने वेस्ट बैंक में बसने वाले उन यहूदियों पर प्रतिबंध लगाए हैं, जो फलस्तीनियों के खिलाफ हिंसक गतिविधियों में शामिल रहते हैं। नेतन्याहू ने कहा, यहूदिया और सामरिया क्षेत्र के ज्यादातर लोग कानून का पालन करते हैं, जिनमें कई अभी इस्राइल की रक्षा के लिए सिपाही के रूप में लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस्राइल उन सभी यहूदियों के खिलाफ कार्रवाई करता है, जो कानून तोड़ते हैं। इसलिए, हर जगह के लिए प्रतिबंध लगाना

गैरजरूरी है। मुझे लगता है वेस्ट बैंक की स्थिति असहनीय स्थिति तक पहुंच गई है। खासतौर पर वेस्ट बैंक में फलस्तीनियों के खिलाफ हिंसा, लोगों का गांवों से जबरन विस्थापन और संपत्ति का नुकसान उच्च स्तर पर पहुंच गया है। यह वेस्ट बैंक और गाजा, इस्राइल और पश्चिम एशिया की शांति, सुरक्षा और स्थिरता के लिए एक गंभीर खतरा है।

बाइडन ने आगे कहा, इस तरह की कार्रवाइयां अमेरिका की विदेश नीति के मकसदों को कमजोर करती हैं। जिसमें द्वि-राष्ट्र समाधान की व्यवहार्यता और इस्राइल व फलस्तीनियों की सुरक्षा, समृद्धि और स्वतंत्रता को सुनिश्चित करना है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि वे (वेस्ट बैंक में हिंसा और कब्जा करने की गतिविधियों में शामिल यहूदी) इस्राइल की सुरक्षा को कमजोर करते हैं और पश्चिम एशिया में अस्थिरता पैदा करने की क्षमता रखते हैं। जिससे अमेरिका के कर्मियों और हितों को भी खतरा पैदा होता है। ये कृत्य अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के लिए भी एक असामान्य और असाधारण खतरा पैदा करते हैं।

युद्ध शुरू होने के बाद से 3,000 लोग गिरफ्तार: इस बीच, इस्राइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने बताया है कि गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से उसके मध्य कमान के बलों ने आतंकवादी गतिविधियों के शक में करीब तीन हजार वांछित लोगों को गिरफ्तार किया है। आईडीएफ की मध्य कमान यहूदिया और सामरिया क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। इसलिए, गाजा पट्टी के बाहर से 3,000 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

गाजा के युद्ध में तबाह हो गई बच्चों की जिंदगी, 17 हजार अनाथ; 12000 की मौत

गाजा, एजेंसी। हमास के इजरायल पर हमले और फिर गाजा में इजरायली अटैक के बाद यह बच्चों का सबसे बड़ा कब्रिस्तान बन गया है। आंकड़ों के मुताबिक गाजा में अब तक 27 हजार से ज्यादा मौतें हुई हैं उनमें से करीब 12 हजार बच्चे ही हैं। इसके अलावा यूएन की रिपोर्ट के मुताबिक 17 हजार बच्चों के मां-बाप का पता नहीं है। इस तरह हमास और इजरायल के बीच की यह जंग बच्चों के लिए सबसे भारी पड़ी है। गाजा में बचे हुए बच्चों पर भी संकट मंडरा रहा है। भुखमरी और कुपोषण बड़ी समस्या बन गई है। ऐसे में इस युद्ध में गाजा के बच्चों का भविष्य स्वाहा हो गया। यूनिसेफ ने शुक्रवार को कहा कि गाजा में बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित हुआ है। ऐसे में उन्हें बहुत सपोर्ट की जरूरत है। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक यूनिसेफ के एक अधिकारी ने कहा कि गाजा में हर बच्चे की की एक दर्दनाक कहानी है। उन्होंने कहा कि गाजा में लगभग 17 लाख लोग विस्थापित हुए हैं। वहीं अनाथ होने वाले बच्चे इस आबादी का कुल एक पर्सेंट हैं। हालांकि ये आंकड़े ज्यादा भी हो सकते हैं। गाजा में जो माहौल है उसमें आँकड़े इकट्ठे करना और फिर वेरिफाइ करना भी एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा, गाजा में बच्चों के ऐसे हालात हैं कि वे कई बार अपना नाम तक नहीं बता पाते। अस्पताल बच्चों से पटे-पड़े हैं। उन्हें घायल अवस्था में अस्पताल में लाया जाता है। कई बच्चे हालात देखकर बेहोश हो जाते हैं। उन्हें इतना सदमा लगा होता है कि अपना नाम तक भूल जाते हैं। ऐसे में बहुत सारे लोग उन बच्चों को अपने पास रखते हैं। जो बच्चे अनाथ हो गए हैं, वे भी किसी ना किसी परिवार का सहारा ले रहे हैं। हालांकि यह भी बहुत मुश्किल काम है। लोग अपना ही पेट भरने के लिए तरस रहे हैं। ऐसे में किसी और के बच्चे का सहारा बनना आसान नहीं है। यूनीसेफ का कहना है कि गाजा में 5 लाख बच्चों को मानसिक स्वास्थ्य सपोर्ट देने की जरूरत है। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक गाजा में 27 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। वहीं 66 हजार से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129